MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 22 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-109

समाज में सीज़फायर

अनिरुद्ध गुट का कार्यालय पर कब्जा तो केशान ने किया अकाउंट फ्रीज़

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
अग्रवाल समाज, तेलंगाना में अब युद्धविराम की कोशिशें तेज हो गयी है। श्री अनिरुद्ध गुप्ता और श्री विकास केशान दोनों ही गुट समाज में बढ रही वैमनस्यता से बेहद आहत है। लगभग दोनों पक्ष चाहते हैं कि उनकी वजह से ख्यातिप्राप्त/प्रतिष्ठित समाज अन्य समाजों के समक्ष शर्मसार न हो और बीच का कोई रास्ता निकाला जाये। उनका कहना हैं कि वे समाज सेवा के मूल उद्देश्य से ही समाज में आये थे। शुभ लाभ ने अपने स्तर पर दोनों पक्षों से राय ली, तो दोनों का ही यही कहना था कि वे समाज की भलाई चाहते हैं और दोनों को पद की लालसा नहीं वरन् समाज सेवा का भूत सवार हैं। वे पीछे हटने को या हार मानने को कतई तैयार नहीं, किन्तु समाजहित में सर्वस्व न्योछावर करने तैयार हैं। इस बीच पता चला है कि दोनों ही पक्षों को अन्य समाज हितैशी महानुभावों की ओर से कई तरह के शांति प्रस्ताव आये हैं, जिनमें पाँचों पदाधिकारियों के इस्तीफे और पुनः चुनाव का प्रस्ताव भी शामिल हैं। इस बाबत दोनों गुटों से शुभ लाभ ने शुभ पहल की तो दोनों ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। गौरतलब है कि श्री अनिरुद्ध गुप्ता गुट ने जहाँ समाज के कार्यालय पर अपना अभेद्य कब्जा कर रखा है तो वहीं केशान ने एक करोड़ से अधिक के खाते पर अपने वर्चस्व का दावा किया हैं। अग्रसेन बैंक की सिद्धीअंबर बाजार शाखा के मुख्य खाते पर श्री केशान गुट का कब्जा है। पता चला है कि बैंक ने स्पष्ट कर दिया कि वह दोनों में से किसी एक गुट का पक्ष नहीं ले सकता। चूँकि मामला अदालत में है, वह किसी एक का पक्षधर नहीं हो सकता। बैंक ने साफ तौर पर कह दिया कि चेक बुक और पासबुक भले ही श्री अनिरुद्ध गुप्ता गुट के पास हो, बैंकिंग नियमानुसार अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, सचिव श्री विकास केशान व कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता के हस्ताक्षरित चेक ही मान्य होंगे। इन दोनों पक्षों के मतभेदों की सजा समाज द्वारा संचालित विधवा पेंशन धारक असहाय महिलाओं, मेडिकल हेल्प के लाभार्थियों, शिक्षा सहायता की आस लगाये समाज के होनहार युवाओं और निरीह गौ माताओं को भुगतनी पड रही हैं। समाज कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों और दैनिक खर्च पर भी इस लडाई का सीधा बुरा असर स्वाभाविक है। इन सबके मद्देनजर शांति वार्ता जरूरी है।

अंदरखाने शांति वार्ता एक-दो दिनों में मूर्त रूप ले सकती है। समाजहित में दोनों ही पक्ष किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार करने तैयार है, बशर्ते कोई जीता, कोई हारा का सार्वजनिक संदेश न जाये।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना में अब युद्धविराम की कोशिशें तेज हो गयी है। श्री अनिरुद्ध गुप्ता और श्री विकास केशान दोनों ही गुट समाज में बढ रही वैमनस्यता से बेहद आहत है। लगभग दोनों पक्ष चाहते हैं कि उनकी वजह से ख्यातिप्राप्त/प्रतिष्ठित समाज अन्य समाजों के समक्ष शर्मसार न हो और बीच का कोई रास्ता निकाला जाये।

गौरतलब है कि कथित टीम एके (अंजनी कुमार अग्रवाल) की ओर से 2025-2027 के लिए अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, मानद सचिव श्री विकास केशान, उपाध्यक्ष श्री रूपेश अग्रवाल, सह सचिव श्रीमती सीमा जैन व कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता भारी मतों से जीतकर आये थे। दुर्भाग्य की बात है कि कुछ मुद्दों को लेकर इनमें मतभेद उभरे और अध्यक्ष द्वारा मानद सचिव, उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष को हटाकर उनकी जगह तीन अन्य को कुर्सी पर बैठाने से यह मतभेद मनभेद में बदल गये। अध्यक्ष द्वारा कार्यकारी के रूप में श्री नरेंद्र गोयल की नियुक्ति ने तीनों को बगावत पर मजबूर कर दिया।हालांकि इस नियुक्ति पर तीनों ने पूर्व में अपनी सहमति दी थी, लेकिन उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि अध्यक्ष जी नरेंद्र गोयल (जो पिछले चुनाव में उनके खिलाफ हार चुके हैं) को लेकर आएँगे। अध्यक्ष के इस मास्टर स्ट्रोक से सकपकाये तीनों पदाधिकारी बगावत पर उतर आये। बिना अध्यक्ष की अनुमति और एजेंडा पर सहमति लिए एजीएम बुला ली और उसमें ऐतिहासिक अविश्वास प्रस्ताव पास करवा कर तथा मूल शाखा से अध्यक्ष को हटवाकर अपनी गोटी लाल कर ली। हालांकि उनकी यह हरकत लोगों के गले नहीं उतरी और ईजीएम यथा केएस मिटिंग में अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता और कार्यकारी अध्यक्ष को मिले भारी जन समर्थन से इनकी सिट्टी पिट्टी गुम हो गई।

लोग इनसे पूछ रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी बनारस से सांसद हैं तो क्या बनारस वाले प्रधानमंत्री को अविश्वास प्रस्ताव लाकर प्रधानमंत्री पद से हटा सकते है? अग्रवाल समाज के संविधान में कहीं पर भी ऐसा प्रा-वधान नहीं है।

खैर, शांति की आहट के बीच मंगलवार को एक ऐसा आडियो खूब वायरल हुआ जिसमें कथित रूप से श्री नवीन अग्रवाल (टीम एके) को समाज कार्यालय में घटी बेहद शर्मनाक घटना (अभद्रता, अश्लीलता और अमर्यादित) की चश्मदीद गवाह मनीषा अग्रवाल को अपने बयान से पलटने के लिए कथित रूप से दबाव डाला गया। श्री नवीन अग्रवाल के राजलक्ष्मी ज्वैलर्स, आबिड्स में ही उक्त घटना का मुख्य आरोपी अंकित संघई (अग्रवाल) नौकरी करता हैं। चूँकि हमलावर का सगा भाई लोकेश न केवल तिरूमलगिरी शाखा से केंद्रीय समिति सदस्य हैं, बल्कि टीम एके (अंजनी कुमार अग्रवाल) गैंग का सक्रिय सदस्य भी हैं। उसकी और विनय जैन की कथित बहसबाजी के नाम पर ही अंकित ने समाज कार्यालय में महाराजा अग्रसेन जी की तस्वीर के सामने महिलाओं के उपस्थिति में कथित रूप से अपने पैंट की जीप खोलकर गंदी हरकतें की थी **(शुभ लाभ पुष्टि नहीं करता)** और नवीन अग्रवाल सहित टीम एके के समर्थक इस घटना की भर्त्सना करने के बजाये खुलेआम आरोपियों का बचाव करते दिखे थे।

ताजा वायरल आडियो के बाद देर शाम एक अन्य वीडियो में मनीषा का इंटरव्यू भी सामने आया, जिसमें मनीषा ने बेबाकी के साथ न केवल पूरे घटनाक्रम का सिलसिलेवार ब्यौरा दिया, बल्कि टीम एके की काली करतूतों के आगे न झुकने का जज्बा भी जगजाहिर किया।

वेंस का पाक दौरा ठंडे बस्ते में, ईरान ने अमेरिका को बताया समुद्री डकैत

युद्ध विराम नहीं

नयी दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।
अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में दूसरे दौर की वार्ता को लेकर चल रही अटकलों पर अब विराम लग गया है। डोनाल्ड ट्रंप किसी भी कीमत पर ईरान के साथ बातचीत करना चाहते थे, लेकिन ईरान इसे लेकर ना-नुकुर कर रहा था। अब खबर है कि अमेरिका ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा को स्थगित कर दिया है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया गया कि ईरान ने अब तक अमेरिका की बातचीत की शर्तों पर कोई जवाब नहीं दिया है, जिसके चलते अमेरिका ने यह फैसला लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी डेलिगेशन के पाकिस्तान दौरे को पूरी तरह से रद्द नहीं किया गया है, बल्कि स्थगित किया गया है। इसे किसी भी तरह की सकारात्मक स्थिति में फिर से रिवाइव किया जा सकता है। बता दें कि जेडी वेंस की अगुवाई में अमेरिकी डेलिगेशन के पाकिस्तान पहुंचने की उम्मीद थी, जहां अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत दोबारा शुरू होनी थी। लेकिन अब इस यात्रा को होल्ड कर दिया गया है।

ईरान ने किया बातचीत से इनकार, अमेरिका के रवैये को ठहराया जिम्मेदार

वहीं, ईरान ने भी अमेरिका के साथ प्रस्तावित बातचीत में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि अभी इस्लामाबाद जाने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने इसके पीछे अमेरिका के रवैये को जिम्मेदार ठहराया। ईरान के मालवाहक जहाज तुस्का को अमेरिकी नौसेना द्वारा कब्जे में लिए जाने के बाद ईरान ने इस कार्रवाई को समुद्री डकैती करार देते हुए अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर जहाज और उसके चालक दल को तुरंत नहीं छोड़ा गया तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

ईरानी विदेश मंत्री की चेतावनी, ट्रंप ने सीजफायर बढ़ाने से किया इनकार

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी करना युद्ध की कार्रवाई है और इसलिए यह युद्धविराम का उल्लंघन है। किसी वाणिज्यिक जहाज पर हमला करना और उसके

▶8पर

भारत तक पहुँची लड़ाई ईरानी टैंकर पर कब्जा

वाशिंगट, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।
रक्षा विभाग ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी सेना के जवान धावा बोलकर एक तेल टैंकर पर सवार हो गए और उसे अपने कब्जे में ले लिया। इस टैंकर पर एशिया में ईरानी कच्चे तेल की तस्करी के आरोप में प्रतिबंध लगाया गया था। पेंटागन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिकी सेना ने यात्रा के अधिकार के तहत समुद्री अवरोध उत्पन्न किया और एम/टी टिफानी नामक टैंकर पर उसके जवान बिना किसी प्रतिरोध के सवार हो गए। पेंटागन अमेरिका के रक्षा विभाग का मुख्यालय है।

भारत के करीब बंगाल की खाड़ी में पकड़ा गया ईरानी टैंकर

एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि टिफानी नामक जहाज को बंगाल की खाड़ी में भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच पकड़ा गया था और वह ईरानी तेल ले जा रहा था। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी सेना अगले चार दिनों में यह तय करेगी कि जहाज के साथ क्या करना है, जैसे कि उसे वापस अमेरिका ले जाना है या किसी अन्य देश को सौंप देना है।

▶8पर

हठताल शुरू

आज से पूरे तेलंगाना में बसें बंद

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।
तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीए-सआरटीसी) की बसें बुधवार से पूरे राज्य में सड़कों से नदारद रहेंगी। कर्मचारी और श्रमिक यूनियनों की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने मंगलवार आधी रात से राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने का निर्णय लिया है। यह फैसला राज्य सरकार और जेएसी नेताओं के बीच चार घंटे तक चली मैराथन वार्ता के विफल होने के बाद लिया गया। यूनियनों द्वारा उठाई गई 32 लंबित मांगों पर कोई सहमति नहीं बन पाई है।

60 लाख यात्री होंगे प्रभावित; 2019 के बाद सबसे बड़ी हड़ताल

इस हड़ताल से प्रतिदिन लगभग 60 लाख यात्रियों के प्रभावित होने की आशंका है, जिनमें करीब 40 लाख महिला यात्री शामिल हैं। वार्ता विफल होने के बाद, जेएसी ने सभी डिपो को बुधवार की पहली सेवा से ही बसों का परिचालन रोकने का निर्देश दिया है। पिछले बीआरएस शासन के दौरान अक्टूबर 2019 में हुई 55 दिवसीय आरटीसी हड़ताल के साढ़े छह साल बाद यह राज्य की पहली इतनी बड़ी हड़ताल है। यूनियन नेताओं का कहना है कि सरकार उनकी 32 मांगों में से एक पर भी आश्वासन देने में विफल रही है।

चुनावी वादों और नई नियुक्तियों की मांग पर अड़ा जेएसी

जेएसी ने दोहराया कि उनकी मांगें लंबे समय से लंबित हैं और इनमें से कई कांग्रेस पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र का हिस्सा थीं। उनकी मुख्य मांगों में निगम का राज्य सरकार में विलय, सरकारी वेतनमान, नौकरी की सुरक्षा, नई नियुक्तियां शुरू करना, यूनियन चुनाव कराना और इलेक्ट्रिक बसों को आरटीसी के सुपुर्द करना शामिल है। जेएसी के अध्यक्ष ई. वेंकन्ना और उपाध्यक्ष थॉमस रेड्डी ने सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति के प्रस्ताव को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि यह केवल समय बर्बाद करने और मामले को टालने की रणनीति है।

प्रबंधन की अपील: 4 सप्ताह का समय दें, हड़ताल वापस लें

दूसरी ओर, टीजीएसआरटीसी प्रबंधन ने कर्मचारियों से हड़ताल वापस लेने और बुधवार को ड्यूटी पर लौटने की अपील की है। टीजीए-सआरटीसी के प्रबंध निदेशक वाई. नागी रेड्डी ने कहा कि सरकार ने कार्यकर्ताओं की चिंताओं पर सकारात्मक रुख अपनाया है और वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की एक समिति गठित की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांगों के वित्तीय और नीतिगत प्रभाव गहरे हैं, इसलिए गहन अध्ययन के लिए कम से कम चार सप्ताह का समय आवश्यक है।

प्रबंध निदेशक ने कुछ यूनियनों पर कर्मचारियों को गुमराह करने का आरोप लगाया।

▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 37^{0}
न्यूनतम : 26^{0}

पप्पू यादव के बिगड़े बोल

बिस्तर से शुरू होता है महिला नेत्रियों का सफर

पटना, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।
पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राजनीति में महिलाओं पर विवादास्पद टिप्पणी करके राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि महिलाएं समझौता किए बिना राजनीति में सफल नहीं हो सकतीं और आरोप लगाया कि उनकी सुरक्षा और संरक्षण की अनदेखी की जा रही है। पप्पू यादव ने कहा कि भारत में महिलाओं को देवी कहा जाता है, लेकिन यहां उन्हें कभी सम्मान नहीं मिलेगा। इसके लिए व्यवस्था और समाज दोनों जिम्मेदार हैं। 90% महिलाएं राजनेताओं के कमरे में प्रवेश किए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं। पप्पू यादव ने कहा कि अगर लोकसभा में महिलाओं की गरिमा का मुद्दा उठाया जाता है, तो यह मजाक बन जाता है। उन्होंने आगे कहा कि घरेलू हिंसा के लिए कौन जिम्मेदार है? अमेरिका से लेकर भारत तक, कौन महिलाओं को बुरी नजरों से देख रहा है? राजनेता। किसी राजनेता के शयनकक्ष तक पहुंचे बिना 90% महिलाएं राजनीति में प्रवेश भी नहीं कर सकतीं।

▶8पर

मोदी आतंकवादी : खड़गे

सठियाये कांग्रेस अध्यक्ष ने बाद में दी सफाई, भाजपा हमलावर

नयी दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)।
कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक चौंकाने वाला आरोप लगाते हुए उन्हें आतंकवादी कहा। उन्होंने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ गठबंधन करने के लिए एआईएडीएमके की कड़ी आलोचना की। कांग्रेस सहित डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए चेन्नई में प्रचार कर रहे खरगे ने सवाल उठाया कि एआईएडीएमके ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ गठबंधन कैसे किया, जिन पर उन्होंने आतंकवादी होने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती।

खरगे ने कहा कि वे (एआईएडीएमके) मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं? वह एक आतंकवादी है। और वह जो समानता में विश्वास नहीं करते। उसकी पार्टी समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। और ये लोग उनके साथ जुड़ रहे हैं, इसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन पर उनका तीखा हमला तमिलनाडु चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन आया है, जिसके लिए मतदान 23 अप्रैल को होगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा जैसी पार्टी के साथ हाथ मिलाकर एआईएडीएमके लोकतंत्र और अन्नादुरई, कामराज, पेरियारऔर बाबासाहेब अंबेडकर के दर्शन को कमजोर कर रही है।

हालांकि, खरगे ने वादा किया कि कांग्रेस-डीएमके गठबंधन तमिलनाडु में कल्याण, समावेशी विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना जारी रखेगा।

प्रधानमंत्री मोदी पर लगाए गए अपने आतंकवादी वाले बयान पर स्पष्टीकरण मांगे जाने पर,

▶8पर

मेक्सिको में पिरामिट से एक शख्स ने बरसाई गोलियां, एक कनाडाई की मौत, 13 घायल

हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मार ली, बंदूक, चाकू और गोला बारुद मिला

मेक्सिको सिटी

मेक्सिको की राजधानी मेक्सिको सिटी के उत्तर में स्थित ऐतिहासिक टियोटिहुआकन पिरामिडों के ऊपर खड़े एक हथियारबंद शख्स ने पर्यटकों पर गोलियां चलाईं जिसमें एक कनाडाई नागरिक की मौत हो गई जबकि 13 घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मारकर खुदकुशी कर ली। सुरक्षा अधिकारियों ने घटनास्थल से एक बंदूक, एक चाकू और गोला-बारूद बरामद किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय सरकार ने बताया कि सोमवार को गोलीबारी में सात लोग घायल हो गए हालांकि यह जानकारी नहीं दी कि अन्य लोग कैसे घायल हुए। घायलों में छह अमेरिकी, तीन कोलंबियाई, एक रूसी, दो ब्राज़ीलियाई और एक कनाडाई नागरिक शामिल है। स्थानीय मीडिया में जारी वीडियो और तस्वीरों में एक शख्स पिरामिड के ऊपर बंदूक लिए खड़ा दिखाई दे रहा है जबकि लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं। वीडियो में गोलियों की आवाजें सुनाई दे रही हैं। यह गोलीबारी सुबह साढ़े ग्यारह बजे के कुछ ही समय बाद हुई, जब बड़ी संख्या में पर्यटक पिरामिड आफ द मून के शिखर पर मौजूद थे। घटनास्थल पर मौजूद एक टूर गाइड के मुताबिक हमलावर ने पहले ऊपर की ओर गोली चलाई। कुछ लोग डर के कारण ामीन पर औंधे मुंह लेट गए और बाकी लोग नीचे भागने लगे। रिपोर्ट के मुताबिक पर्यटकों का एक और समूह हमलावर की नज़र से बचने के लिए पिरामिड के चबूतरे लेट गया। अधिकारियों ने अभी तक हमलावर की पहचान नहीं की है। ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर की रहने वाली महिला ने बताया कि वह एक स्मृति चिह्न खरीदने के लिए इंतजार कर रही थीं तभी उन्हें और उनके समूह के अन्य लोगों को लगा कि पटाखे चलाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले कि हम कुछ समझ पाते, किसी ने कहा कि नहीं, यह गोलीबारी है, भागो, और हमने लोगों को ऊपर से नीचे आते देखा। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा कि गोलीबारी की घटना की जांच की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

ईरानी विदेश मंत्री फिक्चर से हुए बाहर........क्या आईआरजीसी ने अपने हाथ में ली कमान

तेहरान। ईरान में होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकेबंदी को लेकर फिर अनिश्चितता गहरा गई है। दरअसल, ईरान के

विदेश मंत्री अब्बास अराघची के उस बयान के बाद नया विवाद खड़ा हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह अहम समुद्री मार्ग वाणिज्यिक जहाजों के लिए पूरी तरह खुला है। उनके बयान के बाद जहां दुनियाभर के शिपिंग और ऊर्जा बाजारों में थोड़ी राहत की उम्मीद जगी थी, वहीं ईरान के भीतर ही मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। विदेश मंत्री अराघची ने कहा था कि लेबनान में सीजफ ायर के मद्देनज़र होर्मुज़ जलडमरूमध्य को सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोला गया है और यह व्यवस्था युद्धविराम अवधि तक लागू रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि जहाजों की आवाजाही ईरान के पोर्ट्स एंड मैरीटाइम आर्गनाइजेशन के तय किए मार्गों से होगी। हालांकि, इस बयान के तुरंत बाद ईरान के भीतर से ही विरोध के सुर सुनाई देने लगे है। ईरान के कुछ शीर्ष अधिकारियों ने बयान को लेकर आपत्ति जताकर कहा कि इस तरह के संवेदनशील फैसलों की घोषणा सोशल मीडिया पर करना कूटनीतिक समझदारी की कमी दिखाता है। आलोचकों ने मांग की कि या विदेश मंत्रालय अपने बयान पर पुनर्विचार करे या फिर सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल इसतरह के मामलों में स्पष्ट दिशानिर्देश तय करे। उधर, ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर कालिबाफ ने भी सावधानी बरतने की बात कही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका की ओर से दबाव और नौसैनिक नाकेबंदी जारी रहती है, तब होर्मुज़ जलडमरूमध्य खुला नहीं रह सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह के रणनीतिक फैसले सोशल मीडिया के जरिए नहीं लिए जा सकते।

अमेरिकी सहायक विदेशमंत्री ने की सत्तारूढ़ दल के अध्यक्ष से मुलाकात

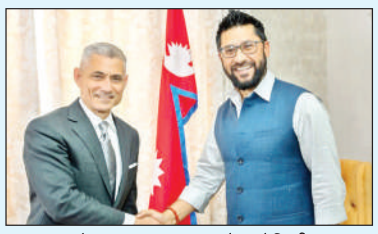

काठमांडू। नेपाल भ्रमण पर पहुंचे अमेरिकी सहायक विदेशमंत्री समीर पाल कपूर ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने से मुलाकात की। काठमांडू पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले लामिछाने से ही भेंट की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के ब्यूरो आफ साउथ एशिया एंड सेंट्रल एशिया अफेयर्स के माध्यम से कपूर ने इस मुलाकात के बारे में मंगलवार को अपनी प्रतिक्रिया सार्वजनिक की है। उन्होंने बताया कि आरएसपी की प्राथमिकताओं और नेपाल-अमेरिका सहयोग के क्षेत्रों पर रवि लामिछाने के साथ चर्चा हुई। कपूर ने कहा, नई सरकार में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की प्राथमिकताओं को समझने और नेपाल-अमेरिका सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करने के लिए काठमांडू में आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने से मुलाकात कर खुशी हुई। सोमवार सुबह काठमांडू पहुंचते ही कपूर ने राजनीतिक मुलाकातों की शुरुआत कर दी थी। वहां पहुंचने के बाद नेपाल में अमेरिकी दूतावास के कार्यवाहक राजदूत ने उन्हें ब्रीफिंग दी। इसके तुरंत बाद वे आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने से मिलने पहुंचे।

बच्चों की छोटी-छोटी समस्याओं को न करें नजरअंदाज

लंदन। बचपन में की गई छोटी-मोटी लापरवाही भी बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर गहरा असर डाल सकती है। नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, बच्चों में पाचन संबंधी समस्याएं काफी आम हैं, लेकिन माता-पिता अक्सर इनके शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं। यदि समय रहते इन संकेतों को पहचान लिया जाए, तो बच्चे को कई गंभीर परेशानियों से बचाया जा सकता है। बच्चों का पाचन तंत्र अभी विकसित हो रहा होता है, इसलिए छोटी-छोटी समस्याएं भी जल्दी बढ़ सकती हैं और आगे चलकर बड़ी समस्या का रूप ले सकती हैं। डाक्टरों की सलाह है कि माता-पिता को बच्चों के हर छोटे बदलाव पर गहरी नजर रखनी चाहिए ताकि वे स्वस्थ और खुशहाल रह सकें। पहला और सबसे आम संकेत है कब्ज। यदि आपका बच्चा कठोर मल त्याग करता है, शौच के समय रोता-चिल्लाता है, या शौच करने से डरने लगता है, तो यह कब्ज का संकेत हो सकता है। दूसरा महत्वपूर्ण संकेत है दस्त। बच्चे को बार-बार पतला मल आना दस्त का लक्षण है, जिससे उसके शरीर में पानी की कमी का खतरा बढ़ जाता है और वह सुस्त व कमजोर दिखने लगता है। तीसरा संकेत है पेट में जलन और एसिडिटी। यदि बच्चा बार-बार पेट में जलन की शिकायत करता है, उसे उल्टी आती है या खट्टी डकारें आती हैं, तो यह एसिडिटी या पाचन संबंधी गड़बड़ी का संकेत है। चौथी समस्या है भोजन असहजता या फूड इनटालेरेंस।

जापान में 8.0 तीव्रता के भूकंप की चेतावनी

टोक्यो

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने देश में 8.0 या उससे ज्यादा तीव्रता वाले भूकंप की चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी सोमवार शाम आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के कुछ ही घंटों जारी की गई। यह भूकंप उत्तरी इवाते प्रांत के तट से दूर प्रशांत महासागर में आया था। यह झटका इतना जोरदार था कि इसने राजधानी टोक्यो की बड़ी-बड़ी इमारतों को भी हिलाकर रख दिया। टोक्यो भूकंप के केंद्र से सैकड़ों किलोमीटर दूर है। नया महा भूकंप आने की संभावना सामान्य समय की तुलना में काफी अधिक है। अग्नि और आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, प्रभावित क्षेत्र के स्थानीय प्रशासन ने 182,000 से अधिक निवासियों के लिए गैर-अनिवार्य निकासी निर्देश जारी किए। एजेंसी के अनुसार, भूकंप के लगभग 40 मिनट बाद इवाते प्रांत के कुजी में एक बंदरगाह पर 80 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी की लहर टकराई।

जापान मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने प्रेस कान्फ्रेंस में बताया कि अभी तक किसी बड़े नुकसान की रिपोर्ट नहीं मिली है। राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके के वीडियो फुटेज में भी इवाते के कई बंदरगाहों के आसपास कोई स्पष्ट नुकसान दिखाई नहीं दिया।लेकिन अधिकारियों ने दोहराया कि आने वाले हफ्ते में विशेष रूप से अगले दो से तीन दिनों के भीतर इस क्षेत्र में जोरदार भूकंप आ सकता है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, सरकार यह पता लगाने में जुटी है कि क्या कोई हताहत हुआ है या संपत्ति को कोई गंभीर नुकसान पहुंचा है। प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने कहा, आप में से जो लोग उन इलाकों में रहते हैं जिनके लिए चेतावनी जारी की गई है, कृपया ऊंची और सुरक्षित जगहों पर चले जाएं। उल्लेखनीय है कि जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप सक्रिय देशों में से एक है। यह प्रशांत महासागर के रिंग आफ फायर के पश्चिमी किनारे पर स्थित चार मुख्य टेक्टोनिक प्लेटों के ऊपर बसा है। लगभग 12.5 करोड़ लोगों का घर, यह द्वीपसमूह आमतौर पर हर साल लगभग 1,500 झटके महसूस करता है और दुनिया के लगभग 18 प्रतिशत भूकंप यहीं आते हैं। इनमें से ज्यादातर भूकंप हल्के होते हैं, हालांकि इनसे होने वाला नुकसान इनकी जगह और पृथ्वी की सतह के नीचे उस गहराई पर निर्भर करता है जहां ये आते हैं।

जापान को 2011 में आए 9.0 तीव्रता वाले समुद्री भूकंप की याद आज भी सताती है। इस भूकंप के बाद आई सुनामी में लगभग 18,500 लोग मारे गए या लापता हो गए थे और फुकुशिमा परमाणु संयंत्र में भारी तबाही मची थी। 2024 में मौसम विज्ञान विभाग नानकाई ट्रफ के पास संभावित महा भूकंप के लिए अपनी पहली विशेष चेतावनी जारी कर चुका है। यह 800 किलोमीटर लंबी समुद्री खाई वह जगह है जहां फिलिपीन सागर की समुद्री टेक्टोनिक प्लेट (सबडक्ट) धीरे-धीरे खिसककर उस महाद्वीपीय प्लेट के नीचे जा रही है, जिसके ऊपर जापान बसा हुआ है। सरकार का कहना है कि नानकाई ट्रफ में आने वाला कोई भूकंप और उसके बाद आने वाली सुनामी 2,98,000 लोगों की जान ले सकती है और इससे 2 ट्रिलियन डालर तक का नुकसान हो सकता है। दिसंबर 2025 में उत्तरी तट के पास 7.5 तीव्रता का एक भूकंप आने के बाद महा भूकंप की चेतावनी जारी की गई थी। इस भूकंप में 40 से ज्यादा लोग घायल हुए थे, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था।

नेपाल में अपराध में सक्रिय पाकिस्तान की महिलाओं के नेटवर्क की तलाश

काठमांडू

नेपाल पुलिस भारतीय सीमा से सटे रुपन्देही और कपिलवस्तु के विभिन्न स्थानों में सोना-चांदी की दुकानों में ग्राहक बनकर चोरी करने वाली पाकिस्तान की महिलाओं की गिरफ्तारी के बाद उनके संगठित नेटवर्क की तलाश में जुट गई है।

वे नेपाल कैसे आईं और किस उद्देश्य से आईं, इस बारे में पुलिस की जांच जारी है। हालांकि वे पर्यटक वीजा पर आई थीं, लेकिन स्थानीय स्तर तक पहुंचकर इस तरह के गंभीर अपराध में शामिल होना एक जटिल सवाल बना हुआ है। सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि यह एक बड़ा गिरोह हो सकता है और कई स्थानों पर सतर्कता बढ़ाने की आवश्यकता है।

कपिलवस्तु से पकड़ी गई उन दो महिलाओं के पति भी नेपाल से पाकिस्तान लौटने के दौरान हवाई अड्डे से गिरफ्तार किए गए हैं, जिससे पुलिस को इस संगठित नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है।

त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विदेश जाने की तैयारी कर रहे दो पाकिस्तान के नागरिकों 23 वर्षीय इफान अली और 44 वर्षीय सफिउर रहमान को पुलिस ने हिरासत में लिया है। वे क्रमश: 20 वर्षीय वेबी कलसुम और 41 वर्षीय सर्वना रहमान के पति हैं, जिन्हें एक सप्ताह पहले कपिलवस्तु से गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपित सुरक्षा जांच पार कर बोर्डिंग पास लेने के बाद एयर अरेबिया की उड़ान में सवार होने ही वाले थे, तभी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पिछले हफ्ते ही कपिलवस्तु के तौलिहवा और चन्द्रौटा बाजार में गहना चोरी और ठगी के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान यह खुलासा हुआ कि वे अपने पतियों के साथ नेपाल आई थीं, जिसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश तेज कर दी। जिला पुलिस कार्यालय कपिलवस्तु के प्रवक्ता डीएसपी रिपेन्द्र कुमार सिंह के अनुसार, विभिन्न इकाइयों को सक्रिय कर दोनों को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल उन्हें कपिलवस्तु लाकर जांच की जा रही है और अदालत से 8 दिन की रिमांड लेकर आगे की पूछताछ जारी है। शिवराज-5 चन्द्रौटा स्थित सुरेन्द्र ज्वेलरी दुकान में दोनों महिलाएं शाम के समय पहुंची थीं। गहने देखने के दौरान दुकानदार को भ्रमित कर उन्होंने 38 लाल (लगभग 4.5 ग्राम) का सोने का झुमका चोरी कर लिया।

काठमांडू का त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा 18 मई तक रोजाना 7 घंटे बंद रहेगा

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (टीआईए) 18 मई तक हर रात सात घंटे के लिए बंद रहेगा। इसका मकसद अवसंरचना विकास कार्यों को तेज करना है। हवाई अड्डा टर्मिनल प्रबंधन प्रभाग के प्रमुख इन्दुराज अधिकारी के अनुसार, सभी उड़ान संचालन—जिसमें टेकआफ और लैंडिंग शामिल हैं ताकि पक्कीकरण (पेवमेंट) निर्माण कार्य किया जा सके। इस समय रन-वे के पास टैक्सी-वे पर निर्माण कार्य चल रहा है और सुरक्षा कारणों से ही रात में हवाई अड्डा बंद रखने का निर्णय लिया गया है। हवाई अड्डा कार्यालय ने कहा है कि यह अस्थायी बंदीकरण चल रहे उन्नयन कार्यों को तेजी से पूरा करने के उद्देश्य से किया गया है। एयरलाइनों से अनुरोध किया गया है कि वे इस अवधि के दौरान होने वाली असुविधा को कम करने के लिए अपने उड़ान समय-सारिणी में आवश्यक बदलाव करें।

नेपाल : पीएमओ का निर्देश, बिना स्वीकृति के कोई भी फैसला सार्वजनिक नहीं किया जाए

काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के दफ्तर (पीएमओ) ने सभी मंत्रालयों को निर्देश जारी किया है कि बिना प्रधानमंत्री कार्यालय की स्वीकृति के किसी भी मंत्रालय का कोई भी नीतिगत फैसला सार्वजनिक नहीं किया जाए। पीएमओ मीडिया के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ मौजूद हैं और उन्हें अलग-अलग मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी गई है। कोई भी फैसला जारी करने से पहले इन विशेषज्ञों की अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है।

प्रधानमंत्री शाह की प्रेस सलाहकार दीपा दहाल ने कहा, अब से सभी मंत्रालयों को किसी भी सूचना या प्रेस विज्ञप्ति जारी करने से पहले प्रधानमंत्री कार्यालय से अनुमोदन लेना होगा। 27 मार्च को प्रधानमंत्री नियुक्त हुए बालेन्द्र शाह ने राजनीतिक सलाहकारों, संचार और जनसंपर्क विशेषज्ञों को शामिल कर अपनी टीम तैयार की है। दहाल ने कहा, प्रधानमंत्री कार्यालय में विशेषज्ञ हैं, पीएम ने मंत्रालयों में भी विशेषज्ञ टीम तैनात की है और निर्देश दिया है कि किसी भी सूचना या वक्तव्य को जारी करने से पहले हमारी टीम से स्वीकृति ली जाए।

इस व्यवस्था के कारण कुछ कर्मचारी असमंजस में पड़ गए हैं। एक अधिकारी ने सवाल उठाते हुए कहा, यह पहली बार है कि हम इस तरह की प्रक्रिया अपना रहे हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यदि केवल प्रधानमंत्री कार्यालय की स्वीकृति वाली जानकारी ही जारी होगी, तो इसका क्या संदेश जाएगा इससे पहले 31 मार्च को प्रधानमंत्री शाह ने मंत्रियों और उच्च पदस्थ अधिकारियों को रोजाना अपने कार्यों का विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सभी मंत्रालयों, विभागों और आयोगों को पत्र भेजकर दिनभर के कार्यों का विवरण प्रस्तुत करने को कहा है। इसके लिए मंत्रालयों ने सहसचिव स्तर के अधिकारियों को फोकल पर्सन नियुक्त किया है।

संघर्ष विराम दो दिन बढ़ा, इस्लामाबाद वार्ता का दूसरा दौर ईरान के रुख पर निर्भर

इस्लामाबाद वार्ता का दूसरा दौर ईरान के रुख पर निर्भर

तेहरान/वाशिंगटन/इस्लामाबाद

अमेरिका और ईरान के बीच खत्म होने वाला संघर्ष विराम (युद्ध विराम/सीज फायर) दो दिन और बढ़ा दिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह घोषणा खुद की। इस समय पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान वार्ता का दूसरा चरण शुरू कराने के कूटनीतिक प्रयास जोर-शोर से किए जा रहे हैं। अब तक ईरान ने ऐसा कोई पक्का संकेत नहीं दिया कि वह इस्लामाबाद अपना प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है। ठीक इसके उलट अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल स्वदेश से पाकिस्तान रवाना हो चुका है।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने बातों-बातों में संकेत दिया है कि ईरान के साथ सीज फायर को असल में लगभग दो दिन और बढ़ा दिया गया है और अब यह वाशिंगटन के समय के अनुसार बुधवार शाम तक जारी रहेगा। ब्लूमबर्ग के साथ एक फोन इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि यह संघर्ष विराम समझौता जो पहले 21 अप्रैल को रात 8 बजे पूर्वी समय पर खत्म होने वाला था अब हफ्ते के मध्य तक चलेगा। उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर नई समय सीमा से पहले कोई समझौता नहीं हो पाता है तो इसकी अवधि को और आगे बढ़ाना बहुत ही मुश्किल है।

ट्रंप ने सोमवार को यह भी कहा कि पाकिस्तान में होने वाली दूसरे दौर की संभावित बातचीत से पहले ईरान के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा की जाएगी। एक कंजर्वेटिव रेडियो प्रोग्राम द जान फ्रेडरिक्स शो पर एक छोटे फोन इंटरव्यू में ट्रंप ने भरोसा जताया कि तेहरान बातचीत की मेज पर जरूर आएगा। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। ट्रंप ने उम्मीद जताई, ईरान समझौता करेगा। वह अपने देश को फिर खड़ा करेगा। और जब वह ऐसा करेगा तो उसके पास कोई परमाणु हथियार नहीं होगा। पहले ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के अपने औचित्य को सही ठहराया। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था। उन्होंने ईरान के खिलाफ चल रही नाकेबंदी का भी बचाव किया। राष्ट्रपति ने इससे ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ा है। वह इसे जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि ईरान में दबाव महसूस होने पर ही बातचीत की मेज पर वापस लौटेगा। अमेरिका उसे इसके लिए मजबूर कर देगा। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार से फोन पर कहा कि उनका देश सभी पहलुओं पर विचार कर रहा है और आगे कैसे बढ़ना है इस पर फैसला करेगा। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के उकसाने वाले कदम और लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन करने से स्थितियां खराब हुई हैं। प्रमुख वार्ताकार और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद गालिबफ ने कहा कि ट्रंप बातचीत की मेज को समर्पण की मेज में बदलने या नए सिरे से युद्ध भड़काने को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं।

इस बीच तेहरान के शीर्ष नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि धमकियों के साये में बातचीत नहीं होगी। ट्रंप भी जिद पर अड़ गए हैं। उन्होंने भी कह दिया है कि ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी तब तक जारी रहेगी, जब तक तेहरान किसी समझौते पर सहमत नहीं हो जाता। लेबनान और इजराइल जरूर दुश्मनी खत्म करने के लिए गुरुवार को वाशिंगटन में बातचीत करने वाले हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज कुछ अप्रिय घटना घट सकती हैं जो आप को चिंतित कर देगी । अतः आपको सावधान रहना होगा। बुजुर्गों की सेवा करने से मानसिक शांति मिलेगी। कोई भी काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आप पर भावनाओं का काबू रहेगा। कारोबार ठीक चलेगा। नई जानकारी मिलेगी। विद्यार्थियों की समस्या दूर होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार के कारण भागमदौड रहेगी । आज का दिन काफी व्यस्तता में बीतेगा। बुजुर्गों की सेहत का ख्याल रखें । जीवनसाथी की आवश्कताओं का ध्यान रखें। वाणी पर नियंत्रण रखना का प्रयास करें। किसी मित्र से मुलाकात होगी। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का विशेष ध्यान रखें। ज्यादा तनाव लेने से बचें। कुसंगति से हानि हो सकती है । युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। किसी कारणवश यात्रा का योग बनेगा यात्रा पर जाने से पहले दही का सेवन करके ही निकलें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज किसी ऐसे व्यक्ति पर भरोसा न करें जिससे आप की कोई पहचान नही हैं आप को चिंता घेर सकती हैं अनजान लोगों की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। समय पर कार्य पूरे कर पाएंगे। दफ्तर में किसी से बह हो सकती है। बीमारी से परेशान होना पड़ सकता है। पढ़ाई में मन लगेगा। आपकी परेशानी के चलते परिजनों को दिक्कत हो सकती है। आज ज्यादा खर्च हो सकता है। खानपान पर नियंत्रण रखें।आज आप किसी कार्य में निवेश कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। आज बेरोजगारी दूर होगी धन आने के नये स्रोत बनेंगे मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन कुछ मुश्किलों वाला होगा उलझन आप को परेशान करेगी । सगे संबधियों से विवाद हो सकता है। आज का दिन परेशानियों से भरा रहेगा। आपको किस्मत का साथ नहीं मिलेगा। घर परिवार में किसी सेहत संबंधी दिक्कतों से जूझना पड सकता है। आपका व्यवसाय ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। लेनदेन करते समय सावधान रहें। आपको पदोन्नति मिल सकती है। बच्चे परिवार के साथ घूमने का प्लान बनाए आप का दिन मनोरंजन मे बितेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप नयी योजनाओं की रुप रेखा तैयार करें सभी योजनाएं लाभ देंगी और दिन आपके लिए सुखद रहेगा। आज आपको भाग्य का साथ मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपके व्यवहार की सराहना होगी। सकारात्मक रहेंगे। मतभेद हो सकते हैं। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । छात्रों के लिए आज का दिन उलझन वाला साबित हो सकता है। युवाओं को सफलता मिलेगी। शासकीय मामले आगे बढ़ेंगे। किसी रिश्तेदार से मुलाकात होने की संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप को किसी ऐसे व्यक्ति की मदद करनी चाहिए जो वास्तव मे जरूरतमंद हो आप का मन प्रफुल्लित रहेगा की । सेहत ठीक रहेगी। प्रभु की आराधना में मन लगेगा। अपने पार्टनर के लिए कुछ समय निकालें। आज किसी पर संदेह कर सकते है। जोखिम लेने से बचें। रिश्तेदारों से अच्छी सूचना मिल सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। आज सोच समझकर खर्च करेंगे। परिवार के साथ समय बिताएं। बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलेगा। आलस्य को जीवन से दुर ही रखें धन आने के रास्ते खुलेंगे ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज किसी भी धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें परिवार की जरुरत पूरी होने के बाद धन को दान के रुप मे उपयोग करें किसी मित्र से मुलाकात होगी। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। आप अपनी संगति को सही रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आज आप की वजह से कुछ लोगों के काम पूरे होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। किसी से मुलाकात हो सकती है। बच्चों पर क्रोध करने से आप को बचना चाहिए बच्चों की प्रसन्नता आप का भाग्य बना देगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज धोखाधड़ी होने की आशंका हैं सावधानी बरते। आपको भाग्य का पूरा सहयोग प्राप्त नही मिल पायेगा। अनजान लोगों की वजह से नुकसान होने की आशंका है। कामकाजी लोगों का तबादला हो सकता है। नई योजना शुरू न करें। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। कार्य क्षेत्र मे भी किसी तरह से नुकसान उठाना पड सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति मिलेगी। जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद उभर सकता है। ऐसे कोई भी काम नही है जो आप अपनी महनत के दम पर पूरा नही कर सकते हैं कर्म ही भाग्य बनाता हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप रोज सुबह ब्रह्म मुहूर्त मे जागकर ध्यान लगाए जीवध मे नयी उर्जा आएगी और दिन शानदार रहेगा। आप सकारात्मकर रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। रूके हुए कार्य पूरे होंगे। सेहत को सुधारने के लिए आप योग–व्यायाम शुरू कर सकते हैं। अपने पार्टनर को सरप्राइज दे सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों की किसी सहयोगी के साथ बहस हो सकती है। तनाव हो सकता है। छात्रों को लाभ होगा। लेनदेन करते समय लापरवाही न करें। प्रसन्नता रहेगी। शिव–पार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखी रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज दीन–हीन बच्चों की जरुरत को पूरा करें ग्रहों का दोष दूर होगा दिन अनुकूल नही हैं । किसी परेशानी का सामना कर सकते हैं। व्यवसाय में मंदी का सामना करेंगे। आर्थिक स्थिति में बदलाव होगा। अनजान लोगों की वजह से आपको हानि हो सकती है। छात्रों को सफलता मिलेगी। किसी मित्र के साथ घूमने जा सकते हैं। खानपान का ध्यान रखें। सेहत ठीक नहीं रहेगी। बुजुर्गं का आशीर्वाद मिलेगा। आप जीवनसंगिनी की बातों को लेकर ज्यादा उत्तेजित होने की आवश्यकता नही हैं धैर्य से काम लेना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप को गलत खानपान से दूर रहना होगा कुसंग जीवन मे नही होना चाहिए । अपने मित्रों के साथ दिन बिता सकते हैं । किसी रिश्तेदार की मदद कर सकते हैं। सार्वजनिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दिनभर कई लोगों से मुलाकात होगी। दफ्तर में अफसर आपकी सराहना करेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रसन्नता के क्षण आएंगे। आज आप अपने पार्टनर को सरप्राइज गिफ्ट दे सकते हैं। रिश्ता तय हो सकता है। काम से थकान महसूस हो रही हैं तो एक दिन का अवकाश लेकर अपने बच्चों के साथ समय बिताए एकदम तंदूरस्ती आ जाएगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज बगैर टेंशन का काम करें जोखिम उठाने से बचें क्योंकि आप को नुकसान होने की सम्भावना है। यात्रा को टालने का प्रयास करें। आज ज्यादा खर्च होगा। धर्म–कर्म में मन लगेगा। आज स्वास्थ्य को लेकर आप चिंता में रहेंगे। आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति में तेजी लानी होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। दानपुण्य कर सकते हैं। दफ्तर में खुशखबरी मिलेगी। जीवन के तनाव को दूर करने के लिए लोगों की मदद करने का स्वभाव बनाए आन्तरिक खुशी और प्रसन्नता मिलेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 अप्रैल 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख, शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 10:52 तक
नक्षत्र : आर्द्रा रात्रि 10:14 तक
योग : अतिगंड प्रातः 09:08 तक
करण : कौलव दोपहर 12:04 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री रामानुजाचार्य जयंती , विश्व पृथ्वी दिवस , श्री नृसिंह नवरात्र आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

श्री दत्तात्रेय शिखर संस्थान द्वारा श्रीक्षेत्र माहुर में षोडशी कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक मनाया गया

आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंदगिरिजी महाराज की प्रमुख उपस्थिति

किनवट, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री दत्त शिखर संस्थान में ब्रह्मलीन हुए प.पु. महंत मधुसूदनजी भारती महाराज की स्मृति में षोडशी पूजा दत्त शिखर स्थित सव्वा खंडी चावल और 128 नारियल से श्री दत्त नाम महापुजा किया गया था। इस महापूजा में जुना आखाडा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंदजी गिरि महाराज, जूना अखाड़ा एवं कुंभ मेला के प्रमुख महासचिव पप.पु. श्रीहरि गिरिजी महाराज, पं.पु. श्री प्रेम गिरिजी महाराज, अध्यक्ष पं.पु. श्री मोहन शास्त्रीजी महाराज समेत देश भर के विभिन्न आखाडो के संत मंहतो की उपस्थिति थी।

इस अवसर पर धर्म सभा के मंच पर उपस्थित सभी महापुरुषों का संस्थान की ओर से विधिवत सम्मान किया गया।

महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने अपनी अनूठी आवाज में लगभग एक घंटे का प्रवचन देकर नैतिक मूल्य, संस्कार और आध्यात्मिक का संदेश दिया। संत मंहतो का महत्व बताते हुए धार्मिक विधी भी समझाई। दत्तभक्तों ने श्रद्धापर्वक और आस्था से सत्संग सुने।

श्री दत्ता शिखर संस्थान के महान योगी, ब्रह्मलीन महंत प.पु. मधुसूदनजी भारती महाराज का शनिवार, 4 अप्रैल को निधन हो गया। आज का षोडशी कार्यक्रम महंत प.पु. डॉ. धनेश्वरजी भारती महाराज के मार्गदर्शन में विधि आयोजित किया गया। कार्यक्रम में साधुओं, संतों, महंतों और हजारों दत्तभक्तों ने भाग लिया। धर्म सभा के बाद महाप्रसाद वितरित किया गया।

रात में महापूजा का आयोजन किया गया और कार्यक्रम का समापन सोमवार सुबह काकड़ा आरती के साथ हुआ। हजारों दत्तभक्तों ने कार्यक्रम में आए भक्तों की दिल से सेवा की और कोई कमी नहीं छोड़ी। मराठवाडा, विदर्भ, तेलंगण राज्य सहित अन्य राज्यों के दत्तभक्तों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

नरसिम्हा रामुलु के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट की

मंचेरियाल, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

पूर्व जिला अध्यक्ष बुसा नरसिम्हा रामुलु मंचेरियाल के नेतृत्व में जिले से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने हैदराबाद स्थित भाजपा पार्टी कार्यालय में राज्य पार्टी अध्यक्ष रामचंद्र राव से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर मंचेरियाल जिले में हुए मंचेरियाल नगर निगम और नगरपालिका चुनावों के परिणामों पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव ने परिणामों के उम्मीद के मुताबिक न होने पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने चुनावों में हुई कमियों के बारे में भी जानकारी ली और मंचरियाल जिले में पार्टी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि राज्य पार्टी आने वाले दिनों में इस जिले पर विशेष ध्यान देगी और वरिष्ठ एवं कनिष्ठ नेता जिले में पार्टी को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

उन्होंने पार्टी के लिए बिना किसी भेदभाव के अथक परिश्रम करने वाले नेतृत्व को स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि उनके माध्यम से सभी मिलकर पार्टी की चुनावी जीत की संभावनाओं को सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि पार्टी अनुशासन भंग करने वाले नेताओं के खिलाफ सख्त रुख अपनाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि वे जल्द ही मंचरियाल का दौरा करेंगे।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेताओं ने राज्य पार्टी अध्यक्ष रामचंद्र राव को शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुन्ना राजा, सिसोदिया, बुसा नरसिम्हा, रामुलु, कसेटी, नागेश्वर राव, तुला मधुसूदन राव, बोलिसेट्टी, तिरुपति और अन्य इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

विद्यार्थियों को हर सुविधा मिले, शिक्षा में न हो कोई कमी

मंचेरियाल, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी शिक्षण संस्थानों और छात्रावासों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को बिना किसी परेशानी के सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा।

मंगलवार को उन्होंने बेल्लमपल्ली मंडल में स्थित तेलंगाना सामाजिक कल्याण बालक एवं बालिका गुरुकुल विद्यालयों का दौरा कर विकास कार्यों, रसोईघर, भोजन व्यवस्था और स्वच्छता का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छात्रों को समय पर पौष्टिक भोजन, शुद्ध पेयजल, बिजली, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

जनकापुर में बाल विवाह उन्मूलन पर समन्वय बैठक

आसिफाबाद , 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अक्षय तृतीया विवाह सीज़न की शुरुआत के मद्देनज़र जनकापुर स्थित बाल रक्षक भवन में आज एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी श्री बूरला महेश ने की। इस अवसर पर आईसीडीएस सुपरवाइज़र, बाल रक्षक भवन के कर्मचारी तथा शूर स्वैच्छिक संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में ज़िला कल्याण अधिकारी डॉ. भास्कर ने कहा कि अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्तों के दौरान बाल विवाह की घटनाएँ अधिक होने की संभावना रहती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने–अपने प्रोजेक्ट क्षेत्रों में सतर्क रहें और ग्रामीण स्तर पर गुप्त जानकारी एकत्र करने के साथ–साथ व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएँ।

डॉ. भास्कर ने स्पष्ट किया कि बाल विवाह से बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। साथ ही, इसके कानूनी परिणाम भी कठोर होते हैं। उन्होंने जनता को इन पहलुओं पर स्पष्ट जानकारी देने और ग्राम स्तर की बाल संरक्षण समितियों को मज़बूत करने का आह्वान किया। बैठक में आईसीडीएस सुपरवाइज़र पेंटु बाई, लैला, शूर संस्था के समन्वयक श्री बंडी संतोष कुमार तथा बाल रक्षक भवन के कर्मचारी भी शामिल हुए। सभी ने मिलकर यह संकल्प लिया कि अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएँगे।

ऑपरेशन देव में बच्चों की तस्करी गिरोह का पर्दाफाश

आसिफाबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुजरात पुलिस ने बच्चों की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़े पैमाने पर ऑपरेशन 'देव' चलाया। इस अभियान के तहत गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली और तेलंगाना राज्यों में छापेमारी की गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, केस का मास्टरमाइंड नागराजु उर्फ़ मुरुगन कागज़नगर में मौजूद था। गिरोह में गुजरात और मुंबई से दो, हैदराबाद से तीन सदस्य शामिल बताए गए।

पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि इस ऑपरेशन से बच्चों की तस्करी करने वाले नेटवर्क पर कड़ी कार्रवाई की गई है।

यह कदम समाज में मासूमों की सुरक्षा और अपराधियों पर सख्त नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मई से अक्रीडिटेशन कार्ड जारी किए जाएंगे : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर एवं मान्यता समिति अध्यक्ष के. हरिता ने बताया कि पात्र पत्रकारों को 1 मई से मान्यता पत्र (अक्रीडिटेशन कार्ड) जारी किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि पत्रकार सरकार और जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं। सरकारी योजनाओं को योग्य लाभार्थियों तक पहुँचाने में तथा जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुँचाकर समाधान दिलाने में उनकी अहम भूमिका रहती है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले के योग्य प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकार सरकार के आदेशों के अनुसार इस माह की 25 तारीख तक आवेदन जमा करें। इसके बाद पात्रता की जाँच कर मान्यता पत्र जारी किए जाएंगे।

शराब के आदी पिता की हत्या

पेद्दापल्ली, 21 अप्रैल: (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पेद्दापल्ली कस्बे की ईदगा कॉलोनी में मंगलवार को शराब के आदी और पैसे के लिए घरवालों को परेशान करने वाले पिता की उसके ही बेटे द्वारा ईंट से पीट–पीटकर हत्या करने की घटना से इलाके में हंगामा मच गया है।

पेद्दापल्ली सीआई प्रवीण कुमार द्वारा मीडिया को बताई गई जानकारी के अनुसार, ईदगाह कॉलोनी का सैयद जाबेर लॉरी क्लीनर का काम करता था। उसकी दो पत्नियाँ थीं। पहली पत्नी को तलाक देने के बाद उसने उसकी बहन से दूसरी शादी कर ली। उनके तीन बच्चे हैं। पहली पत्नी का बेटा और दूसरी पत्नी के बच्चे सभी एक ही घर में साथ रहते हैं। बच्चे होटलों में काम करके परिवार का गुज़ारा करते हैं। वह काम कर रहा है।

हालाँकि, जाबेर कुछ समय से शराब का आदी है और उसने काम पर जाना बंद कर दिया है। वह अपने बच्चों को फिजिकली और मेंटली परेशान करता था, यहां तक कि शराब के लिए उनकी मेहनत की कमाई भी मांगता था। इसी सिलसिले में मंगलवार सुबह घर में पैसों को लेकर झगड़ा हो गया। झगड़ा बढ़ने पर 18 साल के बेटे ने गुस्से में आकर घर में ही अपने पिता के सिर पर ईंट से वार कर दिया। ज्यादा खून बहने से जबेर की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलने पर सीआई प्रवीण कुमार, एसआई लक्ष्मण राव और स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और जानकारी इकट्ठा की। बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

पेड्डापल्ली सीआई प्रवीण कुमार ने बताया कि आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया गया है और केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

मंचेरियाल में ऑटो एवं इंजीनियरिंग वर्कर्स यूनियन की नई समिति का चुनाव

मंचेरियाल, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिला ऑटो और इंजीनियरिंग वर्कर्स यूनियन की नई समिति के चुनाव में एचएमएस से संबद्ध कर्मचारियों की नियुक्ति हुई। एक मजबूत नई समिति के गठन से श्रम अधिकारों की लड़ाई और तेज हो गई है।

आज मंचेरियाल जिला मुख्यालय में ऑटो एंड इंजीनियरिंग वर्कर्स यूनियन और एचएमएस एफिलिएटेड एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला मुख्य सचिव तातिपार्थी साई कृष्णा रेड्डी की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई।

यह बैठक एचएमएस तेलंगाना राज्य अध्यक्ष कॉमरेड रियाज़ अहमद के निर्देश पर जिले भर में ट्रेड यूनियन को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। इस अवसर पर यूनियन की नई समिति का सर्वसम्मति से चुनाव किया गया।

निर्वाचित नेता इस प्रकार है– नरेडला श्रीनिवास – जिला अध्यक्ष, थगारम श्रीनिवास – जिला महासचिव, एमडी शफी ˉ जिला कार्यकारी अध्यक्ष और डूडा राजन्ना –जिला उपाध्यक्ष

इस अवसर पर बोलते हुए नेताओं ने कहा कि वे श्रमिकों की समस्याओं के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे और ट्रेड यूनियन को और मजबूत करेंगे। उन्होंने चुनाव के दौरान वाहन चालकों से किए गए वादों को लागू करने में राज्य सरकार की ढिलाई की आलोचना की।

जनता की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष कदम

मंचेरियाल, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली लोकसभा सांसद ने कहा कि जनहित सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष कदम उठा रही है। मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित सांसद कार्यालय में आयोजित जनवेदिका कार्यक्रम में उन्होंने लोगों से सीधे आवेदन लेकर उनकी समस्याएं सुनीं।

इस कार्यक्रम में जिला कलेक्टर, डीसीपी, जिला रोजगार अधिकारी रविकृष्ण और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सांसद ने कहा कि सड़क, पेयजल, स्वच्छता और अन्य नागरिक समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन के साथ समन्वय कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। पेद्दापल्ली संसदीय क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य कराए जा रहे हैं ताकि लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए रायथु भरोसा योजना के तहत 75 लाख किसानों को 6 हजार करोड़ रुपये देने की दिशा में काम कर रही है।

नाबालिग लड़की से रेप युवक के खिलाफ पोक्सो केस दर्ज

मंचेरियाल, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चेन्नूर मंडल के किष्टमपेट गांव के स्वामी नाम के एक युवक के खिलाफ पोक्सो केस दर्ज किया गया है और उसे रिमांड पर भेज दिया गया है। चेन्नूर पुलिस ने एक बयान में यह जानकारी दी।

जानकारी के मुताबिक, किष्टमपेट गांव के स्वामी ने पिछले साल अक्टूबर में उसी गांव की 15 साल की नाबालिग लड़की को प्रेम के नाम पर पीछा किया। उसे बहला–फुसलाकर उसके साथ रेप किया।

आरोपी ने नाबालिग लड़की से शादी भी कर ली और बाद में उसे मानसिक रूप से परेशान करके घर से निकाल दिया।

पीड़िता की शिकायत पर स्वामी के खिलाफ पोक्सो केस दर्ज कर उसे रिमांड पर भेज दिया गया।

चेन्नूर पुलिस की बड़ी सफलता, 24 घंटे में चोर गिरफ्तार, एक लाख रुपये बरामद

मंचेरियाल, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चेन्नूर पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए चोरी की घटना का 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी किए गए एक लाख रुपये बरामद कर लिए।

पेद्दापल्ली निवासी पेद्दी वेंकटेश महाराष्ट्र के आसरेली गांव से एक लाख रुपये लेकर चेनूर पहुंचे थे। बस स्टैंड पर पेद्दापल्ली जाने के लिए बस में चढ़ते समय किसी ने उनकी जेब से नकदी चोरी कर ली।

सूचना मिलते ही टाउन सीआई बंसीलाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तुरंत स्पॉट एफआईआर दर्ज की। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की जांच कर मंदमर्री निवासी डोक्का अंजी को पकड़ लिया। आरोपी के पास से पूरी रकम बरामद की गई।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया। सीआई बंसीलाल ने लोगों से अपील की कि यात्रा के दौरान नकदी और कीमती सामान संभालकर रखें तथा संदिग्ध व्यक्ति दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

अँगूठे में छुपे कैसे–कैसे भेद

अँगूठा मानवीय चरित्र का प्रतीक है। अँगूठा वह धुरी है जिस पर संपूर्ण जीवन चक्र घूमता रहता है। सफलता दिलवाने वाला अँगूठा सुडौल, सुंदर और संतुलित होना चाहिए। उसकी इच्छा व तार्किक बुद्धि एक–दूसरे के पूरक होने चाहिए। चौकोर अँगूठे वाले व्यक्ति आक्रामक और शीघ्र काम करने वाले होते है। चपटे अँगूठे वाले व्यक्ति कोमल स्वभाव के होते हैं। ऐसा व्यक्ति अपने लक्ष्य के रास्ते में आने वाली बाधा को नष्ट कर देता है। ऐसे युवाओं को सही मार्गदर्शन मिलना बड़ा जरूरी होता है। पतली कमर के समान अँगूठे वाला व्यक्ति चुस्त व चालाक बुद्धि का होता है, लेकिन यदि दूसरा पोर मोटा हो तो वह अपना उल्लू सीधा करने के लिए कोई भी अनैतिक कार्य कर सकता है, ऐसा व्यक्ति कूटनीति में प्रवीण होता है।

बृहस्पति पर्वत से काफी नीचे से निकलने वाले अँगूठे वाला व्यक्ति मिलनसार, विवेकी होने के साथ अच्छे साहित्य का ज्ञाता होता है, वह अत्याचारों का विरोधी होता है। बृहस्पति पर्वत से कम दूरी पर निकलने वाले अँगूठे का व्यक्ति अल्पबुद्धि वाला होता है। ऐसे व्यक्ति स्वार्थी, लालची व संकीर्ण विचारों वाले होते हैं।

अँगूठा जितना ऊँचा और गुरु पर्वत के समीप होगा, उतना ही दिमाग कम होगा। पहले पोर की अपेक्षा यदि अँगूठे का दूसरा पोर लंबा हुआ और पहला छोटा हुआ तो व्यक्ति कानूनी बात करने वाला, विचारक और बहुभाषी होता है।

अँगूठे के प्रथम पोर के नीचे की ओर शुक्र पर्वत के ऊपर से दो रेखाएँ हों तो संपत्ति मिलती है। यदि ये रेखाएँ मिल–जुलकर चलती जाएँ या अंत में मिल जाएँ तो ऐसा व्यक्ति जुआ खेलकर प्रायः संपत्ति नष्ट करता है। दो अँगूठे वाले अपने आप किसी द्वंद्व में उलझ जाते हैं। सामान्य रूप से काम करते–करते वे उलझनों का निर्माण कर फिर विद्रोह करते हैं। संघर्ष करते रहने में उन्हें एक आनंद आता है और उसमें अंतिम दम तक रत रहते हैं। तीस से चालीस प्रतिशत अपराध वृत्ति इनमें पाई जाती है।

जब ठगे गए गणेश जी

भक्त कभी-कभी भगवान से ऐसे-ऐसे वरदान मांग लेते हैं कि भगवान भी असमंजस में पड़ जाते हैं। एक बार भगवान गणेश जी से भी उनकी एक भक्त ने ऐसा ही वरदान मांगा। आप भी पढ़ें...

गणेश जी विघ्न विनाशक व शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवता हैं। अगर कोई सच्चे मन से गणेश जी की वंदना करता है, तो गौरी नंदन तुरंत प्रसन्न होकर उसे आशीर्वाद प्रदान करते हैं। वैसे भी गणेश जी जिस स्थान पर निवास करते हैं, उनकी दोनों पत्नियां ऋद्धि तथा सिद्धि भी उनके साथ रहती हैं। उनके दोनों पुत्र शुभ व लाभ का आगमन भी गणेश जी के साथ ही होता है। कभी–कभी तो भक्त भगवान को असमंजस में डाल देते हैं। पूजा–पाठ व भक्ति का जो वरदान मांगते हैं, वह निराला होता है।

काफी समय पहले की बात है एक गांव में एक अंधी बुढ़िया रहती थी। वह गणेश जी की परम भक्त थी। आंखों से भले ही दिखाई नहीं देता था, परंतु वह सुबह शाम गणेश जी की बंदगी में मग्न रहती। नित्य गणेश जी की प्रतिमा के आगे बैठकर उनकी स्तुति करती। भजन गाती व समाधि में लीन रहती। गणेश जी बुढ़िया की भ ित से बड़े प्रसन्न हुए। उन्होंने सोचा यह बुढ़िया नित्य हमारा स्मरण करती है, परंतु बदले में कभी कुछ नहीं मांगती। भक्ति का फल तो उसे मिलना ही चाहिए। ऐसा सोचकर गणेश जी एक दिन बुढ़िया के सम्मुख प्रकट हुए तथा बोले– 'माई, तुम हमारी सच्ची भक्त हो। जिस श्रद्धा व विश्वास से हमारा स्मरण करती हो, हम उससे प्रसन्न हैं। अतः तुम जो वरदान चाहो, हमसे मांग सकती हो।' बुढ़िया बोली– 'प्रभो! मैं तो आपकी भक्ति प्रेम भाव से करती हूं। मांगने का तो मैंने कभी सोचा ही नहीं। अतः मुझे कुछ नहीं चाहिए।'

गणेश जी पुनः बोले– 'हम वरदान देने के लिए आए हैं।'

बुढ़िया बोली– 'हे सर्वेश्वर, मुझे मांगना तो नहीं आता। अगर आप कहें, तो मैं कल मांग लूंगी। तब तक मैं अपने बेटे व बहू से भी सलाह मश्विरा कर लूंगी। गणेश जी कल आने का वादा करके वापस लौट गए।'

बुढ़िया का एक पुत्र व बहू थे। बुढ़िया ने सारी बात उन्हें बताकर सलाह मांगी। बेटा बोला– 'मां, तुम गणेश जी से ढेर सारा पैसा मांग लो। हमारी गरीबी दूर हो जाएगी। सब सुख चैन से रहेंगे।' बुढ़िया की बहू बोली– 'नहीं आप एक सुंदर पोते का वरदान मांगें। वंश को आगे बढ़ाने वाला भी, तो चाहिए।' बुढ़िया बेटे और बहू की बातें सुनकर असमंजस में पड़ गई। उसने सोचा– यह दोनों तो अपने–अपने मतलब की बातें कर रहे हैं। बुढ़िया ने पड़ोसियों से सलाह लेने का मन बनाया। पड़ोसन भी नेक दिल थी। उसने बुढ़िया को समझाया कि तुम्हारी सारी जिंदगी दुखों में कटी है। अब जो थोड़ा जीवन बचा है, वह तो सुख से व्यतीत हो जाए। धन अथवा पोते का तुम क्या करोंगी! अगर तुम्हारी आंखें ही नहीं हैं, तो यह संसारिक वस्तुएं तुम्हारे लिए व्यर्थ हैं। अतः तुम अपने लिए दोनों आंखें मांग लो।'

बुढ़िया घर लौट आई। बुढ़िया और भी सोच में पड़ गई। उसने सोचा– कुछ ऐसा मांग लूं, जिससे मेरा, बहू व बेटे– सबका भला हो। लेकिन ऐसा क्या हो सकता है? इसी उधेड़तुन में सारा दिन व्यतीत हो गया। बुढ़िया कभी कुछ मांगने का मन बनाती, तो कभी कुछ। परंतु कुछ भी निर्धारित न कर सकी। दूसरे दिन गणेश जी पुनः प्रकट हुए तथा बोले– 'आप जो भी मांगेंगे, वह हमारी कृपा से हो जाएगा। यह हमारा वचन है।'

गणेश जी के पावन वचन सुनकर बुढ़िया बोली– 'हे गणराज, यदि आप मुझसे प्रसन्न हैं, तो कृप्या मुझे मन इच्छित वरदान दीजिए। मैं अपने पोते को सोने के गिलास में दूध पीते देखना चाहती हूं।' बुढ़िया की बातें सुनकर गणेश जी उसकी सादगी व सरलता पर मुस्कुरा दिए। बोले– 'तुमने तो मुझे ठग ही लिया है। मैंने तुम्हें एक वरदान मांगने के लिए बोला था, परंतु तुमने तो एक वरदान में ही सबकुछ मांग लिया। तुमने अपने लिए लंबी उम्र तथा दोनों आंखे मांग ली हैं। बेटे के लिए धन व बहू के लिए पोता भी मांग लिया। पोता होगा, ढेर सारा पैसा होगा, तभी तो वह सोने के गिलास में दूध पीएगा। पोते को देखने के लिए तुम जिंदा रहोगी, तभी तो देख पाओगी। अब देखने के लिए दो आंखें भी देनी ही पड़ेंगी।' फिर भी वह बोले– 'जो तुमने मांगा, वे सब सत्य होगा।' यूं कहकर गणेश जी अंर्तध्यान हो गए। कुछ समय पाकर गणेश जी की कृपा से बुढ़िया के घर पोता हुआ। बेटे का कारोबार चल निकला तथा बुढ़िया की आंखों की रौशनी वापस लौट आई। बुढ़िया अपने परिवार सहित सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने लगी।

लकी नंबर से चुनिए करियर

मूलांक यानी आपकी डेट ऑफबर्थ या जन्मदिन। यदि होरोस्कोप न हो तो केवल इसके द्वारा भी आप अपनी वर्किंग फील्ड के बारे में जान सकते है और मनचाही सफलता हासिल कर सकते हैं।

- यदि आप मूलांक 1 को रिप्रेजेंट करते है तो आपको डिजाइनर, टीम लीडर, फिल्म मेकिंग या नवीन इन्वेंशन के क्षेत्र में जाना चाहिए।
- यदि आपका मूलांक 2 है तो आपको किसी भी रचनात्मक काम को करना चाहिए जैसे डाँसिंग, राइटिंग, पोएट्री या रिसर्च के कार्य कर सकते हैं।
- यदि आपका मूलांक 3 है तो आपके लिए एक्टिंग, टीचिंग, जर्नलिज्म, काउंसलिंग आदि बेहतर ऑप्शन है।
- यदि आपका मूलांक 4 है तो आपको इंजीनियर, बिल्डर, प्रोग्रामर, मशीनों से रिलेटेड काम करना चाहिए।
- यदि आपका मूलांक 5 है तो आपको प्रकाशन, विज्ञापन,लेखन आदि क्षेत्र में काम करना चाहिए।
- यदि आप मूलांक 6 को रिप्रेजेंट करते है तो आप सोशल वर्क, मेडिकल, आयुर्वेद,कुकिंग आदि फील्ड में काम कर सकते हैं।
- यदि आपका मूलांक 7 है तो आपको वैज्ञानिक, दार्शनिक, जासूस, मिस्ट्री नॉवेल राइटर होना चाहिए।
- यदि आपका मूलांक 8 है तो आपको बैंकिंग, मैनेजर, किसी संस्था का डायरेक्टर या मशीनों का काम करना चाहिए।
- यदि आपका मूलांक 9 है तो आप खिलाड़ी, फिजिशियन, वकील,सैनिक आदि हो सकते हैं।

बेहतर होगा कि आप अपने मूलांक को सूट करता हुआ करियर चुने। यदि ऐसा न कर पाए तो मेहनत बहुत अधिक करनी होगी, तभी सफलता मिल पाएगी।

पिता सूर्य से प्रतिद्वंद्विता के चलते शनि बने शक्तिशाली ग्रह

आइये आज आपको बताते हैं कि क्यों शिव की तपस्या करके शनि ने मांगा शक्तिशाली ग्रह बनने का वरदान।

माता छाया का सम्मान बना कारक

धर्मग्रंथो के अनुसार सूर्य की पत्नी संज्ञा की छाया जब सूर्य के संपर्क में आई तो उनके गर्भ से शनि देव का जन्म हुआ था। कहते हैं कि जब शनि देव छाया के गर्भ में थे तब वे भगवान शंकर की भक्ति में इतनी ध्यान मग्न थीं की उन्हें अपने खाने पीने तक सुध नहीं थी। इसी बात का प्रभाव उनके अजन्मे पुत्र पर पड़ा और उसका वर्ण श्याम हो गया। जन्म के पश्चात शनि के श्यामवर्ण को देखकर सूर्य ने अपनी पत्नी छाया पर आरोप लगाया की ये उनका पुत्र नहीं हो सकता है। तभी से शनि के मन में अपने पिता के लिए शत्रु भाव उत्पन्न हो गया था।

मां के सम्मान के लिए मांगा वरदान

इसके बाद शनि देव ने अपनी साधना और तपस्या द्वारा शिवजी को प्रसन्न कर अपने पिता सूर्य की भांति शक्ति प्राप्त की और शिवजी ने शनि देव को वरदान मांगने को कहा, तब शनि देव ने प्रार्थना की कि युगों युगों में मेरी माता छाया की पराजय होती रही है। उन्हें मेरे पिता सूर्य द्वारा अनेक बार अपमानित किया गया है, अतः माता की इच्छा हैं कि मैं अपने पिता से उनके अपमान का बदला लूं और उनसे भी ज्यादा शक्तिशाली बनूं। इस पर भगवान शंकर ने वरदान देते हुए कहा कि नवग्रहों में शनिदेव का सर्वश्रेष्ठ स्थान होगा, और मानव तो क्या देवता भी उनके नाम से भयभीत रहेंगे।

वास्तुशास्त्र

इस दिशा में मुंह करके खाना बनाने से होती है संपत्ति को हानि

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा रसोई को माना जाता है। घर में कई बीमारियों और परेशानियों का कारण किचन से जुड़े वास्तुदोष हो सकते हैं। वास्तु के अनुसार अगर आप गलत दिशा में मुंह करके खाना बनाती है तो आपके परिवार में सुख, समृद्दि नहीं रहेगी।

आइए जानते है किस दिशा में मुंह कर खाना नहीं बनाना चाहिए

- उत्तर–पश्चिम दिशा की तरफमुंह करके खाना पकाने से घर की सुख–शांति भंग होती है, इससे घर में लड़ाई–झगड़े और कलह की संभावना बढ़ती है।
- वास्तुशास्त्र में कहा जाता है कि उत्तर दिशा की ओर मुंह कर के खाना बनाने से बिजनेस को लगातार नुकसान होता है साथ ही संपत्ति को हानि होती है।
- दक्षिण दिशा की तरफचेहरा कर खाने पकाने से घर की महिलाएं परेशान रहती है, उन्हें बार–बार डॉक्टर के चक्कर लगाने पड़ते हैं।
- जिन घरों के किचन में लोग पश्चिम दिशा की तरफचेहरा कर खाना बनाते हैं, उस घर के लोग बीमारी से परेशान रहते हैं।
- घर में सुख–शांति बनाएं रखने और रोगों से बचे रहने के लिए पूरब दिशा की ओर मुंह करके खाना बनाना सबसे अच्छा माना जाता है।

बस, एक नाम प्रभु का

जीवन में किसी भी बाधा या मुश्किल से निपटने के लिए एक बहुत अच्छा तरीका यह है कि आप अपने लिए कोई 'प्रेरणा स्रोत' खोज लें। यह स्रोत किसी व्यक्ति का जीवन या आशीर्वाद, धर्म ग्रंथ का मंत्र, महापुरुष का कोई कथन, किसी व्यक्ति का चेहरा या चित्र, कोई कविता, भगवान की मूर्ति आदि कुछ भी हो सकता है।

अवसाद, निराशा या किसी घोर संकट की घड़ी में इनमें से कोई एक भी आपकी बहुत मदद कर सकता है। केवल एक शब्द, पंक्ति या ख्याल से ही आपमें नई उमंग–तरंग का संचार हो सकता है। ऐसी न जाने कितनी ही चमत्कारी घटनाएँ हो चुकी हैं जिनमें कोई व्यक्ति केवल इसलिए मौत के मुँह से लौट आया, क्योंकि संकट की उस घड़ी में भी उसने हिम्मत नहीं हारी।

जब भी हिम्मत टूटने लगी उसे अपने किसी प्रिय या देवता की याद आ गई और वह फिर से नए जोश के साथ उस मुसीबत से तब तक लड़ता रहा, जब तक जीतकर सकुशल नहीं बच गया। बहुत से लोगों को पर्वत उठाए उड़ते हनुमान या सुदर्शन चक्र उठाए विष्णु भगवान के चित्र इस तरह की प्रेरणा देते हैं।

कुछ लोगों के लिए 'जय माँ भवानी', 'जय माँ काली', 'हर–हर महादेव' या फिर 'या अली' आदि जैसे शब्द नई ऊर्जा का काम करते हैं, तो कुछ लोगों के लिए अपने वरिष्ठ या घनिष्ठ का दिया हुआ कोई उपहार यह काम कर देता है। अगर आप भी अपने जीवन पर ध्यान दें तो ऐसी कोई न कोई प्रेरक 'ढाल' या 'हथियार' जरूर पा जाएँगे जिसकी मदद से किसी भी बाधा से लड़ना बहुत आसान हो जाएगा।

विंड चाइम बदल सकता है आपकी किस्मत

फेंगशुई के अनुसार घर में विंड चाइम लगाने का अलग महत्व है। विंड चाइम घर के अंदर लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। कहा जाता है कि इसका असर व्यक्ति के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। विंड चाइम से घर में गुड लक आता है। विंड चाइम्स कई तौर के आते है। जैसे लकड़ी, लोहे आदि। लेकिन इसे घर में लटकाने के लिए आपको इसका सही दिशा ज्ञान होना जरूरी है। घर की पश्चिमी, उत्तर–पश्चिमी और उत्तर दिशा में टांगने के लिए धातु से बने विंड चाइम सही रहते हैं जबकि पूर्वी, दक्षिण–पूर्वी और दक्षिण दिशा के लिए लकड़ी और दक्षिण–पश्चिमी, उत्तर–पूर्वी और मध्य दिशा के लिए मिट्टी के बने विंड चाइम बेस्ट हैं। जरूरी है कि विंड चाइम की आवाज बेहद मधुर और कर्णप्रिय होनी चाहिए। वैसे ही फेंगशुई एक्सपर्ट्स के अनुसार 6,7,8 या 9 रॉड वाली विंड चाइम लेना सबसे अच्छा है। 7 और 8 रॉड वाली विंड चाइम का प्रयोग सौभाग्य को बढ़ाने और दुर्भाग्य को कम करने के लिए किया जाता है। बीमारी को दूर करने या बचाव के लिए 5 रॉड वाली विंड चाइम प्रयोग की जाती है। विंड चाइम की आवाज की मधुरता घर के अंदर और वातावरण की नकारात्मक ऊर्जा और अशुद्धियों को दूर करती है।

वेडिंग से पहले मिलाएँ हेल्थ कुंडली

फिर शादियों का दौर शुरू होने वाला है। ट्रेडिशनल तौर पर वर–वधू की जन्मकुंडली तो मिलाई जा रही है, साथ ही हेल्थकुंडली भी चेक की जा रही है। जन्मकुंडली के 36 गुणों के अलावा हेल्थकुंडली में भी गुण–दोषों की खोजबीन हो रही है। आजकल यह ट्रेंड तेजी से चल पड़ा है, कपल्स की हेल्थकुंडली पहले मिलाई जा रही है। यह एक शुभ संकेत है।

करवा रहे हैं हेल्थ चेकअप :

जल्द ही शादी करने वाले नितिन कश्यप कहते हैं, पैरेंट्स के कहने पर मैने जन्मकुंडली तो मिलवा ली है। मैंने अपनी मंगेतर की भी हेल्थ रिपोर्ट माँगी है। हेल्थकुंडली का मिलान ग्रूम्स ही नहीं बल्कि, ब्राइडस भी करवा रही है। विवाह बंधन में बंधने वाली अनुपमा गुप्ता कहती हैं कि मैंने अपना हेल्थ चेकअप करवाया है और अपने वुड बी हसबैंड को भी हेल्थ चेकअप करवाने की सलाह दी है।

एस्ट्रो से जान रहे हैं हेल्थ के राज :

विवाह के समय जन्मकुंडली मिलाना बेहद आवश्यक है। यदि जन्म का सही समय ज्ञात है तो ज्योतिष के माध्यम से भी ब्लड और पेट की बीमारियों का पता लगाया जा सकता है। लेकिन इसकी पुष्टि के लिए डॉक्टर से जाँच कराना आवश्यक है। ज्योतिषियों के अनुसार सूरज की किरणों से भी कई बीमारियों का उपचार किया जा सकता है। इसके बावजूद आधुनिक विधियों द्वारा स्वास्थ्य की जाँच भी उचित है।

पैरेंट्स भी देने लगे परमिशन :

अब तो पैरेंट्स स्वयं इसकी इजाजत देने लगे हैं। ज्यादातर मामलों में रूटीन टेस्ट ब्लड ग्रुप, एचआईवी ओर डायबिटीज वगैरह के टेस्ट कराए जा रहे हैं। एक डॉक्टर का कहना है कि रेडियो, टीवी और मॉडर्न लाइफस्टाइल के कारण लोगों में अवेयरनेस आई है। वह कहते हैं कि विवाह बंधन में बँधने वाला जोड़ा यदि ब्लड टेस्ट के साथ एचआईवी, अनुवांशिक बीमारियों, थैलसीमिया ओर हेमोफिलिया की जाँच भी कराए, तो बेहतर होगा।

डॉक्टर भी करते हैं फेवर :

विवाह से पहले हेल्थ चेकअप कराने का फेवर अब डॉक्टर भी करने लगे हैं। उनका कहना है कि जागरूक लोग इसमें कोई बुराई नहीं समझते। हाँ, एक ढर्रे वाली सोच की वजह से कुछ लोगों के बीच मिसअंडरस्टेंडिंग भी हो जाती है। आजकल भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में लोगों के पास खाने–पीने का टाइम नहीं होता। इसलिए जरूरी है कि शादी से पहले आप हीमोग्लोबिन, कैल्शियम, मलेरिया, यूरिन टेस्ट, इलेक्ट्रोलाइट आदि की जाँच करा लें। हीमोग्लोबिन का पर्याप्त मात्रा में होना जरूरी है। एक्सपर्ट बताते हैं कि अस्थमा के पेशेंट तो चेकअप करवाते ही हैं, जैनेटिक्स डिसीज वाले जोड़े भी विवाह से पहले चेकअप करवा रहे हैं। जो लागे फिजिकली एक्टिव नहीं है या ओवर वेट हैं, उन्हें कोलेस्ट्रॉल और लिपिड प्रोफाइल जरूर चेक करा लेना चाहिए।

अक्सर आपने युवाओं को फोन से चिपके देखा होगा। उन्हें देखते ही आपके मन में एक ही ख्याल आता है कि बहुत ज्यादा मोबाइल फोन पर चिपके रहने से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है लेकिन आपको बता दें कि आपकी ये धारणा गलत है। हाल ही में अमेरिका के नेशनल हेल्थ इंस्टीट्यूट ने कुछ दिलचस्प तथ्यों को खोज निकाला है।

दिमाग को सक्रिय करता मोबाइल

दिमाग की सक्रियता बढ़ाता फोन

शरीर को नुकसान पहुंचाने वाला मोबाइल फोन दरअसल दिमाग को अलग-अलग रूपों में प्रभावित करता है। अध्ययन के अनुसार, जो लोग मोबाइल से लंबे समय तक बात करते रहते हैं उनके दिमाग अधिक सक्रिय हो जाता है। इस बात को पुख्ता करने के लिए 47 वर्ष तक के लोगों पर लगभग एक साल तक परीक्षण किया गया। मोबाइल को प्रतिभागियों के दोनों कानों पर कुछ-कुछ समय के लिए प्रयोग करवाया गया। बारी-बारी से दोनों साइड्स पर 50-50 मिनट मोबाइल का प्रयोग करवाया गया। इनमें से कुछ ऐसे प्रतिभागी भी थे जो मोबाइल फोन का प्रयोग करना नहीं जानते थे।

क्या कहता है शोध

ये शोध के परिणाम पीईटी (पोजीट्रान एमिशन टोमोग्राफी) के द्वारा जांचे गए। जिसमें पाया गया कि मनुष्य के दाईं तरफ टेम्पोनरल पोल के मोबाइल के एंटीना के संपर्क में आते ही ओरबिटोफ्रंटल कॉरटैक्स में 7 फीसदी ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। हालांकि ये अभी तक साबित नहीं हुआ है कि ग्लूकोज का बढ़ना खतरनाक है या नहीं। प्रमाणित सबूतों में ये बात साफ जाहिर है कि ग्लूकोज मोबाइल एंटीना का टेम्पोपरल पोल के संपर्क में आते ही बढ़ता है। मनोचिकित्सक का कहना है कि मनुष्य में बढ़ने वाले इस ग्लूकोज से फायदा पहुंचता है या नहीं लेकिन इसका नुकसान कुछ नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ मौकों पर इस ग्लूकोज के बढ़ने से मनुष्य का रक्त प्रवाह बढ़ जाता है और मनुष्य अधिक एनर्जेटिक हो जाता है तथा उसकी कार्यक्षमता और प्रदर्शन पहले से अधिक अच्छा दिखाई पड़ने लगता है। हालांकि इस पर अभी और अनुसंधान जारी है। वैसे जब तक इसके नतीजे नहीं आ जाते तब तक आप अपने प्यारे गैजेट्स को सावधानी से प्रयोग करें।

तो इस जीन के कारण आती है शरीर से दुर्गंध

अगर कभी आप को अपने शारीर से आती हुई हल्की गंध महसूस हुई हो तो आप को अपनी आर्मपिट को चेक करने की जरूरत है। यदि कभी चुपके से आप अपनी बगलें सूंघे तो शायद आप उससे आने वाली बदूब से रो पड़े। आप इसे स्वीकार करें कि ऐसा होता है। हमारे शरीर में सभी बाह्य कारक जहां से हल्की गंध आती है और उसे छुपाने के लिए आप डियोड्रेंट का सहारा लेते हैं। यही कारण है कि गंध और तेज हो जाती है।

ब्रिटिश महिलाओं पर किया गया अध्यान : डर्मेटोलॉजी पर हाल ही में प्रकाशित एक लेख में लिख गया था कि 6495 ब्रिटशि महिलाओं के ऊपर गंध आने का कारण पता लगाने का अध्यन किया गया। जबाव में पाया गया कि आप के शरीर में एक जीन ऐसा होता है जो शरीर की गंध को बाहर फेकता है। जिसके कारण सभी बाह्य कारकों से हलकी गंध आती है। अगर आप गंध की पूर्व श्रेणी में आते हैं तो आप इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं। यह आप के कान की गंध को भी प्रभावित करती है।

गंध से प्रभावित नहीं होते : जिन ब्रिटिश महिलाओं पर यह प्रयोग किया गया उनमे से दो प्रतिभागियों में दो प्रतिशत एबीसीसी11 जीन का एक रूप था। जिसका अर्थ है कि वे शरीर की गंध से प्रभावित नहीं होते हैं। स्टडी के को-आर्थर और जैनेटिक इपिडिमोलॉजिस्ट इयान डे ने ब्रिशटोल की यूनिवर्सिटी में लाइव साइंस में बताया कि यह एक प्रक्रिया होती है कि आप की आर्मपिट गंध का उत्पादन करती हैं या नहीं। जिसे लेकर दुनिया के कुछ भागों में व्यापक्ता है।

यह जीन बताता है गंध का निर्माण होगा : इतना ही नहीं एबीसीसी11 जीन की उपस्थिति हुक्म है कि हम शरीर की गंध को बाहर नहीं फेंकना हैं। यह भी स्थिरता है और यह हमारे कान की गंध पैदा करती है। अगर आप के कान से कुछ चिपचिपा पदार्थ निकलता है तो यह अच्छा है। जिससे यह साबित होता है कि आपकी आर्मपिट वह केमिकल बना रही हैं जो आर्मपिट में गंध के आदेश का आर्डर करता है। लेकिन अगर आप का कान सूखा हुआ है तो यह एक अच्छा संकेत है कि आप को बदबूदार जीन की जरूरत नहीं है।

मोटी महिलाओं के बच्चों में होता है ऑटिज्म का खतरा

मोटापे और मधुमेह की शिकार महिला के गर्भ में पल रहे शिशु में छठे महीने के दौरान आकार बढ़ने की पांच गुणा ज्यादा संभावना होती है। एक अध्ययन के अनुसार ऐसी महिलाओं के गर्भस्थ शिशू में ऑटिज्म का खतरा भी चार गुना बढ़ जाता है। मोटापे और मधुमेह से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं के बच्चों के 'ऑटिज्म' के साथ जन्म लेने का खतरा चार गुना अधिक रहता है। ये बात अनुसंधानकर्ताओं ने 1998 से 2014 के बीच मां और बच्चे की 2700 से अधिक जोड़ियों का अध्ययन करके पता लगाई है कि गर्भावस्था के दौरान मोटापा और मधुमेह दोनों से ग्रस्त होने वाली मां जिन बच्चों को जन्म देती है, उनमें ऑटिज्म का खतरा स्वस्थ मां से पैदा हुए बच्चों की तुलना में चार गुना अधिक होता है। वहीं गर्भवती महिला को इनमें से कोई एक समस्या, मोटापा अथवा मधुमेह होने पर बच्चों में ऑटिज्म का खतरा दोगुना होता है। ऑटिज्म एक ऐसा रोग है, जिसमें रोगी बचपन से ही परिवार, समाज तथा बाहरी माहौल से जुड़ने की क्षमताओं को गंवा देता है। यह एक तरह का न्यूरोलॉजिकल डिसॉर्डर है, जो बातचीत और दूसरे लोगों से व्यवहार करने की क्षमता को सीमित कर देता है। इसे ऑटिस्टिक स्पैक्ट्रम डिसॉर्डर कहा जाता है, क्योंकि प्रत्येक बच्चे में इसके अलग-अलग लक्षण देखने को मिलते हैं। इनमें से कुछ बच्चे बहुत जीनियस होते हैं या उनका आईक्यू सामान्य बच्चों की तरह होता है, लेकिन उन्हें बोलने और सामाजिक व्यवहार में दिक्कत होती है। कुछ ऐसे भी होते हैं, जिन्हें सीखने-समझने में परेशानी होती है और वे बार-बार एक ही तरह का व्यवहार करते हैं।

जब हो पहली फिटनेस क्लास

किसी भी नई चीज की शुरुआत के दौरान हम काफी बेचैनी महसूस करते हैं। नतीजतन हम गहरे प्रेशर में आ जाते हैं या फिर हमारा आत्मविश्वास डोल जाता है। ठीक यही बात पहली फिटनेस क्लास पर भी लागू होती है। यहां ऐसे ही बातों का जिक्र हो रहा है।

छुपकर रहना

नई फिटनेस क्लास में अकसर लोग फिटनेस इंस्ट्रक्टर से छिपने की कोशिश करते हैं। मानों उनकी परीक्षा ली जा रही हो। जबकि ऐसा करने की बजाय फिट रहने के लिए इंस्ट्रक्टर से नजदीकियां बढ़ाना आवश्यक है।

इंस्ट्रक्टर की नजर

यदि आपका इंस्ट्रक्टर आपसे कहे कि उसकी नजर आप पर है तो इस बात से परेशान न हो। असल में ज्यादातर लोग अपनी नई फिटनेस क्लास में इंस्ट्रक्टर से डरते हैं। ध्यान रखें कि वे भी कभी नवसीखिए थे। अतः खुद को सबसे पिछड़ा हुआ न समझें।

पोस्चर पर नजर

मैं कैसा दिख रहा हूं, लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे? वगैरह-वगैरह। फिटनेस सेंटर में एक्सरसाइज करते वक्त इस तरह की बातें भी अकसर परेशान करती हैं। लेकिन यकीन मानिए फिटनेस क्लास में फैशन से ज्यादा कम्फर्ट मायने रखता है।

इंस्ट्रक्टर का पागलपन

नई क्लास में इंस्ट्रक्टर अकसर समझ नहीं आते। यही कारण है कि शुरुआत में हमें इंस्ट्रक्टर का अच्छा खासा खौफ रहता है। लेकिन इस विषय में परेशान होने की बजाय जरूरी यह है कि उसे समझें। उससे नजरें न चुराएं। समस्या होने पर उससे सीधे संपर्क करें।

मशीन की जानकारी

निःसंदेह इस दुनिया में हर कोई पर्फेक्ट नहीं है। ऐसे में यदि फिटनेस क्लास में आपको कोई नई मशीन दिखती है तो उस संदर्भ में फिटनसे इंस्ट्रक्टर से पूछने में हिचकिचाएं नहीं। जबकि नई क्लास में भी लोग इस सवाल को पूछने से बचते हैं।

प्रतिस्पर्धा से बचें

किसने कौन सी मशीन में एक्सरसाइज की है या किसने कितना वजन उठाया है? इस तरह के सवाल पहली क्लास में आना लाजिमी है। लेकिन आप पहले ही दिन उनसे अपनी तुलना न करने लगे। याद रखें तुलना करेंगे तो नुकसान में रहेंगे।

अकेले वार्म अप करना

अकेले वार्म अप करने में कई लोग शर्म महसूस करते हैं। लेकिन क्या आपको लगता है कि इसकी जरूरत है? बिल्कुल नहीं। शुरुआती स्तर में वार्म अप करना आवश्यक है। अतः दूसरों की अनदेखी करें और एक्सरसाइज पर ध्यान दें।

तालमेल न बैठना

हो सकता है कि पहली क्लास में आपका फिटनेस सेंटर में मौजूद अन्य लोगों के साथ तालमेल न बैठे। लेकिन इसको समस्या का सबब नहीं बनाना चाहिए, न ही चिंता का विषय। इसके इतर जरूरी यह है कि उन्हें देखते हुए एक्सरसाइज पर ध्यान दें।

क्या मैं सही कर रहा हूं

फिटनेस सेंटर में पहले दिन इस तरह का ख्याल भी बार बार आता है। असल में हम फिटनेस क्लास के पहले दिन खुद को कम और दूसरों को ज्यादा देखते हैं। नतीजतन बार बार खुद से यह सवाल करते हैं कि क्या हम सही कर रहे हैं। याद रखें कि अगर आपकी एक्सरसाइज गलत होगी तो इंस्ट्रक्टर खुद आपकी मदद करेंगे।

नए खून में आक्रामक व्यवहार...

इस लेख में युवाओं के को समझने का प्रयास किया गया है ताकि हमें मुद्दों की सही समझ हो और हम अपने व्यवहार में सही परिवर्तन ला सकें। आक्रामकता ऐसे भौतिक या मौखिक व्यवहार को कहते हैं जिसका मकसद किसी को चोट पहुंचाना होता है।

आक्रामकता दो तरह की होती हैं, पहली, शत्रुतापूर्ण आक्रामकता, जो गुस्से से पनपती है और इसका मकसद दूसरों को घायल करना होता है। दूसरी होती है औजार के तौर इस्तेमाल होने वाली आक्रामकता। इसमें आक्रामकता को हथियार बनाकर कोई मकसद हासिल किया जाता है और इसमें हमलावर व्यक्ति को उकसाने वाला मौलिक तत्व दूसरे को चोट पहुंचाना नहीं होता। मिसाल के तौर कोई लड़का अपने साथियों के साथ मिलकर अपनी कक्षा के किसी लड़के को उसके किसी व्यवहार से खफा होकर उसे पीटता है क्योंकि वह उससे बदला लेना चाहता है। यह शत्रुतापूर्ण आक्रामकता है जो आवेश और भावनात्मक उफान से जन्मी है। दूसरी ओर किसी खास अच्छे या बुरे मकसद के लिए जुनून की तरह आक्रामकता सामने आती है जो सामाजिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा या के लिए भी हो सकती है।

बच्चा आक्रामक क्यों होता है?

एक मत यह है कि मूल प्रवृत्ति और कुंठा हमारे भीतर आक्रामकता की प्रबल भावना पैदा करती है जबकि दूसरा मत यह है कि सीखने से हमारे भीतर की आक्रामकता बाहर आती है। इसका मतलब यह हुआ कि अनुभव और दूसरों को देखने से हम यह सीखते हैं कि आक्रामकता से कुछ हासिल होता है। किसी बच्चों के आक्रामक व्यवहार से दूसरे घबरा जाते हैं तो अन्य बच्चों में यह प्रवृत्ति बढ़ने की आशंका उन बच्चों से अधिक होती है, जो किसी बात का कड़ा दंड भुगत चुके होते हैं।

आक्रामकता एक जीव विज्ञान है

कुछ जैविक कारण भी आक्रामकता पैदा करते हैं जिनमें हार्मोन में परिवर्तन आना और शराब पीने से जनित आक्रामकता आदि शामिल हैं।

आपराधिक व्यवहार को समझना मनोविश्लेषण

मनोविश्लेषण के सिद्धांत के अनुसार जिस व्यक्ति में बहुत विध्वंसक प्रवृत्तियां होतीं हैं वह शुरुआती विकास के चरण में दबा हुआ होता है और वह अपने एवं वातावरण के बीच समायोजन नहीं कर पाता। इसका अर्थ यहां यह हुआ कि व्यक्तियों की अवधारणात्मक सोच शुरुआती स्तर पर पनपती है और यह विकसित अवस्था में नहीं बन पाती।

व्यक्तित्व के विकार

ऐसे व्यक्तियों में समाज विरोधी व्यक्तित्व के विकार भी होते हैं। इन व्यक्तियों में सामाजिक नियमों से बंधने की प्रवृत्ति नहीं होती, उनका आवेश पर नियंत्रण खराब होता है, वे बहुत आक्रामक होते हैं और उनमें पछतावे की भावना नहीं होती। ये लक्षण बहुत शुरुआत में ही पनप जाते हैं। बच्चों में इसे 'आचरण विकार' वाले व्यक्तित्व के तौर पर देखा जाता है। ऐसे बच्चे बहुत छिपाव वाले, आक्रामक और सभी नियमों को तोड़ने वाले होते हैं।

समूह मनोविज्ञान

इनमें से अनेक किशोर अपना गुट बना लेते हैं। ऐसे गुट में आपसी जुड़ाव बहुत मजबूत होता है और शुरुआती वर्षों में ही वे गुटों में शामिल हो चुके होते हैं। इस प्रक्रिया को 'निवैयक्तिकरण' कहते हैं जिसमें व्यक्ति अपना आत्मबोध खो देता है और उसमें निर्णय लेने की क्षमता नहीं रह जाती। वह ग्रुप में ही सोच पाता है और उसकी अपनी पहचान खत्म होती है। वह ग्रुप में ही अपनी पहचान देख पाता है। इसी वजह से वह जो कुछ करता है, गुट में करता है और गुट न हो तो वह कुछ नहीं कर पाता।

देखकर सीखना

जब कोई बच्चा शुरूआती जीवन में हिंसा देखता है तो उसके मन में इसके प्रति संवेदनशीलता कम होती जाती है और वह बिना किसी पश्चाताप के हिंसा में संलग्न हो सकता है। जो लड़के विध्वंस और हिंसा के सम्पर्क में अधिक रहते हैं, उन पर इसका बहुत अधिक असर पड़ता है। हिंसा में लगे रहने वाले दोस्तों के सम्पर्क में रहने वाले लड़कों या आक्रामक माता-पिता के साथ जीने वालों में आक्रामकता पैदा होती है और वे हिंसा और अपराध से हिचकिचाते नहीं हैं।

अन्य कारण

सामाजिक-आर्थिक भेद की भूमिका : जो विभिन्न सामाजिक गुटों के बीच बढ़ता भेदभाव देखता है, उससे अपेक्षाकृत वंचित होने की भावना बढ़ती है। इससे युवाओं में आपराधिक व्यवहार भी बढ़ता है।

कानूनी प्रणाली : जब बड़े अपराधिक मामलों में किसी को सजा नहीं हो पाती और मामलों में देरी होती रहती है तो इससे किशोरों के मन में यह भावना पनपती है कि वे अपराध से बच निकलेंगे और इससे उनका भय कम होता है।

टेलीविजन : टीवी में काफी हिंसा दिखाई जाती है। अध्ययनों से पता चला है कि हिंसा देखने से आक्रामक व्यवहार में बढ़ोत्तरी होती है क्योंकि इससे देखने वाले की हिचक कम होती है। आक्रामक विचारों से दर्शक की हिंसा के प्रति संवेदनशीलता पर असर पड़ता है। टीवी पर हिंसा देखने का मुख्य प्रभाव हिंसा के प्रति हिचक खोना और संवेदनशीलता घटने के तौर पर होता है और वास्तविक अवधारणा तथा सीखी गई अवधारणा में विकार आता है। लिहाजा यह जरूरी है कि बच्चों को हिंसक कार्यम न देखने दिए जाएं और अभिभावक उन पर अपना सख्त नियंत्रण रखें।

नशे का इस्तेमाल

यह देखने में आया है कि किशोरों में शराब और अन्य रसायन लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसका हिंसा और आक्रामकता से सीधा संबंध है। हिंसक व्यवहार को बढ़ावा देने वाले कारक अनेक शोध अध्ययनों से निष्कर्ष निकला है कि जटिल संवादों और विभिन्न कारकों के मिलने से किशोरों और बच्चों में हिंसक व्यवहार का जोखिम पैदा होता है। इन कारकों में शामिल है -

- पिछले आक्रामक या हिंसक व्यवहार
- भौतिक या यौन प्रताड़ना का शिकार होना
- घर या समुदाय में हिंसा का सामना करना

आनुवांशिक कारण

- मीडिया, टीवी फिल्म आदि में हिंसा देखना
- शराब या नशा करना एवं घर में हथियार होना
- तनावपूर्ण पारिवारिक सामाजिक आर्थिक कारण (गरीबी, बेहद वंचित होना, शादी टूटना, तलाकशुदा मां या पिता के साथ जीना, बेरोजगारी, परिवार से समर्थन बंद होना आदि)

हिंसक व्यवहार के सिगनल क्या हैं?

जो बच्चा गंभीर हिंसक प्रवृत्ति का शिकार हो सकते हैं उनमें ये लक्षण देखे जा सकते हैं

- बेहद गुस्सैल
- अक्सर बेकाबू होना और झगड़ने पर आमादा
- बेहद चिड़चिड़ा होना
- अत्यंत आवेश में रहना
- आसानी से कुंठित होना

हिंसक व्यवहार का पैमाना

बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार जिन हदों तक जा सकता हैं वे हैं - विस्फोटक मिजाज, भौतिक आक्रामकता, लड़ाई, धमकियां और या दूसरों को चोट पहुंचाना, हथियारों का इस्तेमाल करना, जानवरों के प्रति क्रूरता, आग लगाना, सम्पत्ति को जानबूझ कर नुकसान पहुंचाना और तोड़फोड़ करना।

संपादकीय

ट्रंप ईमानदार वार्ता करें

यदि अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के भीतर कोई 'इनसान' मौजूद है, तो उसे उत्प्रेरक की भूमिका अदा करनी चाहिए और ट्रंप के मानस में इनसानियत के प्रति सोचने का एहसास पैदा करना चाहिए। ईरान युद्ध अब बिल्कुल खत्म होना चाहिए। बहुत विनाश और विध्वंस हो चुका है। बेशक ईरान सार्वजनिक तौर पर कबूल न करे, लेकिन वह कब्रिस्तान-सा हो चुका है। घोर आर्थिक संकट की स्थिति है। दूसरी तरफ अमरीकी कांग्रेस (संसद) का एक मजबूत पक्ष और अमरीका की ही बहुतायत जनता राष्ट्रपति ट्रंप पर युद्ध खत्म करने का चौतरफा दबाव डाल रहे हैं। ईरान का परिष्कृत यूरेनियम कब्जाने की नाकामी के कारण दुनिया को 'फिरौती' के लिए विवश नहीं किया जा सकता। गौरतलब यह है कि बीते साल वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 3.4 फीसदी थी। ट्रंप के टैरिफवाद के बावजूद यह बढ़ोतरी साधारण थी। जनवरी में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने आकलन दिया था कि 2026 में भी कमोबेश विकास-दर 3.4 फीसदी ही रहेगी। अब उसने अपना आकलन संशोधित कर कहा है कि अर्थव्यवस्था घट कर 3.1 फीसदी हो सकती है, लेकिन आईएमएफ के ही मुख्य अर्थशास्त्री का आकलन 2.5 फीसदी तक लुढ़कने का है। आखिर यह गिरावट क्यों है? क्योंकि ईरान युद्ध बुनियादी तौर पर अब भी जारी है और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग की तालाबंदी, नाकाबंदी की गई है। नतीजतन सैकड़ों देशों के तेल-गैस, खाद, अन्य उपयोगी सामानों की आवाजाही ठप है। होर्मुज बंद होने के कारण और तेल-गैस ठिकानों के, ईरानी हमलों में, क्षतिग्रस्त होने के कारण खाड़ी देशों ने उत्पादन ही कम कर दिया है। एक अनुमान है कि 50 करोड़ बैरल तेल का उत्पादन कम किया गया है, जिसकी कीमत 50 अरब डॉलर बताई जा रही है। कोई भी देश एलएनजी होर्मुज के पार नहीं भेज पा रहा है, नतीजतन उर्वरक, अल्युमिनियम, हीलियम, सल्फर आदि की घोर कमी सामने आई है। खाद 300 डॉलर प्रति टन महंगी हो गई है। तांबा और निकल (सफेद चांदी जैसी धातु) के उत्पादन भी प्रभावित हुए हैं। निकल का इस्तेमाल स्टेनलेस स्टील और सिक्के बनाने में होता है। बहरहाल यदि जंग जारी रही, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर मात्र 2 फीसदी हो सकती है। यदि राष्ट्रपति ट्रंप के भीतर दुनिया के प्रति चिंताएं और सरोकार हैं, तो उन्हें ईरान के साथ सार्थक, ईमानदाराना बातचीत करनी चाहिए। अपने प्रतिनिधिमंडल को ऐसे ही निर्देश देने चाहिए, जिससे समझौता हो सके। ट्रंप को बार-बार ईरान के सभी बिजली संयंत्र, पुल, रेल नेटवर्क को तबाह, बर्बाद करने के बयानों से बचना चाहिए। राष्ट्रपति स्तर का कोई भी व्यक्ति ऐसी भाषा नहीं बोलता। यह साम्राज्यवाद की भाषा है। ट्रंप को शेष दुनिया के विशेषज्ञ और नेतागण 'सनकी', 'मानसिक विक्षिप्त', 'बेवकूफ' मान रहे हैं, तो उसकी बुनियादी वजह यही है कि वह दुनिया को अपना 'गुलाम' बना लेना चाहते हैं। अमरीका और इजरायल ईरान के करीब 90,000 घर मिट्टी-मलबा कर चुके हैं। सैकड़ों अस्पताल और स्कूल जमींदोज कर दिए गए हैं। इजरायल का प्रधानमंत्री तो 'आदमखोर' है। न जाने विनाश और विध्वंस में उसे क्या सुकून मिलता है या कौनसी सुरक्षा निहित है! ईरान कुल 25 लाख करोड़ रुपए का नुकसान आंक रहा है, लिहाजा अमरीका समेत सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर आदि खाड़ी देशों से भी ईरान मुआवजा मांग रहा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की रपट है कि ईरान युद्ध के कारण 25 लाख लोग गरीबी की चपेट में आ चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि 51 दिन के बाद अब भी युद्ध समाप्त कर दिया जाए, तो भी तेल-गैस के दाम 2030 से पहले सामान्य स्तर पर लौटना मुश्किल हैं। होर्मुज के सामान्य होने में ही तीन माह लगेंगे। वहां अब भी 128 टैंकर फंसे हैं, जिनमें 16 करोड़ बैरल तेल है। भारत के भी 13-14 जहाज, टैंकर होर्मुज में फंसे हैं। दो जहाजों पर तो गोलीबारी भी हो चुकी है। युद्ध से चौतरफा संकट पैदा हुए हैं। विश्व इतिहास का सबसे घोर ऊर्जा-संकट झेल रहा है। ऐसे में राष्ट्रपति ट्रंप चाहें, तो जंग खत्म हो सकती है।

ईरान का परिष्कृत यूरेनियम कब्जाने की नाकामी के कारण दुनिया को 'फिरौती' के लिए विवश नहीं किया जा सकता। गौरतलब यह है कि बीते साल वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 3.4 फीसदी थी। ट्रंप के टैरिफवाद के बावजूद यह बढ़ोतरी साधारण थी। जनवरी में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने आकलन दिया था कि 2026 में भी कमोबेश विकास-दर 3.4 फीसदी ही रहेगी। अब उसने अपना आकलन संशोधित कर कहा है कि अर्थव्यवस्था घट कर 3.1 फीसदी हो सकती है, लेकिन आईएमएफ के ही मुख्य अर्थशास्त्री का आकलन 2.5 फीसदी तक लुढ़कने का है। आखिर यह गिरावट क्यों है? क्योंकि ईरान युद्ध बुनियादी तौर पर अब भी जारी है और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग की तालाबंदी, नाकाबंदी की गई है। नतीजतन सैकड़ों देशों के तेल-गैस, खाद, अन्य उपयोगी सामानों की आवाजाही ठप है। होर्मुज बंद होने के कारण और तेल-गैस ठिकानों के, ईरानी हमलों में, क्षतिग्रस्त होने के कारण खाड़ी देशों ने उत्पादन ही कम कर दिया है। एक अनुमान है कि 50 करोड़ बैरल तेल का उत्पादन कम किया गया है, जिसकी कीमत 50 अरब डॉलर बताई जा रही है। कोई भी देश एलएनजी होर्मुज के पार नहीं भेज पा रहा है, नतीजतन उर्वरक, अल्युमिनियम, हीलियम, सल्फर आदि की घोर कमी सामने आई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के लिए यह पहला अवसर है जब कोई विधेयक पारित होने से लोकसभा में वंचित रह गया

महिला आरक्षण की फिर वही परिणति क्यों

अवधेश कुमार

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घोषणा किया कि विधेयक के पक्ष में 298 तथा विरोध में 230 मत पड़े। हालांकि सदन के बहुमत में विधायक के पक्ष में वोट डाला किंतु संविधान संशोधन विधेयक होने के कारण दो तिहाई बहुमत यानी चाहिए था और इसलिए यह पारित नहीं हो सका। यानी कुल 528 लोकसभा सदस्य उपस्थित थे तो 352 सदस्यों का समर्थन चाहिए था वैसे उपस्थिति से 34 ज्यादा सांसदों ने सरकार के पक्ष में वोट डाला। अगर सामान्य विधेयक होता तो पारित हो गया होता। 1996 से महिलाओं को लोकसभा और राज्य की विधानसभा में आरक्षण देने का मामला लटका हुआ है और विरोधी किसी न किसी बहाने इसमें अड़चन डालते आ रहे हैं। किसी का तर्क कुछ भी हो निष्कर्ष यही है वही प्रक्रिया फिर दोहराई गई है। अब इसमें गुणात्मक अंतर यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से 33% महिलाओं के आरक्षण का कानून संसद द्वारा पारित करवा लिया है।

लगभग 12 वर्षों के शासनकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के लिए यह पहला अवसर है जब कोई विधेयक पारित होने से लोकसभा में वंचित रह गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घोषणा किया कि विधेयक के पक्ष में 298 तथा विरोध में 230 मत पड़े। हालांकि सदन के बहुमत में विधायक के पक्ष में वोट डाला किंतु संविधान संशोधन विधेयक होने के कारण दो तिहाई बहुमत यानी चाहिए था और इसलिए यह पारित नहीं हो सका। यानी कुल 528 लोकसभा सदस्य उपस्थित थे तो 352 सदस्यों का समर्थन चाहिए था वैसे उपस्थिति से 34 ज्यादा सांसदों ने सरकार के पक्ष में वोट डाला। अगर सामान्य विधेयक होता तो पारित हो गया होता। 1996 से महिलाओं को लोकसभा और राज्य की विधानसभा में आरक्षण देने का मामला लटका हुआ है और विरोधी किसी न किसी बहाने इसमें अड़चन डालते आ रहे हैं। किसी का तर्क कुछ भी हो निष्कर्ष यही है वही प्रक्रिया फिर दोहराई गई है। अब इसमें गुणात्मक अंतर यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने सितंबर 2023 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से 33% महिलाओं के आरक्षण का कानून संसद द्वारा पारित करवा लिया है। इसलिए उसको लागू तो होना है। किंतु अब विधेयक के गिर जाने से 2029 लोकसभा चुनाव में यह लागू नहीं हो सकता। इसके लिए हमें 2034 की प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। दरअसल, 2023 के अधिनियम में यह प्रावधान था कि अगली जनगणना और फिर परिसीमन हो जाने के बाद इसे लागू किया जाएगा। तब अनुमान यह था कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया 2029 तक पूरी हो चुकी होगी इसलिए इसे लागू करने में समस्या नहीं होगी। चूंकि यह पूरी नहीं हुई तो नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे संविधान संशोधन के जरिए तत्काल लागू करने का रास्ता चुना। पूरे प्रकरण का कठोर सच यह है कि इन तीनों विधेयकों में ऐसा कुछ नहीं था जिसको आशंका की दृष्टि से देखा जाए और जिसका इस सीमा तक विरोध हो कि काले झंडे और काले बिल्ले तक पार्टियां व सांसद लगा लें। इनमें संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 लोकसभा की सीटों की अधिकतम संख्या को बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान करता था जिनमें राज्यों के लिए 815 और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें थीं। दूसरा, परिसीमन विधेयक, 2026 नई जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के लिए परिसीमन आयोग के गठन का प्रावधान करता था। और तीसरा, केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए था। विपक्ष का मुख्य विरोध पहले विधेयक से था। वस्तुतः संसद का विशेष सत्र आरंभ होने के पहले ही विपक्ष ने अविश्वसनीय रूप से विरोधी रख अपनाकर अपने संसदीय व्यवहार का संकेत दे दिया था। विपक्ष के सभी नेताओं ने, जिनमें महिला सांसद भी शामिल हैं नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन संबंधी विधेयकों का जैसा विरोध किया उसमें साफ हो गया कि इनका पारित होना संभव नहीं है। भाजपा के मंत्रियों ने विपक्ष के नेताओं से

बात करनी शुरू की। स्वयं प्रधानमंत्री ने दो पोस्ट से अपील की। इसके पहले वे अपने भाषण में अपील कर चुके थे कि श्रेय आप लोग ले लीजिए लेकिन महिला आरक्षण में बाधा मत बनिए। उन्होंने यहां तक कहा कि मैं इसके लिए तैयार हूं कि कल आप सबकी तस्वीर समाचार पत्रों में छपवाकर श्रेय दूंगा। लेकिन विपक्ष पहले से मन बनकर बैठा था। उन्होंने अपनी अपील में लिखा कि अपने घर में मां-बहन- बेटी -पत्नी सबको देखिए और उनके अधिकार के लिए विचार कर मतदान करिए। निष्पक्ष होकर विवेक, तथ्य और तर्क के साथ विचार करनेवालों का निष्कर्ष है कि पूरा विरोध एकपक्षीय अतिवाद से ग्रस्त रहा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तो इसे देश विरोधी और देश को बांटने वाला विधायक तक करार दिया। उन्होंने कहा कि ये देश का भूगोल बदलना चाहते हैं जो हम कभी नहीं होने देंगे। इससे अधिक अतिवादी वक्तव्य और कुछ नहीं हो सकता। उनका भाषण भाजपा के वरिष्ठ सांसदों को भी इतना आपत्तिजनक लगा कि राजनाथ सिंह जैसे नेताओं को लोकसभा अध्यक्ष से अपील करनी पड़ी कि इन्हें रिकॉर्ड से हटाया जाए। राहुल गांधी के भाषण के एक बड़े अंश को असंसदीय करार देकर हटा दिया गया। सदन में विपक्ष के नेता के भाषण के अंशों को असंसदीय श्रेणी में ला दिया जाए इससे दुखद स्थिति कुछ नहीं हो सकती। अगर इरादा विधेयक पर बहस कर इसमें उचित संशोधन करना हो तो आपके भाषण में उससे संबंधित सुझाव होते हैं। सरकार की राजनीतिक आलोचना में समस्या नहीं है। किंतु पूरी बहस सामान्य आलोचना ही नहीं विधेयक के विषय वस्तु से भी काफी दूर चला गया था। प्रश्न उठाया जा रहा था कि आखिर 850 सीटों का आपका आधार क्या है? इसी तरह के दक्षिण के राज्यों को इसमें नजरअंदाज किया जा रहा? बजट सत्र में गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के नेताओं से बातचीत शुरू की तो बताया होगा कि हर राज्य की 50% लोकसभा एवं विधानसभा की सीटें बढ़ाने का फार्मूला तय हुआ है। सोचा गया कि आज परिसीमन हो तो लोकसभा एवं विधानसभाओं की कितनी सीटें बढ़ सकतीं हैं। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि अगर उत्तर प्रदेश की सीट 80 से 120 हो रही है तो तमिलनाडु की 39 से 59। इसी तरह अन्य राज्यों के भी विवरण दिए गए। हंगामा इस पर भी था कि 2011 की जनगणना को आधार क्यों बनाया गया? गृह मंत्री का उत्तर था कि 2011 की जनगणना का आधार बनाते तो तमिलनाडु की सुट केवल 49 होती।

यही सच है। यहां दो बातें समझने की है। एक, वर्तमान 543 सीटों में 33% आरक्षण क्यों नहीं दिया गया? 2023 में जब विधेयक पारित हुआ तभी उसमें जनगणना और परिसीमन का प्रावधान था। विपक्ष ने विरोध नहीं किया? 1996 से उसके विरोध के पीछे सबसे बड़ा कारण यही था कि आपसी बातचीत में नेता बोलते थे कि 543 में से 33% महिलाओं को मिल गया तो अनेक पुरुष नेताओं को घर बैठ जाना पड़ेगा और राजनीति का नाश हो जाएगा। पिछड़ों के आरक्षण आदि का बहाना बनाया गया। तो पुराने अनुभवों का ध्यान रखते हुए मोदी सरकार ने रास्ता निकाला कि 543 सीटें जस की तस रहें और बढ़ी 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होश सहमति हुई तभी 2023 में कानून बन सका। आज यह तर्क देने वाले अपनी सरकारों में इसके लिए तैयार नहीं थे। 1996 में विरोध करने वाले उस संयुक्त मोर्चा सरकार के साथी थे तो 2008 से 2010 तक विरोध करने वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के साथी। इनमें समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल और कुछ समय तक जनता दल यूनाइटेड अग्रणी रहे। दूसरे दलों के सांसद भी साथ देते रहे। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 1998 और 1999 में महिला आरक्षण विधेयक चलाया किंतु आम सभमति नहीं बन सकी। 2010 में राज्यसभा में भाजपा के समर्थन से विधेयक पारित हुआ किंतु उनके साथी दलों ने विरोध किया और लोकसभा में पारित करना मुश्किल था। इस पृष्ठभूमि को जानने वाले यह प्रश्न नहीं उठाएंगे। दूसरे, हर 10 वर्ष पर संविधान लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्रों के जनसंख्या के आधार पर परिसीमन का प्रावधान करता है। 1971 तक नियमित होता रहा। 1976 में आपातकाल के समय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सरकार ने 42वां संशोधन कर 2001 तक लोकसभा एवं विधानसभाओं की सीटें न बढ़ाने का प्रावधान कर दिया। इस कारण 1981 और 91 में परिसीमन आयोग का गठन नहीं हुआ। 1976 में लगभग 57.5 करोड़ आबादी थी और आज 140 करोड़ से ऊपर। क्या उस आधार पर आज लोकसभा या विधानसभाओं की सीटें होनी चाहिए? 2001 में वाजपेयी सरकार ने भी परिसीमन आयोग तो बनाया लेकिन केवल क्षेत्र का समायोजन हुआ संख्या नहीं बढ़ाई। हर सरकार इस विषय को स्पर्श करने से घबराती रही, क्योंकि दक्षिणी राज्यों की आबादी उत्तर के अनुपात में कम होने के कारण उनको सीटें कम मिलती और विरोध होता। मोदी सरकार ने उसी का रास्ता निकाला। थोड़े शब्दों में कहें तो अगर दल वाकई महिला आरक्षण के पक्ष में होते तो विरोध जताते हुए कुछ संशोधन डालकर पारित कर देते। सीटों की संख्या की लिखित गारंटी के प्रश्न पर गृह मंत्री ने कहा कि आप विधेयक पारित करते हैं तो हम नया संशोधन सीटों की संख्या डालकर पेश करने को तैयार हैं। वास्तव में यह कहीं पे निशाना कहीं पे निगाहें वाली बात थी। कांग्रेस और कुछ विपक्षी दलों को दिखाना था कि हम संसद में नरेंद्र मोदी सरकार को पराजित कर सकते हैं। किसी नेता ने महिलाओं को आरक्षण न मिलने पर अफसोस प्रकट नहीं किया। श इसे लोकतंत्र की विजय बताते हुए नए दौर की शुरुआत बताया जा रहा है।

देश दुनिया से

पर्वतीय विकास के लिए कौन से मानदंड जरूरी

हिमालय की गोद में बसा हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता और पारिस्थितिक संपदा के लिए लंबे समय से प्रशंसित रहा है। फिर भी, हाल के वर्षों में, राज्य की पहचान एक अलग ही वास्तविकता से होने लगी है- बार-बार होने वाले भूस्खलन, अचानक बाढ़ और बादल फटने जैसी आपदाएं एक गंभीर प्रश्न खड़ा कर रही हैं। क्या इतने संवेदनशील क्षेत्र में विकास को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसका उत्तर विकास को अस्वीकार करने में नहीं, बल्कि उसे पुनर्परिभाषित करने में निहित है। हिमाचल प्रदेश को विकास की आवश्यकता है, लेकिन ऐसे विकास की जो पहाड़ों की भौगोलिक संवेदनशीलता और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न बढ़ते जोखिमों के अनुरूप हो। 2023 का मानसून एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। शिमला, मंडी और कुल्लू जैसे जिलों में भारी बारिश के कारण व्यापक तबाही हुई। यह सिलसिला यहीं नहीं रुका। 2024 में, बार-बार बादल फटने और अचानक आई बाढ़ ने कुल्लू और मंडी जैसे क्षेत्रों को प्रभावित किया। एक बड़ी घटना में चार लोगों की मौत हो गई और लगभग 49 लोग लापता हो गए, जबकि पूरे मौसम में 50 से अधिक आपदाएं दर्ज की गईं और कम से कम 23 लोगों की जान गई। बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान ने एक बार फिर दैनिक जीवन और आर्थिक गतिविधियों को बाधित कर दिया। 2025 तक, संकट एक नियमित चक्र में तब्दील हो चुका था। अकेले मानसून के मौसम में ही 448 लोगों की मौत हो गई। मंडी, कुल्लू और कांगड़ा जैसे जिलों में व्यापक तबाही मची। 2018 से 2025 तक की लंबी अवधि में, राज्य में हजारों भूस्खलन और सैकड़ों बाढ़ की घटनाएं हुईं, जिनसे कुल आर्थिक नुकसान 46000 करोड़ रुपए से अधिक हो गया। ये आंकड़े एक कड़वी सच्चाई को उजागर करते हैं, हिमाचल प्रदेश में आपदाएं अब दुर्लभ घटनाएं नहीं बल्कि एक आम बात बन गई हैं। हालांकि, यह समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ये केवल प्राकृतिक घटनाएं नहीं हैं। हिमालय की नाजुक भू-आकृति इस क्षेत्र को स्वाभाविक रूप से संवेदनशील बनाती है, लेकिन मानवीय हस्तक्षेप ने जोखिमों को काफी हद तक बढ़ा दिया है। खड़ी ढलानों पर अनियंत्रित निर्माण, सड़क विस्तार के लिए अंधाधुंध पहाड़ी कटाई और नदी तटों पर अतिक्रमण ने भूभाग को अस्थिर कर दिया है। प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था बाधित हो गई है, जिससे भारी बारिश के दौरान बाढ़ और भूस्खलन की संभावना बढ़ गई है। विकास को समर्थन देने के लिए निर्मित अवसंरचना कई मामलों में जोखिम को और बढ़ा रही है। इस बिंदु पर, विकास का पूरी तरह से विरोध करना तर्कसंगत प्रतीत हो सकता है। लेकिन ऐसा दृष्टिकोण पर्वतीय राज्य में जीवन की वास्तविकताओं को नजरअंदाज करता है। हिमाचल प्रदेश में विकास विलासिता नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, सडकें जीवन रेखा हैं जो दूरस्थ समुदायों को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बाजारों

हिमाचल प्रदेश को विकास की आवश्यकता है, लेकिन ऐसे विकास की जो पहाड़ों की भौगोलिक संवेदनशीलता और जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न बढ़ते जोखिमों के अनुरूप हो। 2023 का मानसून एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। शिमला, मंडी और कुल्लू जैसे जिलों में भारी बारिश के कारण व्यापक तबाही हुई। यह सिलसिला यहीं नहीं रुका। 2024 में, बार-बार बादल फटने और अचानक आई बाढ़ ने कुल्लू और मंडी जैसे क्षेत्रों को प्रभावित किया।

से जोड़ती हैं। आपदा के समय, ये निकासी और बचाव कार्यों के लिए आवश्यक हैं। इसी प्रकार, पर्यटन और जलविद्युत जैसे क्षेत्र राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो रोजगार और राजस्व प्रदान करते हैं। निरंतर विकास के बिना, राज्य को आर्थिक गतिरोध, बेरोजगारी और ग्रामीण आबादी के बढ़ते अलगाव का खतरा है। इसके अलावा विकास लचीलापन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बेहतर बुनियादी ढांचा, जैसे मजबूत पुल, बेहतर जल निकासी व्यवस्था और पूर्व चेतावनी तंत्र आपदाओं के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इस अर्थ में, समस्या विकास स्वयं नहीं है, बल्कि जिस तरीके से इसे वर्तमान में आगे बढ़ाया जा रहा है, वह है। बुनियादी ढांचे का बार-बार विनाश एक गहरे आर्थिक विरोधाभास को भी उजागर करता है। हर साल. सडकें फिर से बनाई जाती हैं, पुलों की मरम्मत की जाती है और व्यवस्थाएं बहाल की जाती हैं, लेकिन अगले मानसून में फिर से क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। विनाश और पुनर्निर्माण का यह चक्र न केवल आर्थिक रूप से बोझिल है, बल्कि अस्थिर भी है। हजारों करोड़ रुपए के नुकसान के साथ, यह स्पष्ट है कि अवैज्ञानिक विकास लाभ से कहीं अधिक महंगा साबित हो रहा है। आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है कि हम अनियोजित और तीव्र विस्तार से हटकर सतत और आपदा-प्रतिरोधी विकास की ओर बढ़ें। इसके लिए दृष्टिकोण में मूलभूत परिवर्तन आवश्यक है। वैज्ञानिक भूमि उपयोग नियोजन सभी विकास गतिविधियों का आधार होना चाहिए। आपदा क्षेत्र निर्धारण मानचित्रों के माध्यम से यह निर्धारित किया जाना चाहिए कि निर्माण की अनुमति कहां है और कहां इसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं, विशेष रूप से भूस्खलन-संभावित क्षेत्रों में, से पहले विस्तृत भूवैज्ञानिक और भू-तकनीकी आकलन किए जाने चाहिए। निर्माण पद्धतियों में भी बदलाव की आवश्यकता है। पर्यावरण के अनुकूल तकनीकें, जैसे ढलान स्थिरीकरण, उचित जल निकासी प्रबंधन और स्थानीय रूप से उपयुक्त सामग्रियों का उपयोग, पर्यावरण पर पडऩे वाले प्रभाव को काफी हद तक कम कर सकती हैं। पर्यटन अवसंरचना को वहन क्षमता के आधार पर विनियमित किया जाना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि नाजुक पारिस्थितिक तंत्र पर अत्यधिक दबाव न पड़े। जलविद्युत विकास, यद्यपि महत्वपूर्ण है, फिर भी इसे सावधानीपूर्वक अपनाना चाहिए। एक ही नदी बेसिन के भीतर कई परियोजनाओं के दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए संचयी प्रभाव आकलन आवश्यक हैं। साथ ही, वनीकरण, जलसंभर प्रबंधन और प्राकृतिक जल निकासी प्रणालियों की बहाली जैसे प्रकृति-आधारित समाधान भूदृश्य के लचीलेपन को बढ़ा सकते हैं। आपदा से निपटने की तैयारियों को मजबूत करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम और कुशल आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र जीवन बचा सकते हैं और नुकसान को कम कर सकते हैं। बहरहाल, प्रदेश को टिकाऊ विकास की जरूरत है। प्रकृति की सीमाओं का सम्मान जरूरी है।

आप का नज़रिया

जीवन को पढऩे की कला

स्कूली माहौल की दुरुस्ती में कई बदलाव गाहे बगाहे नीतियों के खाकों में होते रहते हैं, लेकिन सोच के दायरे को विस्तृत आकार देने की आवश्यकता आज भी है। पाठ्यक्रमों की उत्कृष्टता का मूल्यांकन अकसर परीक्षा परिणामों की प्रक्रिया में समाया रहता है, इसलिए व्यक्तित्व विकास की स्वाभाविकता गौण होने लगी है। बच्चों को शिक्षा के आरंभिक कक्ष से ही परीक्षाओं के लिए तैयार होना सिखाया जाता है, जहां मौलिक टेलेंट और क्षमता के दोहन को नजरअंदाज होना पड़ता है। ऐसे में छठी से आठवीं कक्षा के आर्ट एंड क्राफ्ट पाठ्यक्रम के जरिए नृत्य व संगीत की गीतात्मक ऊर्जा से बच्चों को जोडऩे का लिया गया फैसला प्रशंसनीय है। हालांकि यह अल्पावधि के लिए सीखने के मंच को बड़ा कर रहा, लेकिन छात्र जीवन की अभिरुचियों को इससे एक संस्थागत संगत जरूर मिलेगी। जीवन की ऊबड़ खाबड़ जमीन पर सीधे चलने की जमात भी अगर स्कूलों में लगे, तो छात्रों की व्यावहारिक कुशलता के कई आयाम भी आगे बढ़ेंगे। पढ़ते-पढ़ते कुछ क्षेत्र ऐसे भी हों कि आसानी से आगे बढ़ा जाए, जबकि प्रथम कक्षा से जमा दो तक का स्कूली सफर कई बेचैनियों, दबावों और अनिश्चितताओं से ही गुजर जाता है। बेशक पहले भी ड्राइंग व हस्त कलाओं के साथ स्कूली ज्ञान की कार्यशालाएं चलती रही हैं, मगर अब नृत्य और संगीत के सुर सुनाई देंगे, तो अभिव्यक्ति का एहसास कहीं आत्मशक्ति का नया प्रयोग बन सकता है। खास बात यह है कि इससे 'लोक शक्ति', लोक भाषा, लोक मर्यादा और लोकाचारण सुदृढ़ होगा। हिमाचल की लोकनृत्य व गीत-संगीत की शैलियां हमारी सांस्कृतिक परंपराओं की पहचान हैं और अगर इनके बीच आर्ट-क्राफ्ट के शैक्षणिक लक्षण भी खोजे जाते हैं, तो शिक्षा का अवतरण सहज और सरल हो सकता है। बच्चे आरंभिक आयु के दौर में जिस हुनर के करीब खुद खड़ा कर सकते हैं, वहां अगर स्कूल परिसर भी बाहें फैला दें, तो यह सोने पर सुहागा होगा। सीखने की कला को आदत बनाने के उपक्रम में आर्ट एंड क्राफ्ट, स्पोट्र्स, लीडरशिप अभियान, स्काउटिंग-एनसीसी, भाषण प्रतियोगिताएं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भागीदारी काम आती है, लेकिन शिक्षा के उच्चारण में ये कसौटियां फिजूल साबित होती हैं। स्कूल की हर गतिविधि का संयोग प्रोफेशनल उत्थान से जुडऩा चाहिए। उन सपनों को इबारत देने की जरूरत है, जो विज्ञान से बाहर अन्य विषयों की बुलंदी लिख सकें। शिक्षा की आंखें नहीं होती हैं, यह पाठ्यक्रम के चश्मे से वही देखती हैं, जो नीतियां दिखाना चाहती हैं। ऐसे में स्कूल के माहौल में व्यक्तित्व विकास की गुणवत्ता के मार्ग प्रशस्त करने के लिए, कम्प्यूटर लैब को तो प्राथमिकता मिल जाती है, लेकिन पुस्तकालय में रखी किताबों या अतिरिक्त ज्ञान की कुंजी तक छात्रों को कौन पहुंचाएगा। प्रायः देखा यह जाता है कि छात्र जीवन के बाद अपनी क्षमता खोजते युवाओं को विभिन्न प्रोफेशनल या रोजगार की उपलब्धता से जूझना पड़ता है। स्कूलों में आठवीं और उसके बाद ऐसे मौके आ सकते हैं, जब छात्र अपने आसपास की दुनिया को देख व महसूस कर सकें। इन दोनों संभावनाओं के बीच आठवीं तक प्रदेश भ्रमण और बारहवीं तक देश भ्रमण की अनिवार्यता का पाठ्यक्रम बने, तो दुनिया और खुद को देखने का नजरिया बदलेगा। स्कूल शिक्षा बोर्ड, शिक्षा विभाग, सरकार और अभिभावकों के योगदान से स्कूल स्तर की दो यात्राएं बच्चे को प्रदेश और देश से मुलाकात करवा कर उन्हें व्यापक दृष्टि विकसित करने में मदद कर सकती हैं। हिमाचल में कम से कम एक साइंस सिटी विकसित करके बच्चों के वैज्ञानिक सोच को आधुनिक युग की व्यावहारिकता से जोडऩा होगा। आश्चर्य यह कि स्कूली सपनों में आजकल कुछ निजी अकादमियों के व्यावसायिक लक्ष्य, प्रेरणा स्रोत बन जाते हैं और इसलिए बच्चे आंख मूंद कर अपने हुनर या व्यक्तित्व की ऊर्जा व शक्ति को देखादेखी या होड़ में खो देते हैं।

पाठ्यक्रमों की उत्कृष्टता का मूल्यांकन अकसर परीक्षा परिणामों की प्रक्रिया में समाया रहता है, इसलिए व्यक्तित्व विकास की स्वाभाविकता गौण होने लगी है। बच्चों को शिक्षा के आरंभिक कक्ष से ही परीक्षाओं के लिए तैयार होना सिखाया जाता है, जहां मौलिक टेलेंट और क्षमता के दोहन को नजरअंदाज होना पड़ता है। ऐसे में छठी से आठवीं कक्षा के आर्ट एंड क्राफ्ट पाठ्यक्रम के जरिए नृत्य व संगीत की गीतात्मक ऊर्जा से बच्चों को जोडऩे का लिया गया फैसला प्रशंसनीय है। हालांकि यह अल्पावधि के लिए सीखने के मंच को बड़ा कर रहा, लेकिन छात्र जीवन की अभिरुचियों को इससे एक संस्थागत संगत जरूर मिलेगी। जीवन की ऊबड़ खाबड़ जमीन पर सीधे चलने की जमात भी अगर स्कूलों में लगे, तो छात्रों की व्यावहारिक कुशलता के कई आयाम भी आगे बढ़ेंगे। पढ़ते-पढ़ते कुछ क्षेत्र ऐसे भी हों कि आसानी से आगे बढ़ा जाए, जबकि प्रथम कक्षा से जमा दो तक का स्कूली सफर कई बेचैनियों, दबावों और अनिश्चितताओं से ही गुजर जाता है। बेशक पहले भी ड्राइंग व हस्त कलाओं के साथ स्कूली ज्ञान की कार्यशालाएं चलती रही हैं, मगर अब नृत्य और संगीत के सुर सुनाई देंगे, तो अभिव्यक्ति का एहसास कहीं आत्मशक्ति का नया प्रयोग बन सकता है। खास बात यह है कि इससे 'लोक शक्ति', लोक भाषा, लोक मर्यादा और लोकाचारण सुदृढ़ होगा।

कुछ अलग

झाल मूड़ी खाओ

राजनीति के 'ज्वारभाटा' में मुझे धर्मेन्द्र की फिल्म 'ज्वारभाटा' का 'दाल-रोटी खाओ' वाला गीत याद आ रहा है। मेरा दिल गा रहा है, 'झाल मूड़ी खाओ, प्रभु के गुण गाओ।' लेकिन दिल 'मोर' मांगता है। अंग्रेज़ी वाला मोर। मोर कहने पर हो सकता है कि आपके दिमाग में लोक कल्याण मार्ग पर बने प्रधान सेवक के सरकारी आवास का वह चित्र कौंध जाए, जिसमें उन्होंने मोर को दाना खिलाया था। एक तो हमारे मदरलैंड में साल भर चलने वाले चुनावों को जीतने की प्रधान सेवक की अदम्य लालसा, दूजे हमारे फादरलैंड के पीएम बीबी और अमेरिका के बोलबदलू डोनाल्ड डक द्वारा थोपा गया ईरान युद्ध चैन नहीं लेने दे रहा, उसके बीच एपस्टीन फाइल का कहर। ऐसे में बेचारा आदमी बंगाल के चुनावों में रैली से वक्त निकाल कर अपनी जेब दस रुपए ख़र्च करके झाल मूड़ी भी न खाए तो क्या करे। मुझे तो डर था कि गोदी चैनल चीख-चीख कर यह न बताने लग जाएं कि ब्रेकिंग न्यूज़, ब्रेकिंग न्यूज़- 'आज़ादी के बाद पहली बार किसी पीएम ने अपनी जेब से दस रुपए ख़र्च करके एक ग़रीब की दुकान पर झाल मूड़ी खाया।' दरअसल प्रधान सेवक देश को संदेश देना चाहते थे कि देश में महंगाई पर केन्द्र सरकार का पूरा नियंत्रण है। किसी विपक्षी दल द्वारा शासित प्रदेश में भी एक ग़रीब दस रुपए ख़र्च करके झाल मूड़ी खा सकता है। इस नेक काम में बेरोजग़ारी भी आड़े नहीं आती। अगर ग़रीब को काम न भी मिले तो वह भीख मांग कर झाल मूड़ी खा सकता है। हमारे प्रधान सेवक ने भी पैंतीस साल भिक्षा मांग कर खाया था। लेकिन प्रधान सेवक के इतने सहज और सुलभ होने के बावजूद लोग उनका पीछा नहीं छोड़ रहे।

दृष्टि कोण

ग्रोथ पर केंद्रित है रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति

अप्रैल माह में प्रथम सप्ताह में रिजर्व बैंक द्वारा घोषित मौद्रिक नीति में, रेपो रेट और अन्य नीतिगत ब्याज दरों को समान रखने और साथ ही अपने रुख को भी यथावत 'न्यूट्रल' यानी तटस्थ रखते हुए केंद्रीय बैंक ने एक मजबूत संदेश दिया है कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, सप्लाई चेन में बाधाओं, अंतरराष्ट्रीय मार्ग अवरुद्ध होने और विश्व में उथल-पुथल के बावजूद भारत के नीति निर्माता देश के बुनियादी बातों (फंडामेंटल्स) के बारे में तो आश्वस्त है ही, साथ ही साथ देश में ग्रोथ के वातावरण को बनाए रखने के लिए भी प्रतिबद्ध है। हालांकि मौद्रिक नीति घोषणा से पूर्व यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि 2025 के दौरान रेपो रेट में लगातार कमी का जो मार्ग अपनाया गया था, उसमें अवरोध आ सकता है और मुद्रास्फीति की अपेक्षाओं के चलते रेपो रेट में वृद्धि हो सकती है अथवा कम से कम मौद्रिक नीति रुख को डाउनग्रेड कर उसे तटस्थ से उदार, यानी 'एकोमोडेटिव' किया जा सकता है। लेकिन उन आशंकाओं को निर्मूल सिद्ध करते हुए रिजर्व बैंक ने अर्थव्यवस्था का जो खाका देश के समक्ष प्रस्तुत किया है वह यह बताता है कि वैश्विक उथल-पुथल, बढ़ती तेल कीमतों और उन वैश्विक समस्याओं के बावजूद अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है और उसके ग्रोथ के मार्ग को प्रशस्त रखते हुए रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत ही रखना एक उचित नीति है। गौरतलब है कि मौद्रिक नीति में रेपो रेट को कम रखते हुए देश में निवेश, चिरस्थाई वस्तुओं और घरों की मांग को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है, जिससे ग्रोथ बढऩे का मार्ग प्रशस्त होता है। लेकिन रेपो रेट को घटाने की पहली शर्त यह होती है कि देश में मुद्रास्फीति कम हो। यदि मुद्रास्फीति अधिक हो अथवा भविष्य में मुद्रास्फीति की अपेक्षाएं ज्यादा हों, तो रेपो रेट को घटाने से मुद्रास्फीति और अधिक बढ़ सकती है। इसलिए केंद्रीय बैंक (भारतीय रिजर्व बैंक) मुद्रास्फीति अधिक होने की स्थिति में रेपो रेट घटाने का जोखिम नहीं ले सकता। लेकिन वर्तमान भू-राजनीतिक स्थितियों और मुद्रास्फीति बढऩे के डर और बाधित

सप्लाई चेन के बावजूद रिजर्व बैंक ने सोच-समझकर जोखिम उठाते हुए रेपो रेट को स्थिर रखने का कठिन फैसला लेकर, ग्रोथ के इंजन को चालू रखने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान यह है कि यह वर्ष 2026-27 में 4.5 प्रतिशत से 4.6 प्रतिशत रह सकती है। हालांकि यह 2025-26 की मुद्रास्फीति 2.1 प्रतिशत से काफी अधिक है, फिर भी यह मौद्रिक नीति समिति के लिए निर्धारित लक्ष्य 2 से 6 प्रतिशत के बीच ही रहने का अनुमान है। मौद्रिक नीति अप्रैल 2026 के अनुसार, मौद्रिक नीति बनाते हुए इस बात का ध्यान रखना होगा कि यह मुद्रास्फीति की सीमा 4 प्रतिशत, जमा-घटा 2 प्रतिशत के बीच ही रहे। और ऐसे में जैसे ही यह सीमा के उल्लंघन होने का खतरा हो, रेपो रेट को बढ़ाना और मुद्रा के संकुचन के अन्य उपाय अपनाना आवश्यक हो जाता है। इसीलिए चूंकि मुद्रास्फीति, मौद्रिक नीति समिति के लिए निर्देशित सीमा में ही होने के कारण रिजर्व बैंक ने रेपो रेट स्थिर रखने का निर्णय लिया। रिजर्व बैंक ने 2026-27 में ग्रोथ संभावनाओं को 6.2 प्रतिशत पर रखा है। गौरतलब है कि 2025-26 में जीडीपी ग्रोथ 7.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि ग्रोथ में थोड़ी ही सही, कुछ कमी होने की संभावना है। ध्यातव्य है कि वैश्विक उथल-पुथल का ग्रोथ पर पडऩे वाला प्रभाव रिजर्व बैंक को विचलित नहीं कर सका। इसका कारण यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत है और वैश्विक हलचल भारत की ग्रोथ संभावनाओं को प्रभावित नहीं कर पाएगी। समझना होगा कि तरलता को इष्टतम स्तर पर रखना भी उतना ही जरूरी है।

बीसीसीआई एक साथ दो टी20 टीमें उतरने की योजना बना रहा

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब दो दो अलग-अलग टी20 टीमें बनाने पर विचार कर रहा है। जिससे की व्यस्त कार्यक्रम के दौरान एक साथ दो टीमों को खेलने भेजा जा सके। इस साल भारतीय टीम को कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों, जैसे एशियाई खेल और वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज खेलने हैं और इस दौरान तारीखों में टकराव की संभावना है। इसके अलावा बोर्ड चाहता है कि देश में जिस प्रकार से उभरती हुई प्रतिभाएं सामने आ रही है। ऐसे में दो टीमें बनाने से अधिक से अधिक खिलाड़ियों को अवसर दिया जा सकेगा।

अगर ये योजन अमल में आती है तो इससे न केवल अधिक से अधिक प्रतिभाओं को वैश्विक मंच पर अपने को साबित करने का अवसर मिलेगा बल्कि अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के प्रबंधन में भी आसानी रहेगी। दो टीम तैयार करने की योजना के पीछे बीसीसीआई का मुख्य उद्देश्य देश में उपलब्ध क्रिकेट प्रतिभाओं को भी अवसर देना है। बोर्ड का लक्ष्य 30-35 खिलाड़ियों का एक मजबूत पूल तैयार करना है, जिससे एक साथ दो अंतरराष्ट्रीय स्तर की टीमें तैयार की जा सकें। इसका साफ है कि अब पहले से कहीं अधिक खिलाड़ियों को देश की ओर से खेलने का अवसर मिलेगा, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा और गहराई दोनों बढ़ेगी। इस साल के अंत में होने वाले कई अंतरराष्ट्रीय आयोजनों, जैसे एशियाई खेल और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के कार्यक्रम को देखते हुए भी यह फैसला और भी अहम हो जाता है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने बताया, इस साल एशियाई खेल और भारत-वेस्टइंडीज टी20 सीरीज एक ही समय पर आयोजित होने जा रही हैं। ऐसे में हमें दो अलग-अलग टीमों को उतारना होगा। अधिकारी ने आगे कहा, इसके लिए अभी से ही 30-35 खिलाड़ियों का एक एक अच्छा पूल तैयार करना जरुरी है, जिसके खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय मैचों के लिए शामिल किया जा सके। इसके तहत आयरलैंड दौरे के लिए भी खिलाड़ियों का एक बड़ा पूल रखा जाएगा, और एशियाई खेलों के लिए भी यही नीति लागू होगी।

न्यूज ब्रीफ

फुटबाल विश्व कप 2026 ब्राज़ील के लिए सुनहरा मौकाः काफू

मैड्रिड। ब्राज़ील के दिग्गज फुटबालर काफू का मानना है कि 2026 फुटबाल विश्व कप ब्राज़ील के लिए 24 साल बाद फिर से चैंपियन बनने का सबसे सही समय है। काफू, जिन्होंने 2002 में टीम की कप्तानी करते हुए ब्राज़ील को उसका पांचवां विश्व खिताब दिलाया था, ने कहा कि मौजूदा टीम में संतुलन और अनुभव दोनों मौजूद हैं। उन्होंने 1994 में भी विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहते हुए देश को गौरव दिलाया था। लारेंस अवार्ड्स समारोह में उन्होंने पत्रकारों से कहा, पिछले खिताब के 24 साल बाद, यह ब्राज़ील के लिए बिल्कुल सही मौका है। काफू ने टीम के कोच कार्लो अंचेलोटी की सराहना करते हुए उन्हें लगातार जीत दिलाने वाला कोच बताया। उनके अनुसार, टीम का आक्रमण और मिडफील्ड पहले से मजबूत है, इसलिए इस बार रक्षापंक्ति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। काफू ने स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर पर भरोसा जताते हुए कहा कि विश्व कप किसी भी खिलाड़ी के लिए खुद को साबित करने का सबसे बड़ा मंच होता है। 19 वर्षीय एंड्रिक को लेकर काफू ने कहा कि फ्रांस के क्लब लियोन में खेलने से उन्हें काफी फायदा मिला है और वह ब्राज़ील के लिए अहम खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। 2026 फुटबाल विश्व कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा।

बुमराह के मैच की शुरुआत में गेंदबाजी करने पर बोले हार्दिक

अहमदाबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 19 वें सत्र में लगातार हार से परेशान मुम्बई इंडियंस को आंखिरकार जीत मिल ही गयी। मुम्बई की टीम ने गुजरात टाइटंस को हराकर लीग में वापसी की है। इस मैच में मुम्बई के मुम्बई के मुख्य तेज गेंदबाज जसपीत बुमराह ने पहले ही ओवर में विकेट लेकर गुजरात के बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया जिससे टीम उबर नहीं पायी। इस मुकाबले में मुम्बई के मुख्य तेजी गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी की शुरुआत करते हुए इस सीजन का अपना पहला विकेट हासिल लिया। मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या से जब बुमराह के नए गेंद से गेंदबाजी करने को लेर पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि बुमराह एक विशेष गेंदबाज है जिन्हें टीम के जरुरत के अनुसार कभी भी गेंदबाजी दी जा सकती है। पंड्या ने कहा कि बुमराह ने अपने 151 आईपीएल मैचों में से केवल आठ या नौ बार ही पहला ओवर किया है पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। बुमराह इतने खास गेंदबाज हैं कि उन्हें टीम की जरूरत के अनुसार किसी भी स्थिति में लगाया जा सकता। इस मैच में जरुरत थी, इसलिए उन्हें शुरुआत में ही गेंदबाजी दी गयी। साथ ही कहा कि इस काम के लिए उनसे बेहतर कोई नहीं था। बुमराह ने इस मैच में गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन को पहली ही गेंद पर आउट कर अपनी टीम को बढ़त दिली दी। बुमराह ने इस मैच में 3 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 1 विकेट लिया।

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद बोले, मुझे भारत और आस्ट्रेलिया ने दिया था खेलने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा है कि उन्हें भारतीय ओर आस्ट्रेलियाई क्रिकेट से खेलने के साथ ही नागरिकता का प्रस्ताव मिला था पर उन्होंने उसे ठुकरा दिया था क्योंकि वह अपने ही देश अफगानिस्तानी की ओर से खेलना चाहते थे। राशिद के अनुसार वह अपने देश से प्यार करते हैं और उसके लिए समर्पित हैं। राशिद खान ने ये खुलासा अपनी किताब राशिद खान: फ्राम स्ट्रीट्स टू स्टारडम में किया है। उन्होंने कहा कि साल 2023 आईपीएल सीजन के दौरान उन्हें अनौपचारिक रूप से प्रस्ताव मिले थे पर मैंने ठुकरा दिये थे। इस किताब में राशिद के हवाले से लिखा है, मुझे आस्ट्रेलिया और भारत दोनों से खेलने के प्रस्ताव मिले थे पर मैंने इससे इंकार करते हुए कहा था कि मैं किसी अन्य देश के लिए नहीं खेलूंगा उन्होंने कहा कि तब आईपीएल के दौरान ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक बड़े अधिकारी ने कहा था कि आपके देश अफगानिस्तान की हालत ठीक नहीं है अगर आप चाहें तो भारत में खेल सकते हैं। इससे में हैरान हो गया पर मैंने उन्हें साफ तौर पर मना कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने वतन अफगानिस्तान से बेहद प्यार करते हैं और उसके लिए पूरी तरह समर्पित हैं। उनके लिए, किसी अन्य देश का प्रतिनिधित्व करना उनके अपने देश के गौरव और पहचान से समझौता करने जैसा होता, जिसे वह कभी स्वीकार नहीं कर सकते थे।यह घटना राशिद के चरित्र और उनके मूल्यों को उजागर करती है।

अभिषेक शर्मा का शतक फिर ईशान मलिंगा की क्लास हैदराबाद ने 242 रन बनाकर यूं दिल्ली को हराया

हैदराबादः आईपीएल 2026 का 31वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आज यानी 21 अप्रैल को खेला गया। यह मैच होस्ट टीम सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने नाम कर लिया। हैदराबाद ने 47 रन से मैच जीता। बता दें कि 243 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स 20 ओवर में 9 विकेट पर 195 रन ही बना पाई।

अब सनराइजर्स हैदराबाद के 4 जीत के साथ 8 अंक हो गए हैं। वे पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर आ गए हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की छठे मुकाबले में यह तीसरी हार थी। दिल्ली हार के साथ पांचवें पायदान पर ही है।

सनराइजर्स हैदराबाद के बॉलिंग के दौरान उनके श्रीलंकाई तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा ने जबरदस्त ेंदबाजी की। उन्होंने अपने 4 ओवर में 32 रन देकर 4 बड़े विकेट लिए। मलिंगा ने नीतीश राणा, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और आशुतोष शर्मा को आउट किया। उनके अलावा हर्ष दुबे ने 3 विकेट लिए। 1-1 विकेट दिलशान मदुशंका और साकिब हुसैन को भी मिला।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए सर्वाधिक 57 रन नीतीश राणा ने बनाए। समीर रिजवी ने 41 रन की पारी खेली। केएल राहुल 37 रन बनाकर आउट हो गए। डेविड मिलर गोल्डन डक का शिकार हुए। ट्रिस्टन स्टब्स 27 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। कप्तान अक्षर पटेल 2 रन बनाकर आउट हुए। इम्पैक्ट खिलाड़ी आशुतोष शर्मा भी 14 रन बनाकर आउट हो गए थे।

पहली पारी में अभिषेक शर्मा ने ठोका था शतक

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने ताबड़तोड़ शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए सिर्फ 8.5 ओवर में 97 रन जोड़े। हेड 26 गेंदों का सामना करने के बाद 37 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 142 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 2 चौके और 2 छक्के लगाए। इसके बाद कप्तान ईशान किशन के रूप में अभिषेक को एक और बढ़िया जोड़ीदार मिला। अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए महज 35 गेंदों में 79 रन जोड़े। ईशान ने 13 गेंदों में 2 चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाए। हालांकि, एसआरएच के कप्तान रनआउट होकर पवेलियन लौटे। अभिषेक ने एक छोर संभाले रखा और तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों में अपना शतक पूरा किया।

अभिषेक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाए। 198 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए अभिषेक ने अपनी इस पारी में 10 चौके और 10 छक्के लगाए। वहीं, हेनरिक क्लासेन ने महज 13 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए। अभिषेक-क्लासेन ने तीसरे विकेट के लिए 32 गेंदों में 66 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। डीसी की तरफ से इकलौता विकेट अक्षर पटेल ने लिया।

गुजरात पर जीत से मुंबई इंडियंस ने लगायी तीन पायदान की छलांग सातवें नंबर पर पहुंची

अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस के खिलाफ मिली 99 रनों की जीत से मुंबई इंडियंस को आईपीएल 2026 की अंकतालिका में भी खास लाभ मिला है। इस जीत से मुंबई की टीम अंक तालिका में तीन स्थान ऊपर आकर सातवें नंबर पर पहुंच गई है। मुंबई के अब छह मैचों में 4 अंक हो गये हैं।

इस जीत से वह चेन्नई सुपर किंग्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स हैं से भी आगे हो गयी है। केकेआर के अब तक 7 मैचों में 3 अंक ही हैं, जबकि सीएसके और सुपर जायंट्स के भी मुम्बई के बराबरी ही 4-4 अंक हैं पर बेहतर नेट रन रेट के कारण मुंबई उनसे आगे है. वहीं गुजरात टाइटंस 6 अंक के साथ ही अंक तालिका में छठे स्थान पर है।

आरेंज कैप : हेनरिक क्लासेन

वहीं सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली आरेंज कैप की दौड़ में सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन छह मैचों में 283 रनों के साथ ही शीर्ष पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर गुजरात के कप्तान शुभमन गिल हैं। गिल ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 14 रन बनाए जिससे उनके पांच मैचों में कुल 265 रन हैं। आरसीबी के विराट कोहली 247 रन के साथ तीसरे जबकि राजस्थान रायल्स के वैभव सूर्यवंशी 246 रनों के साथ ही चौथे और आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार 230 रनों के साथ ही पांचवें नंबर पर हैं।

पर्पल कैप : अंशुल कम्बोज

सीएसके के तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक पर हैं। कम्बोज नेछह मैचों में 13 विकेट लिए हैं। गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा 12 विकेट के साथ ही दूसरे जबकि कसीगो रबाडा कुल 10 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं।

युवाओं के दम पर पंजाब किंग्स अब किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं : मार्गन

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मार्गन ने आईपीएल सत्र में पंजाब किंग्स टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि अब यह टीम अपने कप्तान या किसी एक एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं के प्रदर्शन पर निर्भर है। मार्गन ने कहा है पंजाब किंग्स का ये अंदाज काफी अनूठा है। टीम बहुत ही मजबूत स्थिति में पहुंच गई है जिसमें हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाना जानता है। टीम में इतनी गहराई है कि वह 230 से 240 रनों का लक्ष्य भी हासिल कर सकती है।। उन्होंने जोर दिया कि इससे प्रमुख खिलाड़ियों पर से अनावश्यक दबाव कम गया है। मार्गन ने आगे कहा, जब बाकि बल्लेबाजी इकाई अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, तो टीम पर से दबाव कम होता ही है। उन्होंने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की है उससे पता चलता है कि टीम में कितन आत्सविश्वास है। वह एक ऐसे खिलाड़ी के तौर पर सामने आते हैं जो साफ सोच रखते हैं और समय के साथ मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठा रहे हैं। टीम के कोच रिकी पोंटिंग ने जो रणनीति बनायी है सभी खिलाड़ी उसपर चल रहे हैं।

प्रीमियर लीग से वूल्वरहैम्प्टन वांडरर्स बाहर, वेस्ट हैम-क्रिस्टल पैलेस के ड्रा से तय हुई किस्मत

लंदन

इंग्लैंड की शीर्ष फुटबाल लीग प्रीमियर लीग में सोमवार को वेस्ट हैम यूनाइटेड और क्रिस्टल पैलेस के बीच गोलरहित ड्रा के बाद वूल्वरहैम्प्टन वांडरर्स (वूल्व्स) का रेलीगेशन तय हो गया।

वूल्व्स अब अंकतालिका में वेस्ट हैम यूनाइटेड से 16 अंक पीछे है और केवल पांच मैच शेष होने के कारण टीम का नीचे गिरना तय हो गया है। अब वूल्व्स अगले सीजन में ईएफएल चैम्पियनशिप में खेलती नजर आएगी।

नवंबर से कोच राब एडवर्ड्स के नेतृत्व में खेल रही वूल्व्स ने इस सीजन में 33 मैचों में सिर्फ तीन जीत दर्ज की।

हालांकि एस्टन विला और लिवरपूल के खिलाफ कुछ अहम जीत मिलीं, लेकिन टीम लंबे समय से रेलीगेशन के खतरे में थी। इसके साथ ही प्रीमियर लीग में उसका आठ साल का सफर समाप्त हो गया।

सीजन की शुरुआत में टीम के कोच रहे वीटोर परेरा को खराब प्रदर्शन के चलते नवंबर में हटा दिया गया। बाद में राब एडवर्ड्स को जिम्मेदारी दी गई, लेकिन वह टीम को बचा नहीं सके।

अंकतालिका में नीचे चल रही बर्नली अगर बुधवार को मैनचेस्टर सिटी से हारती है, तो उसका रेलीगेशन भी तय हो जाएगा।

अन्य टीमों की स्थिति

टोटेनहैम हाट्सपर ब्राइटन के खिलाफ 2-2 ड्रा के बाद भी रेलीगेशन जोन से बाहर नहीं निकल सका।

नाटिंघम फारेस्ट और लीड्स यूनाइटेड ने जीत दर्ज कर खुद को सुरक्षित स्थिति में पहुंचाया।

कोवेंट्री सिटी ने चैम्पियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल कर 25 साल बाद प्रीमियर लीग में वापसी सुनिश्चित कर ली है।

लारियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2026: कार्लोस अल्कराज़ और आर्यना सबालेंका बने साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

मैड्रिड

प्रतिष्ठित लारियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2026 में टेनिस खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज़ और बेलारूस की आर्यना सबालेंका को क्रमशः महिला और पुरूष वर्ग में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है। अल्कराज़ ने फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन जैसे दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीतकर वर्ष का अंत विश्व नंबर-1 के रूप में किया। वहीं सबालेंका ने पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। समारोह की मेजबानी नोवाक जोकोविच और एलीन गू ने की। लारियस अवार्ड्स की शुरुआत वर्ष 2000 में हुई थी और यह खेल जगत के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में गिना जाता है।

लारियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स 2026 के मुख्य विजेता

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ीः कार्लोस अल्काराज़

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ीः आर्यना सबालेंका

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीमः पेरिस सेंट जर्मेन

वर्ष का उभरता खिलाड़ीः लैंडो नारिस

वर्ष की सर्वश्रेष्ठ वापसीः रोरी मैकइलराय

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ीः लामिन यामाल

स्पोर्टिंग इंस्पिरेशन अवार्डः टोनी क्रोस।

(इंदौर) जूनियर टेनिस : ओजस, अद्विश, लावन्या और ईशा प्री-क्वार्टर फाइनल में

इंदौर। मध्य प्रदेश टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब पर आयोजित क्वींस कालेज आल इंडिया टैलेंट सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत की। बालक एवं बालिका 12 वर्ष आयु वर्ग के पहले दौर के मुकाबलों में जीत दर्ज कर प्रमुख खिलाड़ियों ने प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है। प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि क्वींस कालेज के निदेशक रमेश मूलचंदानी, इंदौर टेनिस क्लब के ट्रस्टी हेमंत पटवा, प्राचार्य गीता सोमशेखर और मध्य प्रदेश टेनिस संघ के संयुक्त सचिव अर्जुन धूपर के आतिथ्य में हुआ। अंडर-12 बालक एकल के मुकाबलों में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों का प्रदर्शन प्रभावी रहा। ओजस मिश्रा ने जियान दुर्रानी को और अद्विश भार्गव ने अर्जुन कचोलिया को सीधे सेटों में 6-0, 6-0 के अंतर से शिकस्त दी। गुजरात के सान्या अगरिया ने रियान सुराना को 6-2, 6-0 से हराया, वहीं विहान देवधरे ने अद्विक गोयल पर 6-1, 6-1 से जीत दर्ज की। अर्जुन बिंद्रा ने विहान कालानी को 6-3, 6-0 से पराजित किया। दिन का सबसे रोमांचक मुकाबला अयान संवत्सर और गुजरात के साबिर अग्रेरिया के बीच खेला गया, जिसमें अयान ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की और 4-6, 7-6(5), 6-2 से संघर्षपूर्ण जीत हासिल कर अगले दौर का टिकट पक्का किया। वहीं, अंडर-12 बालिका वर्ग में भी मध्य प्रदेश की प्रतिभाओं ने उत्कृष्ट खेल दिखाया। लावन्या शर्मा ने मान्यता कौशल को 6-0, 6-0 से करारी शिकस्त दी। प्रीशा शर्मा ने अनाया वाजपेयी को और वेदांशी खंडेलवाल ने वामिका शर्मा को एक समान अंतर 6-1, 6-1 से पराजित किया।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

स्कूटर यामाहा फासिनो 125 एफआई हाइब्रिड 2026 पेश

नई दिल्ली

जापानी वाहन निर्माता यामाहा मोटर कंपनी ने अपना नया हाइब्रिड स्कूटर यामाहा फासिनो 125 एफआई हाइब्रिड 2026 पेश किया है। कंपनी ने इसे विशेष रूप से उन उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया है, जो रोजमर्रा के उपयोग के लिए एक किफायती, आधुनिक और विश्वसनीय विकल्प की तलाश में हैं।

यह स्कूटर अपने पहले के संस्करणों के मुकाबले अधिक आकर्षक डिजाइन, उन्नत तकनीक और बेहतर ईंधन दक्षता के साथ बाजार में उतारा गया है। यामाहा फासिनो 125 एफआई हाइब्रिड 2026 के डिजाइन में इस बार व्यापक बदलाव किए गए हैं, जिससे यह स्कूटर पहले से ज्यादा आधुनिक और प्रीमियम दिखता है। इसके पिछले हिस्से को पूरी तरह से नया रूप दिया गया है, जिससे इसकी उपस्थिति और अधिक आकर्षक बन गई है। नई शैली की पिछली रोशनी और संकेतक इसे एक अलग पहचान देते हैं।

इसके अतिरिक्त, नए ग्राफिक्स और रंग संयोजन स्कूटर को ताजगी भरा और युवा वर्ग के अनुरूप बनाते हैं, जो इसे भीड़ में अलग दिखाने का काम करते हैं। इस स्कूटर में 125 घन सेंटीमीटर क्षमता का वायु-शीतित और ईंधन प्रवाह प्रणाली से लैस इंजन दिया गया है। यह इंजन हाइब्रिड तकनीक के साथ आता है, जिसमें एक विशेष मोटर जनरेटर प्रणाली जोड़ी गई है। यह प्रणाली वाहन को चालू करने और रोकने की स्वचालित व्यवस्था के साथ काम करती है, जिससे ईंधन की बचत होती है और चलाने का अनुभव अधिक सहज हो जाता है। कंपनी के अनुसार, यह स्कूटर लगभग 65 किलोमीटर प्रति लीटर तक का शानदार माइलेज देने में सक्षम है, जो इसे दैनिक उपयोग के लिए बेहद किफायती बनाता है।

यामाहा फासिनो 125 एफआई हाइब्रिड 2026 में कई उपयोगी सुविधाएं भी दी गई हैं, जो इसे सुरक्षित और सुविधाजनक बनाती हैं। इसमें साइड स्टैंड इंजन कट-आफ जैसी सुरक्षा सुविधा शामिल है, जो दुर्घटनाओं को रोकने में मदद करती है। इसके अलावा, इसमें 21 लीटर क्षमता का अंडर-सीट स्टोरेज दिया गया है, जिसमें हेलमेट या अन्य जरूरी सामान आसानी से रखे जा सकते हैं। यह स्कूटर ई20 ईंधन के अनुकूल भी है, जो भविष्य के पर्यावरणीय मानकों को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण विशेषता मानी जा रही है। यामाहा मोटर कंपनी ने इस स्कूटर को तीन अलग-अलग वेरिएंट्स में पेश किया है, जिससे ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार विकल्प चुन सकते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

आरबीआई ने रुपए के ट्रेड पर लगी पाबंदियां हटाईं, अब फारेक्स डीलर्स एनडीएफ मार्केट में पोजीशन ले सकेंगे

मुंबई। रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने 20 अप्रैल को रुपए की अस्थिरता को रोकने के लिए विदेशी मुद्रा डीलरों (फारेक्स डीलर्स) पर लगाए गए कुछ प्रतिबंधों को वापस ले लिया है। अब डीलर्स आफशोर नान-डेलिवरेबल फारवर्ड मार्केट (एनडीएफ) में फिर से पोजीशन ले सकेंगे। आरबीआई के यह कदम उठाने से कुछ दिन पहले ही गवर्नर संजय मल्होत्रा ने संकेत दिया था कि ये पाबंदियां अनिश्चित काल के लिए लागू नहीं रहेंगी। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि अधिकृत डीलरों (आथोराइज्ड डीलर्स) को अब रेजिडेंट या नान-रेजिडेंट यूजर्स को रुपए से जुड़े नान-डेलिवरेबल डेरिवेटिव कान्ट्रैक्ट्स आफर करने से रोकने की जरूरत नहीं होगी। कान्ट्रैक्ट रीबुक करने की भी अनुमति मिली नए नियमों के अनुसार, बैंक अब यूजर्स को रुपए से जुड़े किसी भी फारेन एक्सचेंज डेरिवेटिव कान्ट्रैक्ट को रीबुक करने की अनुमति भी दे सकते हैं। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। हालांकि, आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि अधिकृत डीलरों को संबंधित पक्षों के साथ रुपए में फारेन एक्सचेंज डेरिवेटिव कान्ट्रैक्ट करने की अनुमति नहीं होगी। रिलेटेड पार्टीज के मामले में छूट केवल मौजूदा कान्ट्रैक्ट्स को रद्द करने या रोलओवर करने और नान-रिलेटेड, नान-रेजिडेंट यूजर्स के साथ किए गए बैक-टू-बैक ट्रांजेक्शन तक ही सीमित है। इसके साथ ही, बैंकों को प्रत्येक कारोबारी दिन के अंत में आनशोर डेलिवरेबल रुपए मार्केट में अपनी नेट ओपन पोजीशन को 10 करोड़ डालर (100 मिलियन डालर) तक सीमित रखना होगा।

एयू बैंक ने कंपनी सेक्रेटरीज़ के लिए पेश किया रायल बैंकिंग प्रोग्राम

मुंबई। एयू स्माल फाइनेंस बैंक ने अपने 31वें स्थापना दिवस को यादगार बनाते हुए देश के कंपनी सेक्रेटरीज़ के लिए विशेष एयू रायल बैंकिंग प्रोग्राम का शुभारंभ किया है। इसे भारत का पहला प्रोफेशन-फर्स्ट प्रीमियम बैंकिंग इकोसिस्टम माना जा रहा है जो विशेष रूप से कारपोरेट गवर्नेंस प्रोफेशनल्स की वितीय जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है। यह पहल बैंक और इंस्टीट्यूट आफ कंपनी सेक्रेटरीज़ आफ इंडिया के बीच हुए उस समझौते का परिणाम है जिसका उद्देश्य सीएस प्रोफेशनल्स को प्राथमिकता के आधार पर अनुकूलित सेवाएं देना है। इस कार्यक्रम के तहत कंपनी सेक्रेटरीज़ को विशेष करंट और सेविंग्स अकाउंट की सुविधा दी गई है जिसमें न्यूनतम बैलेंस रखने की अनिवार्यता नहीं होगी। बैंक ने उनके पेशेवर खर्चों को ध्यान में रखते हुए एक विशेष एयू सीएस क्रेडिट कार्ड भी पेश किया है जो पूरी तरह लाइफटाइम फ्री है और वार्षिक मेंबरशिप नवीनीकरण व टैक्स भुगतान जैसे कार्यों पर विशेष छूट प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त पात्र सदस्यों को आकर्षक ब्याज दरों पर बिना किसी परेशानी के 15 लाख रुपये तक के पर्सनल लोन की सुविधा भी मिल सकेगी। लान्च के अवसर पर बैंक के डिप्टी सीईओ उत्तम त्रिवेदी ने बताया कि कंपनी सेक्रेटरीज़ देश के नियामकीय ढांचे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और यह प्रोग्राम उनके प्रति बैंक के सम्मान और भरोसे का प्रतीक है।

स्कोडा कोडियाक की खरीदी पर मिल रही आकर्षक छूट

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी स्कोडा आटो अपनी प्रीमियम एसयूवी स्कोडा कोडियाक पर चालू महीने में आकर्षक छूट प्रदान कर रही है। कंपनी अपनी इस गाड़ी पर कुल रुपये 3.50 लाख तक का लाभ दे रही है। स्कोडा आटो द्वारा वर्ष 2025 माडल की कोडियाक पर रुपये 2 लाख तक की सीधी नकद छूट दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, ग्राहक रुपये 50,000 तक का एक्सचेंज बोनस और रुपये 1 लाख तक के अन्य विशेष लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे कुल बचत रुपये 3.50 लाख तक पहुंच जाती है। वहीं, नए वर्ष 2026 माडल पर भी विभिन्न लाभों को मिलाकर लगभग रुपये 50,000 तक की छूट उपलब्ध है। स्कोडा कोडियाक की कीमत भारतीय बाजार में लगभग रुपए 39.99 लाख से शुरू होकर रुपये 46.49 लाख तक जाती है, जो इसे प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनाती है। इस एसयूवी में 2.0 लीटर का चार-सिलेंडर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो लगभग 201 ब्रेक हार्स पावर की शक्ति और 320 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करता है।

यह इंजन सात-गति स्वचालित गियर प्रणाली और चारों पहियों को शक्ति देने वाली प्रणाली (आल-व्हील ड्राइव) से जुड़ा है, जिससे यह वाहन हर प्रकार के रास्तों पर शानदार और संतुलित प्रदर्शन करता है। नए संस्करण में इस एसयूवी की लंबाई बढ़ाई गई है, जिससे केबिन में बैठने वालों को अतिरिक्त स्थान और आरामदायक अनुभव मिलता है, विशेष रूप से दूसरी और तीसरी पंक्ति के यात्रियों के लिए लंबी यात्राएं अधिक सुखद हो जाती हैं। आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस, कोडियाक में एक बड़ा स्पर्श-आधारित सूचना-मनोरंजन तंत्र, डिजिटल चालक प्रदर्शन स्क्रीन, तीन-क्षेत्रीय तापमान नियंत्रण और चारों ओर देखने की सुविधा देने वाला कैमरा शामिल है। उच्च संस्करणों में आगे की सीटों पर गर्माहट, ठंडक, मालिश और मेमोरी जैसी उन्नत सुविधाएं भी मिलती हैं। डिजाइन के मामले में, यह एसयूवी नई शैली की एलईडी लाइट्स, मजबूत छत रेल, आकर्षक ग्रिल और बड़े पहियों के साथ अधिक आधुनिक और आकर्षक नजर आती है, जो इसे सड़क पर एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती है।

जल्द लान्च होगी किआ की नई हाइब्रिड एसयूवी सोरेंटो

नई दिल्ली। हाल ही में किआ मोटर्स की नई प्रीमियम थ्री-रो एसयूवी, सोरेंटो हाइब्रिड दमदार 7-सीटर एसयूवी को दिल्ली के पास टेस्टिंग के दौरान पहली बार देखा गया है। बाजार में इसका सीधा मुकाबला टोयोटा फार्च्यूनर और स्कोडा कोडियाक जैसी स्थापित गाड़ियों से होगा। जानकारी के अनुसार, इस एसयूवी को साल 2026 तक लान्च किए जाने की उम्मीद है, जो प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा देगी। सोरेंटो के लुक और डिजाइन की बात करें तो यह काफी लंबी और चौड़ी नजर आती है। लीक हुई तस्वीरों से पता चलता है कि यह लगभग 4.8 मीटर लंबी होगी, जो इसे एक प्रभावशाली रोड प्रेजेंस देगी। इसका डिजाइन काफी हद तक किया की ग्लोबल डिजाइन लैंग्वेज पर आधारित है, जिसमें वर्टिकल हेडलैंप्स और अपराइट सिल्हूट मिलता है। ग्लोबल मार्केट में इस एसयूवी की चौड़ाई 1,900 मिलीमीटर और ऊंचाई 1,700 मिलीमीटर है, जबकि इसका व्हीलबेस 2,815 मिलीमीटर का है। बड़े 19-इंच के अलाय व्हील्स इसकी प्रीमियम अपील को और ज्यादा बढ़ाते हैं। गाड़ी के पिछले हिस्से में भी वर्टिकल टेललाइट्स दी गई हैं, जो इसके आधुनिक डिजाइन को पूरा करती हैं। यह एसयूवी किया के पोर्टफोलियो में सेल्टोस और कैरेंस से ऊपर फिट होगी, जो इसे कंपनी की सबसे प्रीमियम पेशकशों में से एक बनाएगी। हालांकि, टेस्टिंग के दौरान इसके इंटीरियर की झलक नहीं मिल पाई है, लेकिन उम्मीद है कि इसमें एक बड़ा पैनोरमिक सनरूफ, एडवांस टचस्क्रीन सिस्टम और प्रीमियम मटीरियल वाला आरामदायक केबिन देखने को मिलेगा। और भारतीय बाजार के मुकाबले को देखते हुए, किया सोरेंटो की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत करीब 30 लाख रुपये के आसपास रह सकती है, जो इसे सीधे अपने प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला करने में सक्षम बनाएगी।

मार्च 2026 में होंडा एक्टिवा ने फिर हासिल की टाप पोजिशन

नई दिल्ली

मार्च 2026 में होंडा एक्टिवा ने एक बार फिर टाप पोजिशन हासिल कर लिया है। भारतीय दोपहिया बाजार में स्कूटरों की मांग लगातार बढ़ रही है। मार्च महीने में होंडा एक्टिवा को कुल 2,59,670 नए ग्राहक मिले, जो इसकी बेजोड़ लोकप्रियता को दर्शाता है। इस दौरान सालाना आधार पर एक्टिवा की बिक्री में 36.86 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 1,89,735 यूनिट्स था। यह वृद्धि स्कूटर सेगमेंट में एक्टिवा के मजबूत पकड़ की पुष्टि करती है। बिक्री की इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर टीवीएस जुपिटर ने अपनी जगह पक्की की है। जुपिटर ने मार्च 2026 में 17.89 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 1,24,771 यूनिट्स की बिक्री की। वहीं, तीसरे नंबर पर सुजुकी एक्सेस रहा, जिसने इस दौरान 9.49 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 72,658 यूनिट्स की सेल दर्ज की। ये दोनों ही स्कूटर्स अपनी माइलेज और आरामदायक सवारी के लिए भारतीय मार्केट में खूब पापुलर हैं। इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। टीवीएस आईक्यूब ने बिक्री की इस लिस्ट में चौथे नंबर पर अपनी धाक जमाई है। टीवीएस आईक्यूब ने इस दौरान 46.26 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 38,757 यूनिट्स स्कूटर की बिक्री की। इसी तरह, पांचवें नंबर पर बजाज चेतक रहा, जिसने इस दौरान 18.75 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 34,416 यूनिट्स की बिक्री की। इन दोनों इलेक्ट्रिक ब्रांड्स के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। बिक्री की इस लिस्ट में छठे नंबर पर युवाओं की पहली पसंद टीवीएस एनटार्क रही, जिसने इस दौरान 48.52 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 32,598 यूनिट्स स्कूटर की बिक्री की। वहीं, सातवें नंबर पर रहकर होंडा डियो ने सबको हैरान कर दिया। डियो ने इस दौरान 85.25 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 31,180 यूनिट्स स्कूटर की बिक्री की, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। बिक्री की इस लिस्ट के आखिरी दो पायदानों पर यामाहा रे-जेडआर और हीरो डेस्टिनी ने कब्जा किया।

क्रिप्टो करेंसी के 2700 करोड़ के टोकन चोरी

बंगलुरु। भारत में 2026 की सबसे बड़ी क्रिप्टो चोरी सामने आई है, जहां हैकर्स ने एक प्लेटफार्म के लेयर में सेंध लगाकर करीब 1.16 लाख (आरएस ईटीएच) टोकन चुरा लिए, जिनकी कीमत लगभग 2,700 करोड़ रुपये आंकी गई है। हमले के बाद प्लेटफार्म ने कान्ट्रैक्ट फ्रीज कर आगे की चोरी रोकी। इस घटना से कई ब्लाकचेन नेटवर्क पर जोखिम बढ़ा है। दूसरी ओर, पश्चिम एशिया में तनाव और हार्मुज जलमार्ग बंद होने की आशंका से बाजार दबाव में है। बिटकाइन करीब 2 प्रतिशत गिरकर 75,064 डालर पर आ गया, हालांकि निवेशकों का भरोसा बना हुआ है।

सर्राफा बाजार में फिसला सोना चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में लगातार दूसरे दिन कमजोरी नजर आ रही है। वहीं चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,42,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी सोमवार के भाव यानी 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,430 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,55,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

युद्ध...

चालक दल को बंधक बनाना इससे भी बड़ा उल्लंघन है। ईरान जानता है कि प्रतिबंधों को कैसे निष्प्रभावी किया जाए, अपने हितों की रक्षा कैसे की जाए और दबाव या धमकियों का सामना कैसे किया जाए। इससे पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने अमेरिका और ईरान से अनुरोध किया था कि सीजफायर को 14 दिनों के लिए और बढ़ाने पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि डिप्लोमेसी और बातचीत को एक और मौका दिया जाना चाहिए। ट्रंप ने साफ कर दिया कि वो सीजफायर को आगे नहीं बढ़ाएंगे। वहीं, ईरान भी फिर से युद्ध की तैयारी किए बैठा है। लेकिन सवाल यह है कि पहले दौर की बातचीत के बाद आखिर ईरान दूसरे दौर की बातचीत को लेकर हामी क्यों नहीं भर रहा।

भारत तक...

ईरान के खिलाफ अमेरिका की जंग में यह नवीनतम कदम है, जिसके तहत तेहरान से जुड़े किसी भी जहाज या उन जहाजों को रोका जा रहा है जिन पर तेहरान सरकार की मदद करने वाली सामग्री, जैसे हथियार, तेल, धातु और इलेक्ट्रॉनिक्स ले जाने का संदेह है। यह घोषणा अमेरिका और ईरान के बीच पहले से जारी नाजुक युद्धविराम की समाप्ति से कुछ घंटे पहले आई है। फिलहाल वाशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत कराने की कोशिश पाकिस्तान कर रहा है। पेंटागन ने टिफानी को देशविहीन बताया, हालांकि इस पर बोत्सवाना का ध्वज लगा है। घोषणा में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि मंगलवार को जहाज पर कहां और किस समय धावा बोला गया। घोषणा के अनुसार यह घटना रात में घटित हुई। सेना ने उन वस्तुओं की एक विस्तृत सूची भी जारी की जिन्हें वह अवैध मानती है और घोषणा की कि वह व्यापारिक जहाजों पर स्थान की परवाह किए बिना उनकी तलाशी लेगी और उन्हें जब्त कर लेगी।

हठताल...

उन्होंने कहा कि हर कर्मचारी का कर्तव्य है कि वह सार्वजनिक सेवाओं में बाधा न आने दे, विशेषकर दैनिक वेतन भोगियों और आम जनता के लिए जो पूरी तरह से आरटीसी पर निर्भर हैं। हालांकि, जेएसी नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि वे किसी भी दबाव में नहीं झुकेंगे और जब तक ठोस गारंटी नहीं मिलती, हड़ताल खत्म करने का सवाल ही नहीं उठता।

बिस्तर से ...

महिलाओं के शोषण की संस्कृति जड़ पकड़ चुकी है।

भाजपा ने पप्पू यादव से माफी मांगने की मांग करते हुए उनके बयान को चौंकाने वाला बताया है। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि चौंकाने वाला बयान! जब पूरा देश नारी शक्ति आंदोलन चला रहा था, तब देखिए कांग्रेस समर्थित सांसद क्या कह रहे हैं। सांसद पप्पू यादव का महिलाओं पर विवादित बयान सामने आया है।

उन्होंने कहा कि 90% महिलाएं किसी नेता के कमरे में जाए बिना राजनीति नहीं कर सकतीं। यही उनकी मानसिकता है।

बिहार महिला आयोग ने लिया स्वत: संज्ञान, मांगा स्पष्टीकरण

इस टिप्पणी का संज्ञान लेते हुए बिहार राज्य महिला आयोग ने नेता से स्पष्टीकरण मांगा है। आयोग ने एक बयान में कहा कि इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए बिहार राज्य महिला आयोग आपसे स्पष्टीकरण चाहता है कि आपने ऐसा आपत्तिजनक बयान क्यों दिया।

आयोग यह भी पूछता है कि आपकी सदस्यता रद्द करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को सिफारिश क्यों नहीं की जानी चाहिए।

मोदी आतंकवादी...

खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी विरोधियों को आतंकित करते हैं क्योंकि केंद्रीय एजेंसियां भाजपा के साथ मिलीभगत करके काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं यह स्पष्ट करना चाहता था कि प्रधानमंत्री मोदी हमेशा हमें धमकाते हैं। मैंने आपको बताया था कि आयकर विभाग, ईडी और अन्य संस्थाएं उनके नियंत्रण में हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं। वह हमें डरा रहे हैं।प्रधानमंत्री मोदी पर अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि वह (प्रधानमंत्री मोदी) जनता और राजनीतिक दलों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं... मेरा मतलब यह है, और मैं स्पष्ट करना चाहता हूं, कि मोदी हमेशा धमकी देते हैं। ईडी, आयकर और सीबीआई जैसी संस्थाएं उनके नियंत्रण में हैं। वह परिसीमन को भी अपने हाथ में लेना चाहते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 8 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 22 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मुनिश्री दीप कुमारजी का हैदराबाद में प्रवेश, स्वागत समारोह एवं 'तेरापंथ-मेरापंथ' कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हैबिटेट एलीट, कवाडीगुड़ा में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमार ठाणा-2 के हैदराबाद नगर प्रवेश के उपलक्ष्य में तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल की बहनों द्वारा मंगलाचरण से हुआ। तत्पश्चात सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष श्री सुशील संचेती, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष श्री राहुल गोलछा, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र घोसल, महिला मंडल की उपाध्यक्ष श्रीमती संगीता गोलछा तथा अणुव्रत समिति के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र बोथरा ने मुनिश्री के स्वागत में अपने भाव व्यक्त किए। कवाडीगुड़ा की बहनों द्वारा स्वागत गीतिका एवं ज्ञानशाला के बच्चों द्वारा रोचक प्रस्तुतियां दी गईं।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि संत जब आते हैं तो अपने साथ संयम, साधना और संस्कारों की गंगा लेकर आते हैं। उन्होंने कहा, हम हैदराबाद में गुरु आज्ञा से आए हैं। यहां की श्रद्धा, भक्ति और प्रेम देखकर मन आल्हादित है। हम श्रावक समाज की सार-संभाल और आत्म-साधना को सुदृढ़ करने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने तेरापंथ की विशेषता बताते हुए कहा कि एक गुरु की अनुशासना में संपूर्ण धर्मसंघ गतिमान है और साधकों को आत्मा तथा गुरु दोनों केंद्रों की आराधना करनी चाहिए।

इस अवसर पर जैन श्वेतांबर तेरापंथ महासभा के तत्वावधान में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा तेरापंथ-मेरा पंथ विषय पर प्रेरणादायी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता सूरत से समागत उपासक एवं प्रशिक्षक श्री राहुल खोखावत ने अपनी प्रभावशाली शैली में आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में तेरापंथ के सिद्धांत, मान्यताएं, मर्यादा तथा दान, दया, पुण्य, पाप, संवर, निर्जरा आदि विषयों पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न प्रसंगों और रोचक दृष्टांतों के माध्यम से विषय को सरल रूप में प्रस्तुत किया।

मुनि श्री काव्य कुमारजी ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु महाश्रमण के आशीर्वाद, मुनिश्री दीप कुमारजी के श्रम एवं हैदराबाद श्रावक समाज की जागरूक सेवा से यह पावन अवसर संभव हुआ है। उन्होंने समाज में सौहार्द और सहयोग की भावना निरंतर बढ़ाने का आह्वान किया।

सभा द्वारा श्री राहुल खोखावत का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री लक्ष्मीपत बैद ने किया तथा आभार ज्ञापन मंत्री श्री हेमंत संचेती ने व्यक्त किया।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद टीम का जयपुर एपेक्स सेंटर दौरा

चल रहे प्रोजेक्ट्स पर हुई सार्थक चर्चा, टीम का किया गया सम्मान

हैदराबाद/जयपुर, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
महावीर इंटरनेशनल – हैदराबाद की टीम ने हाल ही में महावीर इंटरनेशनल एपेक्स सेंटर, जयपुर का दौरा किया। यह दौरा चेयरमैन वीर विनोद संचेती (गवर्निंग काउंसिल) एवं वीर अशोक खीचा के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

दौरे के दौरान टीम का स्वागत एपेक्स सीईओ श्री अशोक गुप्ता, सुश्री उषा कपूर एवं एपेक्स ऑफिस के अन्य सहयोगियों द्वारा अत्यंत गर्मजोशी से किया गया। टीम ने सभी के आतिथ्य और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।एपेक्स टीम के सदस्यों में सीईओ श्री अशोक गुप्ता, सुश्री उषा कपूर, श्री प्रकाश पालीवाल, श्री विपिन सैनी, श्री राहुल पंचाल, सुश्री महक अग्रवाल एवं श्री नकुल स्वामी शामिल रहे। दौरे के दौरान विभिन्न चल रहे एवं आगामी प्रोजेक्ट्स पर सार्थक चर्चा की गई।साथ ही, हैदराबाद के सदस्यों के लिए 20 लेपल पिन भी खरीदे गए, जिन्हें इच्छुक सदस्यों को उपलब्ध कराया जाएगा।टीम ने अपने हाल के प्रोजेक्ट्स की जानकारी भी साझा की, जिनमें कॉटन बैग्स का वितरण, लाइफ सेविंग किट्स का वितरण तथा पार्कों में चख बेंचेस की स्थापना शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, इन प्रोजेक्ट्स को सेंटर स्तर पर और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर हैदराबाद टीम के सदस्यों को शॉल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया।

अखातीज पर 'अमृतधारा' सेवा 1400 राहगीरों को पिलाया गन्ने का रस

सेवा परमो धर्म संस्था का शुभारंभ, सेवा कार्य से की शुरुआत

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अक्षय तृतीया (आखातीज) के पावन पर्व पर नवगठित 'सेवा परमो धर्म' संस्था द्वारा सेवा के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल की गई। संस्था के उद्घाटन के साथ ही प्रथम सेवा कार्यक्रम 'अमृतधारा' का भव्य आयोजन दोपहर 1:00 बजे सिकंदराबाद स्थित बाटा सर्कल, नाकोड़ा ज्वैलर्स के सामने किया गया।

इस विशेष कार्यक्रम के मुख्य लाभार्थी संस्था के सदस्य शीतल जैन, माया सेन, संतोष देवी एवं पूनम मुनोत रहे। इन सभी सदस्यों ने अपनी शादी की सालगिरह के उपलक्ष्य में इस पुण्य कार्य का आयोजन किया गया और समाज सेवा के साथ अपना विशेष दिन को मनाया।

भीषण गर्मी को देखते हुए आयोजित इस शिविर में लगभग 1400 राहगीरों को गन्ने का ठंडा रस पिलाया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के सभी सदस्य निर्धारित ड्रेस कोड के अनुसार लाल रंग की साड़ी में उपस्थित रहे, जो एकता और सेवा के उत्साह का प्रतीक बनी।कार्यक्रम के सफल समापन पर सभी लाभार्थियों और उपस्थित जनों ने हर्ष व्यक्त किया। अंत में संस्था सदस्य शीतल जैन ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा कार्यों को जारी रखने का संकल्प दोहराया।

आरटीसी हड़ताल पर तेलंगाना सरकार तुरंत हस्तक्षेप करे: जेएसी अध्यक्ष

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीए-सआरटीसी) की संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के अध्यक्ष ईदुरू वेंकन्ना ने मंगलवार को आरोप लगाया कि हड़ताल का नोटिस दिए जाने के 41 दिन बाद भी राज्य सरकार चल रही आरटीसी हड़ताल पर कोई प्रतिक्रिया देने में विफल रही है। श्री वेंकन्ना ने मीडिया से बात करते हुए चिंता जताई कि न तो सरकार और न ही आरटीसी प्रबंधन ने कर्मचारियों के साथ बातचीत की कोई पहल की है। उन्होंने कहा कि विभिन्न नागरिक समाज संगठनों और आरटीसी कार्यकर्ता समूहों ने इस हड़ताल को अपना समर्थन दिया है। अध्यक्ष ने आरटीसी का सरकार में विलय करने की दिशा में कदम न उठाने और मान्यता प्राप्त कर्मचारी संघ के चुनाव आयोजित न करने के लिए अधिकारियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि इलेक्ट्रिक बसें शुरू करने के बहाने आरटीसी की संपत्तियों का निजीकरण करने और हैदराबाद में आरटीसी की मौजूदगी को धीरे-धीरे कम करने की कोशिशें की जा रही हैं।

गौ सेवा के साथ मानव सेवा में भी मिसाल कायम कर रहा है राधे-राधे ग्रुप : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का अत्यंत भव्य एवं सेवा भाव से ओत-प्रोत आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर सेवा, समर्पण और मानवता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जहां हर सदस्य पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ सेवा कार्य में जुटा नजर आया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज केवल एक संगठन नहीं बल्कि एक परिवार बन चुका है, जो निरंतर सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि गौ सेवा के साथ-साथ मानव सेवा करना अत्यंत पुण्य का कार्य है और राधे-राधे ग्रुप दोनों क्षेत्रों में निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे सेवा कार्य न केवल जरूरतमंदों के जीवन में राहत प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को भी मजबूत करते हैं।

महेश अग्रवाल ने आगे कहा कि आज के समय में जब समाज में स्वार्थ की भावना बढ़ रही है, ऐसे में राधे-राधे ग्रुप जैसे संगठन निस्वार्थ सेवा का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

उन्होंने सभी सदस्यों के समर्पण और नियमित सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्य वास्तव में अनुकरणीय है और समाज के अन्य लोगों को भी इससे प्रेरणा लेकर सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने पूरे मनोयोग से सेवा कार्यों में भाग लिया और जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक सहयोग प्रदान किया। सेवा के इस पुनीत कार्य में उपस्थित प्रत्येक सदस्य के चेहरे पर संतोष और आत्मिक शांति का भाव स्पष्ट रूप से झलक रहा था।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, महेश गोयल, अर्चना शास्त्री, रेनू शर्मा, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, मीना अग्रवाल आदि गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर द्वारा राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस आयोजित

लोकतंत्र का 5वां स्तंभ थीम पर चर्चा

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):
पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई), हैदराबाद चैप्टर ने आज प्रेस क्लब, सोमाजीगुडा में जनसंपर्क – लोकतंत्र का 5वां स्तंभ विषय पर राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश माननीया न्यायमूर्ति श्रीमती टी. रजनी उपस्थित रहीं।

सभा को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति रजनी ने कहा कि एक जीवंत लोकतंत्र में, जिम्मेदार और नैतिक संचार संस्थानों और नागरिकों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि जब जनसंपर्क ईमानदारी के साथ किया जाता है, तो यह पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करता है, जिससे यह 'लोकतंत्र का 5वां स्तंभ' कहलाने के योग्य बन जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक नागरिक लोकतंत्र का एक स्तंभ है। न्यायपालिका की अपनी सीमाएं हैं और न्यायाधीश न्याय देते समय आम तौर पर संवैधानिक भावना और अंतरात्मा के अनुसार चलते हैं।

पुलिस और मीडिया के बीच संचार और सहयोग पर जोर

विशिष्ट अतिथि के रूप में हैदराबाद के सहायक पुलिस आयुक्त श्री संजय कुमार, आईपीएस और वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार एवं मीडिया शिक्षक श्रीमती सी. वनजा ने भाग लिया। श्री संजय कुमार ने रेखांकित किया कि प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा समय पर, तथ्यात्मक और सहानुभूतिपूर्ण संचार सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से संकट और कानून-व्यवस्था की स्थितियों के दौरान। उन्होंने नीति को जन-समझ में बदलने में पीआर पेशेवरों की भूमिका की सराहना की।

वहीं, श्रीमती सी. वनजा ने जोर दिया कि सूचनाओं की अधिकता के इस युग में, पीआर पेशेवरों और पत्रकारों की यह संयुक्त जिम्मेदारी है कि वे सत्य को बनाए रखें, तथ्यों को सत्यापित करें और गलत सूचनाओं का मुकाबला करें। उन्होंने लोकतांत्रिक चर्चा की रक्षा के लिए मीडिया और पीआर बिरादरी के बीच नैतिक तालमेल का आह्वान किया।

पीआरएसआई का राष्ट्रीय अभियान और पेशेवर मानक

पब्लिक रिलेशंस वॉयस के संपादक वाई. बाबूजी ने कहा कि पीआरएसआई संचार में पेशेवर मानकों और नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने युवाओं से पीआर को केवल एक करियर के रूप में नहीं बल्कि समाज और लोकतंत्र के प्रति जिम्मेदारी के रूप में देखने का आग्रह किया। पीआरए-सआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दक्षिण) यू.एस. शर्मा ने इस दिन के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अजीत पाठक के आह्वान पर देश भर के सभी चैप्टर इस विषय पर विचार-विमर्श कर रहे हैं।

हैदराबाद चैप्टर की सक्रिय भागीदारी

इससे पहले, पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. यादगिरी कंभमपाटी ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का 5वां स्तंभ विषय को विश्वसनीय संचार के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की पेशे की भूमिका की पुष्टि करने के लिए चुना गया था। कार्यक्रम में प्रतिष्ठित पीआर पेशेवरों, कॉर्पोरेट संचारकों, मीडिया प्रतिनिधियों और पत्रकारिता के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अंत में, चैप्टर सचिव श्री राजेश कल्याण ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। उन्होंने कार्यक्रम को सार्थक बनाने के लिए सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। बता दें कि 1958 में स्थापित पीआरएसआई भारत में पीआर पेशेवरों की सर्वोच्च संस्था है और राष्ट्र निर्माण में पीआर के योगदान को चिह्नित करने के लिए हर साल 21 अप्रैल को राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस मनाती है।

'हिंदू सम्मेलन' 25 अप्रैल को

आरएसएस विष्णु शाखा की पहल, एकता व सांस्कृतिक गौरव पर होगा मंथन

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विष्णु शाखा – गनफाउंड्री द्वारा शनिवार, 25 अप्रैल 2026 को शाम 5:00 बजे से 'हिंदू सम्मेलन' का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम अनुज टावर्स के पास, झंडा गनफाउंड्री, अबीड्स, हैदराबाद में होगा। यह सम्मेलन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में एकता और राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जा रहा है। यह शाम भक्ति, एकता और हमारी समृद्ध परंपराओं के उत्सव से भरी होगी। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में एर्रा नरसिंग जी – तेलंगाना प्रांत सह-सरकार्यवाह, आरएसएस उपस्थित रहेंगे, साथ ही जानकी व्यास जी – भाग्यनगर संभाग प्रचारिका, राष्ट्र सेविका समिति (भारत का सबसे बड़ा महिला स्वयंसेवी संगठन) भी शामिल होंगी। सम्मेलन में सामाजिक सद्भाव, एकता और आरएसएस नेतृत्व द्वारा सुझाए गए पंच परिवर्तन योजना के माध्यम से समाज में सामाजिक समरसता और अधिक सहभागितापूर्ण तथा राष्ट्र केंद्रित वातावरण बनाने पर चर्चा होगी। सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे और अंत में सामूहिक भोज का आयोजन किया जाएगा।

परिषा गोविंद राजू, सह शारीरिक प्रमुख – गौलीगुड़ा नगर ने बताया, इस सभा का उद्देश्य हिंदू समाज को एकजुट करना, आपसी संबंध मजबूत करना और मिलजुल कर रहने का संदेश फैलाना है।सभी लोगों से आग्रह है कि इस आध्यात्मिक और सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लें और सामाजिक एकता व सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करें।

एनआईआईएमएच द्वारा 'पोषण पखवाड़ा' के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बच्चों के मस्तिष्क विकास पर दिया गया विशेष जोर

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तहत 8वां राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2026, 9 अप्रैल से 23 अप्रैल, 2026 तक भव्य तरीके से मनाया जा रहा है। डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक के मार्गदर्शन में 21-04-2026 को सरकारी प्राथमिक विद्यालय, मुशीराबाद में छोटे बच्चों में मस्तिष्क के विकास पर विशेष ध्यान विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस वर्ष के पोषण पखवाड़ा का मुख्य विषय जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना है। वैज्ञानिक रूप से सिद्ध होने के साथ कि मानव मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह वर्ष की आयु से पहले होता है, इस कार्यक्रम का उद्देश्य आयुर्वेद और प्राचीन भारतीय चिकित्सा ज्ञान को मिलाकर बच्चों के स्वास्थ्य का मार्ग प्रशस्त करना है।

डॉ. अक्षय ने माता-पिता और शिक्षकों को मातृ पोषण, सक्रिय खेल और बचपन के विकास को बढ़ावा देने के लिए स्क्रीन समय को कम करने की आवश्यकता, बच्चों के बीच डिजिटल उपयोग को कम करने और विकासात्मक देरी को रोकने के लिए जिम्मेदार देखभाल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के बारे में समझाया। उन्होंने माता-पिता को सलाह दी कि बच्चों के बीच सेल फोन और टीवी के उपयोग को कैसे कम किया जा सकता है और शारीरिक खेलों एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बुद्धि विकसित की जा सकती है।

हमारे प्राचीन चिकित्सा ग्रंथों में पौष्टिक बाजरा और स्थानीय खाद्य पदार्थों के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। अंत में, छात्रों को मासिक धर्म, मधुमेह, भोजन पर-ोसना, दिनचर्या आयुर्वेद पैम्फलेट, ब्रोशर, बिस्किट और मूंगफली की चिक्की वितरित की गई।

इस कार्यक्रम का नेतृत्व सहायक निदेशक डॉ. गोविंद रेड्डी ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ. ज्ञानश्री, के. श्रीनिवास राव (ग्रंथ प्रशासक), प्रधानाध्यापिका मेहदीभानु, पद्मजा, नरसरजू और कर्मचारियों ने भाग लिया।

ब्रिटेन से निर्वासन का नोटिस और गिरफ्तारी की धमकी

एयर इंडिया हादसे में परिवार खोने वाले भारतीय को ब्रिटेन में रहने से रोका

लंदन/ नयी दिल्ली, 21 अप्रैल (एजेंसियां)। साल 2025 में हुए अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसे में अपनी पत्नी और दो साल की मासूम बेटी को खोने वाले एक भारतीय को ब्रिटेन से निकाले जाने का खतरा मंडरा रहा है। पीड़ित का नाम मोहम्मद सेठवाला बताया जा रहा है। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने उन्हें देश छोड़ने के लिए बुधवार (22 अप्रैल) तक का समय दिया है। आदेश का पालन नहीं करने पर गिरफ्तारी की धमकी दी गई है।

वीजा समस्या और परिवार की दुखद कहानी

मोहम्मद सेठवाला ब्रिटेन में अपनी पत्नी के स्टूडेंट वीज़ा पर एक डिपेंडेंट के तौर पर रह रहे थे। एयर इंडिया फ्लाइट 171 के हादसे के बाद उनकी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने के चंद सेकंड बाद ही विमान क्रैश हो गया, जिसमें 260 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में उनकी पत्नी सादिकाबानू टापेलीवाला और दो साल की बेटी फातिमा भी शामिल थीं।

यूके के मीडिया आउटलेट मेट्रो की रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद सेठवाला ने ब्रिटेन के गृह मंत्रालय से मानवीय और दयालुता के आधार पर आगे रहने की अनुमति मांगी थी, जिसे ठुकरा दिया गया। फिलहाल उन्हें इमिग्रेशन बेल पर रखा गया है। सेठवाला ने भरे मन से कहा, मैं सरकार के फैसले को स्वीकार नहीं करता। इस वजह से मेरी तबीयत ठीक नहीं है। मैं इसे नहीं मान सकता।

जानकारी के मुताबिक, साल 2022 में मो. सेठवाला मार्च में अपनी पत्नी के साथ ब्रिटेन आए थे। सादिकाबानू लंदन के अल्स्टर यूनिवर्सिटी कैंपस में पढ़ाई कर रही थीं। भविष्य में स्किल्ड वर्कर के तौर पर वहीं बसने की योजना बना रही थीं। न्यूज एजेंसी से बात करते हुए सेठवाला ने बताया कि वे दोनों बहुत ही कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं। पड़ोसियों ने पैसे जुटाकर उनको ब्रिटेन भेजा था।

नौकरी की पेशकश और गृह मंत्रालय का तर्क

एयर इंडिया ने सेठवाला को लंदन में ताज ग्रुप के साथ नौकरी की पेशकश भी की थी, लेकिन वीजा की समय-सीमा खत्म होने के कारण वे इसे स्वीकार नहीं कर सके। उनके दोस्तों का कहना है कि यदि उनकी पत्नी या बेटी आज जिंदा होतीं, तो उन्हें कानूनन ब्रिटेन में रहने का हक मिल जाता। लेकिन इस दुखद स्थिति में भी ब्रिटेन का प्रशासन उन्हें शोक-संतप्त पति/पत्नी की श्रेणी में नहीं मान रहा है।

द सन द्वारा देखे गए दस्तावेजों के मुताबिक, होम ऑफिस ने अपने पत्र में तर्क दिया है कि चूंकि मोहम्मद सेठवाला का परिवार भारत में रहता है, वो अपनी मातृभाषा बोलना जानते हैं, इसलिए उन्हें वहां दोबारा बसने में कोई दिक्कत नहीं होगी। इसी आधार पर उन्हें 22 अप्रैल तक देश छोड़ने का अल्टीमेटम दिया गया है। ब्रिटिश सरकार के इस कदम की चौतरफा निंदा हो रही है।

अंतरराष्ट्रीय आलोचना और मानवाधिकार संगठनों का विरोध

माइग्रेंट्स राइट्स नेटवर्क की सीईओ फिजा कुरैशी ने इसे संवेदनहीनता करार दिया है। वहीं, इतिहासकार पैट्रिक वर्नन ने इसे नैतिक नाकामी बताया है। 110 प्रभावित परिवारों का पक्ष रख रहे आयुष एस. राजपाल ने भी इसे एक सच्चा मानवीय मामला बताते हुए पुनर्विचार की मांग की है। फिलहाल, मामला अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में है, लेकिन ब्रिटेन का गृह मंत्रालय अपने रुख पर कायम है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर प्रोफेसर सारा नाहिद का होगा सम्मान

तेलंगाना मेधावी फोरम की पहल, शिक्षा व पर्यावरण क्षेत्र में योगदान को मिलेगा सम्मान

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना मेधावी फोरम राज्य शाखा के तत्वावधान में इस माह 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर सरोजिनी नायडू वनिता महाविद्यालय, एग्ज़ीबिशन ग्राउंड, नामपल्ली स्थित बॉटनी विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर एवं पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्सेज की निदेशक प्रोफेसर सारा नाहिद का सम्मान किया जाएगा। यह जानकारी तेलंगाना सिटिज़न्स काउंसिल के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को दोपहर 2 बजे तेलंगाना काउंसिल ऑफ एजुकेशन के सचिव प्रोफेसर श्रीराम वेंकटेश द्वारा उनका सम्मान किया जाएगा।

प्रोफेसर सारा नाहिद पिछले 34 वर्षों से वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में अनेक शिविरों, सेमिनारों, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण कार्यक्रमों, शिक्षा एवं शोध कार्यों में उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान कर रही हैं। उन्होंने सरोजिनी नायडू वनिता महाविद्यालय में वाइस प्रिंसिपल के रूप में भी कार्य किया है और वर्तमान में पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्सेज की निदेशक के रूप में सेवाएं दे रही हैं।

प्रोफेसर सारा नाहिद ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक शोध पत्र प्रस्तुत और प्रकाशित किए हैं। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय से एम.एससी (वनस्पति विज्ञान), बी.एड. तथा पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। वह तेलंगाना विश्वविद्यालय और मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय में रिसोर्स पर्सन के रूप में भी सेवाएं दे चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, वे विभिन्न विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में परीक्षा मंडल की पैनल ऑफ एग्जामिनर्स की सदस्य भी रही हैं।

प्रोफेसर सारा नाहिद ने छह पाठ्यपुस्तकों का लेखन किया है। शिक्षा, अध्यापन, राष्ट्रीय एकता तथा वनस्पति विज्ञान के शोध क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

बंडी संजय ने केसीआर और रेवंत पर निशाना साधा

करीमनगर, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने मंगलवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख चंद्रशेखर राव पर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी होने का दिखावा करते हुए प्रदेश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया।

करीमनगर में रेकुर्थी झील सौंदर्यीकरण परियोजना की आधारशिला रखने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए श्री संजय ने दोनों नेताओं पर मिलीभगत से काम करने का आरोप लगाया और उन्हें राज्य के लिए दोहरे अभिशाप करार दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कालेश्वरम परियोजना में कथित अनियमितताओं को छिपाने के लिए सीबीआई जांच का दायरा पूरी परियोजना के बजाय चुनिंदा बांधों तक सीमित कर रहे हैं।

श्री संजय ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना की पूरी प्रक्रिया की व्यापक जांच से ही सच्चाई का पता चलेगा और उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वे इस मामले की और विस्तृत जांच का आदेश दें।

विकास के मोर्चे पर उन्होंने बताया कि करीमनगर की तीन झीलों के जीर्णोद्धार के लिए अमृत-2 योजना के तहत 5.82 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है, जिसमें रेकुर्थी झील के लिए 1.98 करोड़ रुपये शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर बुनियादी ढांचे और सीवेज के रिसाव को रोकने के उपायों के साथ इस झील को एक मिनी पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने भाजपा और बीआरएस के बीच किसी भी गठबंधन की संभावना को भी खारिज कर दिया और जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी तेलंगाना में आगामी चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ेगी और जीतेगी।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म : सुरेश सिंघल

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में सुरेश सिंघल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही सच्ची पूजा है और जरूरतमंदों की सहायता करना मानव जीवन का सबसे बड़ा कर्तव्य है।

इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया, जिससे उनके चेहरों पर संतोष और खुशी झलक उठी। सुरेश सिंघल ने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप निरंतर सेवा के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक संदेश दे रहा है और सभी को इस प्रकार के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जय प्रकाश सारडा, मनीष चिंडालिया, जगन एलाकुर्थी, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, महेश अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, सोहनलाल दायमा, भगत राम गोयल एवं गौरव गोयल सहित कई सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया।

बंजारा हिल्स में जयकीर्ति जयपुर के नए स्टोर का भव्य उद्घाटन

शाही परिधानों की नई पेशकश, शहर के गणमान्य अतिथि रहे उपस्थित

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के बंजारा हिल्स, रोड नंबर 10 स्थित जयकीर्ति जयपुर के नए स्टोर का उद्घाटन श्रीमती असमान कंवर राठौड़ एवं रानी जयकीर्ति सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. नैना जायसवाल, श्रीमती भाग्यलक्ष्मी जायसवाल, हंस कंवर, मीनाक्षी, रीटा, डिंपल राठौड़, कोमल अग्रवाल, मृगांका कुमारी, आर्ची बॉबी तथा शहर के अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। जयकीर्ति एक प्रतिष्ठित परिधान ब्रांड है, जो अपनी कलेक्शन में आराम, शाही सौंदर्य, हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग, शिफॉन और भारतीय संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत करता है।

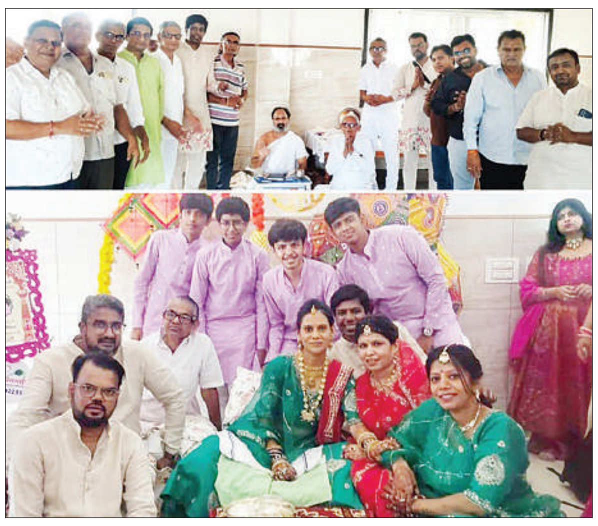

कुलपाकजी तीर्थ स्थित श्री राजेन्द्र सूरी गुरू मंदिर में पू. मुनिराज श्री चंद्रयशविजयजी म.सा. आदि की निश्रा में श्रीमती कवीतादेवी मुकेश दोशी चोपडा के वर्षीतप पारणा व अनुमोदना के अवसर पर उपस्थित चम्पालाल, हितेश, महावीरचंद, जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, मुकेश चौहान, मांगीलाल वेदमुथा, अशोक वजावत, सीए. मूलचंद, रविन्द्र सालेचा, कीर्ति श्री श्री श्रीमाल एवं अन्य।

धनराज तिवारी का नगरागमन पर भव्य स्वागत सम्मान

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुष्कर ऋष्य श्रृंग मंदिर, छोटी बस्ती, अखिल भारतवर्षीय सिखवाल ब्राह्मण महासभा के पुजारी आदरणीय धनराजजी तिवारी (सुपुत्रः पूर्व पुजारी स्वर्गीय शिवप्रशादजी तिवारी) सोमवार, 20 अप्रैल 2026 को एक निजी कार्यक्रम में सम्मिलित होने भाग्यनगर हैदराबाद पधारे।

'अतिथि देवो भवः' की परंपरा का निर्वाह करते हुए सिखवाल प्रगति समाज के उपाध्यक्ष एवं अनेक संगठनों के पितामह सिखवाल रत्न श्री रामदेवजी नागला के सानिध्य में उनके निवास स्थान पर साफा एवं शाल पहनाकर उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया।

श्री अंजनेया स्वामी मंदिर में मूर्ति स्थापना, राम नामस्मरण एवं गुरु वंदन कार्यक्रम आयोजित

बांसवाड़ा, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हेमला नायक थांडा, गांधारी मंडल में वेंकटपुर गांव के बाहरी इलाके में नए बने श्री अंजनेया स्वामी मंदिर में अंजनेया स्वामी की मूर्ति की स्थापना के मौके पर, श्री सद्गुरु स्वामी समर्थ महाराज, डीसीसीबीके पूर्व चेयरमैन पोचाराम भास्कर रेड्डी ने श्री सद्गुरु स्वामी समर्थ महाराज की देखरेख में श्री राम नामस्मरण गुरु वंदनम कार्यक्रम में भाग लिया।

जय लोधेश्वर महादेव सामूहिक विवाह समिति के तत्वावधान में

12वां सामूहिक विवाह समारोह संपन्न

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जय लोधेश्वर महादेव सामूहिक विवाह समिति के तत्वावधान में 12वां सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन रानी अवंती बाई लोध भवन में सम्पन्न हुआ। समिति द्वारा आयोजित सामूहित विवाह में 13 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। बरात रहीमपुरा स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर प्ले ग्राउंड से निकल कर रानी अवंती बाई लोध भवन पहुंची। उक्त समारोह में लोध क्षत्रिय समाज व अन्य समाजों के सदस्य एवं अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष नरेश सिंह, महामंत्री टी जितेन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष शंकर सिंह, उपाध्यक्ष अडवोकेट चन्द्रशेखर सिंह, रविन्दर सिंह, रंजीत सिंह, संयुक्त सचिव निर्मेश सिंह, धनराज सिंह, फूल सिंह, उमेश सिंह, सूरेन्दर सिंह,महेन्दर सिंह, उमाशंकर सिंह, अशोक सिंह संजय सिंह, जसपाल सिंह,रोमेश सिंह, रणवीर सिंह, आनंद सिंह, शंकर सिंह, महादेव सिंह, शैलेन्द्र सिंह,लखन सिंह,देवेन्दर सिंह, नरेश सिंह के अलावा कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में आल इंडिया लोध क्षत्रिय समाज महामंत्री हुकुम सिंह देशराजन जी, परमेश्वरी सिंह पूर्व पार्षद मंगलहाट डिवीजन व कांग्रेस नेत्री, लाल सिंह पूर्व पार्षद गोशामहल डिवीजन, मुकेश सिंह पूर्व पार्षद गोशामहल डिवीजन, शशिकला पूर्व पार्षद मंगलहाट डिवीजन, लोध क्षत्रिय सदर पंचायत के महामंत्री टी राजेश सिंह, कोषाध्यक्ष योगेश सिंह, उपसंचालक देवी सिंह, उपसंचालक शैलेश सिंह, उपसंचालक बलदेव सिंह, उपसंचालक युद्धवीर सिंह, मंत्री शिवकुमार सिंह, मंत्री अंगत सिंह, मंत्री शेलेन्दर सिंह, मंत्री राजा सिंह व अन्य उपस्थित थे।

मिनिस्ट्री ऑफ टैक्सटाइल के उच्चस्तरीय सत्र में शामिल हुए पिरगल

बेंगलूरु होलसेल क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ने महत्वपूर्ण समस्याओं पर की सार्थक चर्चा

बेंगलूरु, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बेंगलूरु होलसेल क्लॉथ मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश पिरगल ने मंगलवार को बेंगलूरु स्थित होटल शेराटन में मिनिस्ट्री ऑफ टैक्सटाइल द्वारा आयोजित एक उच्चस्तरीय सत्र में भाग लिया। इस बैठक में भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों एवं विभिन्न राज्य सरकार के विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस सत्र में मुख्य रुप से नई वस्त्र नीतियों तथा केंद्रीय बजट 2026 में घोषित लाभों पर चर्चा की गई। वस्त्र क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने, व्यापार में सुगमता बढ़ाने तथा व्यापारियों एवं निर्माताओं को समर्थन प्रदान करने हेतु विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान पिरगल ने वस्त्र एवं परिधान उद्योग के समक्ष आने वाली महत्वपूर्ण समस्याओं को उठाया, विशेष रुप से वजन एवं माप (वैट एंड मेजरमेंट)

संबंधी कानूनों से उत्पन्न चुनौतियों पर ध्यान आकर्षित किया। अधिकारियों ने इस विषय पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया कि शीघ्र ही इस कानून में राहत प्रदान करने पर विचार किया जाएगा। साथ ही इसके अतिरिक्त, उन्होंने भारत सरकार की टेक्सटाइल कमेटी में दक्षिण भारत से दो-तीन प्रतिनिधियों को शामिल करने का सुझाव भी दिया, ताकि क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। इस सुझाव पर विभाग ने सकारात्मक रुख अपनाया और कमेटी में सदस्यों को शामिल करने के प्रति डिपार्टमेंट को अवगत कराया जाएगा। यह भी जानकारी दी गई कि मंत्रालय द्वारा प्रमुख शहरों में टेक्सटाइल सेवा केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिससे हितधारकों को वस्त्र नीतियों एवं अन्य लाभों की जानकारी और सुविधा प्राप्त होगी। समग्र रूप से यह सत्र अत्यंत जानकारीपूर्ण एवं रचनात्मक रहा, और घोषित पहले वस्त्र उद्योग के विकास एवं विस्तार के लिए नए अवसर प्रदान करेगी।

बसवेश्वर जयंती पर दिव्यांगों को कृत्रिम पाँव वितरित, सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण

हुब्बल्ली में भव्य आयोजन, गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

हुब्बल्ली, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मुरुसाविरा मठ परिसर, हुब्बल्ली में आयोजित बसवेश्वर जयंती उत्सव समारोह का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. गुरुसिद्ध राजयोगींद्र महास्वामी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। समारोह में शांताश्रम अभिनव सिद्धारूढ़ स्वामी, बसवा समिति के अध्यक्ष प्रवीण कुबसद, पालिका सदस्य शिवु मेनासिनाकयी, राजन्ना कोरावी, पूर्व विधायक अशोक काटवे, बीजेपी नेता मल्लिकार्जुन सवुकारा तथा महावीर लिंब सेंटर के कन्वीनर सुभाष डंक सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन, महावीर लिंब सेंटर, हुब्बल्ली द्वारा सामाजिक सेवा के अंतर्गत दिव्यांगजनों को कृत्रिम पाँव वितरित किए गए। इस मानवीय पहल की उपस्थित सभी अतिथियों एवं नागरिकों ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक बताया। महावीर लिंब सेंटर के कन्वीनर सुभाष डंक ने जानकारी देते हुए बताया कि बसवेश्वर जयंती उत्सव समिति द्वारा फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेंद्र सिंघी से संपर्क कर इस अवसर पर दिव्यांग सेवा आयोजित करने का निवेदन किया गया था। इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए महेंद्र सिंघी के मार्गदर्शन में फेडरेशन द्वारा दिव्यांगजनों को कृत्रिम पाँव प्रदान किए गए। समारोह में वक्ताओं ने श्री बसवेश्वर के आदर्शों, उनके सामाजिक सुधार कार्यों तथा समता, मानवता और सेवा के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से उनके विचारों को अपनाकर समरस और सशक्त समाज के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का वातावरण श्रद्धा, सेवा भावना और सामाजिक एकता के संदेश से ओत-प्रोत रहा।

भाजपा की नीतियों में बढ़ा अल्पसंख्यकों का विश्वास

रामचंद्र राव की उपस्थिति में कई सदस्य पार्टी में शामिल

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):
भारतीय जनता पार्टी को मंगलवार को उस समय बड़ी मजबूती मिली जब विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों ने पार्टी का दामन थाम लिया। यह मिलन समारोह तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नवागंतुक सदस्यों ने भाजपा के नेतृत्व और उसके सबका साथ, सबका विकास के विजन के प्रति अटूट विश्वास व्यक्त किया।

पार्टी में शामिल होने वाले सदस्यों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया है। रामचंद्र राव जी ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा की समावेशी नीतियों के कारण ही आज अल्पसंख्यक समाज बड़ी संख्या में पार्टी से जुड़ रहा है।

इस महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम पर तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जगमोहन सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया साझा की। उन्होंने कहा कि यह विस्तार दर्शाता है कि राज्य में भाजपा के प्रति धारणा बदल रही है और लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए उत्सुक हैं।

आदि शंकराचार्य की शिक्षाएं ही आदर्श

वीएचपी राज्य कार्यालय में भव्य रूप से मनाई गई जयंती

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदि शंकराचार्य द्वारा प्रतिपादित अद्वैत सिद्धांत भारतीय आध्यात्मिकता का मूल स्तंभ है, ऐसा विश्व हिंदू परिषद के धर्माचार्य संपर्क प्रमुख पगुडाकुला बालस्वामी ने कहा। मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद के राज्य कार्यालय, कोटी में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य की जयंती भव्य रूप से आयोजित की गई।

इस अवसर पर आदि शंकराचार्य के चित्र पर पुष्पमालाएं अर्पित की गईं, मंगल आरती की गई तथा उनकी शिक्षाओं का स्मरण किया गया।

पगुडाकुला बालस्वामी ने कहा कि हिंदू समाज को आदि शंकराचार्य की शिक्षाओं और आचरण को आदर्श मानते हुए धर्म संरक्षण के लिए आगे बढ़ना चाहिए। समाज में एकता और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रयास करना चाहिए, ऐसा उन्होंने सुझाव दिया।

कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के राज्य उपाध्यक्ष जगदीश्वर जी, गणेश, जगन, रमणारेड्डी, हरिकृष्ण, कार्तिक, शिव साई सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मध्य रेल के महाप्रबंधक बने राजीव श्रीवास्तव

मुंबई, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मध्य रेल के नए महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव भारतीय रेल में 34 वर्षों से अधिक का समृद्ध एवं विविध अनुभव रखते हैं। बीते दिनों ही उन्होंने महाप्रबंधक के रुप में पदभार ग्रहण कर लिया है। अपने विशिष्ट एवं शानदार करियर के दौरान राजीव श्रीवास्तव भारतीय रेलवे सेवा के इंजीनियर्स (आईआरएसई) के वर्ष 1990 बैच के अधिकारी हैं। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, मध्य रेल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई डॉ. स्वप्नील निला के अनुसार उन्होंने संरचनात्मक (स्ट्रक्चरल) इंजीनियरिंग में एम.टेक की उपाधि प्राप्त की है तथा भारतीय रेल के विभिन्न जोनों एवं सार्वजनिक उपक्रमों में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है, जिनमें उत्तर रेलवे, रेल विकास निगम लिमिटेड, उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे तथा दक्षिण पूर्व रेलवे शामिल हैं। मध्य रेल के महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण करने से पहले डायनेमिक कर्तव्यनिष्ठ पर्सनेलिटी श्रीवास्तव उत्तर पश्चिम रेलवे में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) के पद तथा भारतीय रेलवे में रुट किलोमीटर के हिसाब से राजस्थान में रेलवे के सबसे बड़े मंडल बीकानेर के मंडल रेल प्रबंधक पद पर ऐतिहासिक स्वर्णिम बेहतरीन सेवाएं दे चुके हैं।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान, सेवा भावना का प्रेरणादायक उदाहरण

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता की सच्ची मिसाल पेश की गई।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा एवं राधे-राधे ग्रुप के अन्य सेवाभावी सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए सेवा कार्य को सफल बनाया। सभी ने मिलकर श्रद्धा और समर्पण भाव से अन्नदान कर समाज में सकारात्मक संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप निरंतर निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में संलग्न है और आगे भी इसी प्रकार जरूरतमंदों की सहायता करता रहेगा। अन्नदान को सबसे बड़ा पुण्य बताते हुए उन्होंने समाज के अधिक से अधिक लोगों से इस पुनीत कार्य में जुड़ने का आह्वान किया।

अंत में सभी ने एक स्वर में कहा कि सेवा ही सच्ची भक्ति है और राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ निरंतर समाज सेवा में समर्पित है।

भाजपा ने तेलंगाना में बदलाव की भविष्यवाणी की

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने मंगलवार को कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख के. चंद्रशेखर राव और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी अपनी जनसभाओं में जिस तरह भाजपा पर हमले कर रहे हैं उससे पार्टी की बढ़ती ताकत का पता चलता है और यह राज्य में बदलाव का संकेत है।

श्री राव ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने अपने भाषणों में भाजपा को निशाना बनाया, जो उनके दावे के अनुसार पार्टी की बढ़ती संभावनाओं को लेकर उनकी चिंता को दर्शाता है। उन्होंने टिप्पणी की, जहां एक सत्ता में वापसी की बात कर रहा है, वहीं दूसरा मौजूदा हालात को बदलने की बात कर रहा है लेकिन दोनों ही साफ तौर पर भाजपा को लेकर चिंतित हैं।

उन्होंने श्री चंद्रशेखर राव पर कृषि मोटरों पर मीटर लगाने जैसे मुद्दों पर गुमराह करने वाले दावे करने का आरोप लगाया और उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान जमा हुए कर्ज पर बहस करने की चुनौती दी। उन्होंने मुख्यमंत्री को भी सरकार द्वारा पेश किए जा रहे आंकड़ों और दावों पर खुली चर्चा करने की चुनौती दी।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार और मौजूदा कांग्रेस सरकार दोनों ने ही राज्य की वित्तीय स्थिति को कमजोर किया है और उन पर भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दों, विशेष रूप से कालेश्वरम परियोजना के मामले में एक-दूसरे को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मेदिगड्डा, सुंडिला और अन्नाराम बैराजों में संरचनात्मक खामियों को लेकर लगातार चिंता जताई है और एक व्यापक जांच की मांग की है।

उन्होंने दोनों पार्टियों पर राजनीतिक नौटंकी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी जनसभाओं का राजनीतिक परिदृश्य पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने दोहराया कि तेलंगाना की जनता बदलाव चाहती है और विश्वास जताया कि भाजपा एक विकल्प के रूप में उभरेगी।

प्रगतिनगर सरकारी स्कूल के प्रतिभाशाली छात्रों को मिला सम्मान

सीनियर सिटीजन एसोसिएशन ने 5वीं कक्षा के 6 छात्रों को दिए नगद पुरस्कार

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
प्रगतिनगर सीनियर सिटीजन एसोसिएशन की एग्जीक्यूटिव कमेटी ने मंगलवार को एसोसिएशन प्रेसिडेंट सी. एच. के नेतृत्व में प्रगतिनगर सरकार मंडल प्रजा परिषद स्कूल के दो सेक्शन में 5वीं कक्षा के 6 प्रतिभाशाली छात्रों को नगद पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाणपत्र वितरित किए। प्रथम, द्वितीय और तृतीय रैंक प्राप्त करने वाले छात्रों को क्रमशः 1000 रुपये, 750 रुपये और 500 रुपये प्रदान किए गए। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर सीनियर सिटीजन सदस्य शेषगिरिराव, बिल्ला कोटेश्वरराव, आंजनेयालु, नागिरेड्डी, श्रीनिवासराव तोटा, हुलीकुंटोजी राव, रत्नाजी सहित एसोसिएशन के अन्य सदस्य एवं स्कूल के शिक्षक उपस्थित रहे।

लागत घटाएं और गुणवत्ता बनाए रखें किशन रेड्डी का एससीसीएल को निर्देश

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):
केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंगलवार को सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) सहित सरकारी कोयला कंपनियों को सख्त गुणवत्ता मानक बनाए रखने और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए उत्पादन लागत कम करने का निर्देश दिया।

नई दिल्ली से एक राष्ट्रव्यापी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बोलते हुए, उन्होंने ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए भारत के प्रयासों पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने प्रस्तावित 'कोल एक्सचेंज' के माध्यम से एक नई कोयला बिक्री व्यवस्था की घोषणा की, जिससे उपभोक्ता अपनी पसंद के आपूर्तिकर्ताओं से पसंदीदा ग्रेड के कोयले का चयन कर सकेंगे। उन्होंने लागत में कटौती के उपायों का आग्रह करते हुए कहा, बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने के लिए सरकारी कंपनियों के लिए गुणवत्ता के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण भी महत्वपूर्ण है।

पांच नई ओपनकास्ट परियोजनाओं की तैयारी

हैदराबाद के सिंगरेनी भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए एससीसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति ने कंपनी की भविष्य की योजनाओं का खाका पेश किया। उन्होंने बताया कि मंजूरी मिलने की स्थिति में पांच नई ओपनकास्ट परियोजनाएं शुरू करने की योजना हैंथिलंदु में जेके ओसी (जेके ओसी), मनुगुरु ओपनकास्ट विस्तार, रामागुंडम ओसी-1 फेज-3, गोलेटी ओसी और आरके ओपनकास्ट।

स्टॉक जमा होने से रोकने के लिए गर्मियों में बढ़ेगी आपूर्ति

डॉ. ज्योति ने उल्लेख किया कि एससीसीएल उच्च गुणवत्ता वाली आपूर्ति और गर्मियों के दौरान कोयले की निकासी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है ताकि स्टॉक जमा न हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिपूरक वनीकरण (क्षतिपूरक वनीकरण) भूमि की अनुपलब्धता के कारण, नई खनन परियोजनाओं को जल्दी शुरू करने के लिए एससीसीएल को सीपीएसयू दर्जे की आवश्यकता है।इस बैठक में कंपनी के निदेशक एल.वी. सूर्यनारायण (संचालन) और के. वेंकटेश्वरलू (योजना एवं परियोजनाएं) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया और अपने विचार साझा किए।

सज्जनार ने आरबीआई गवर्नर को पत्र लिख की अपील

बैंक खातों के दुरुपयोग पर लगाम लगाएं

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)
हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनार ने भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा से देश भर में सक्रिय संगठित साइबर अपराध नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए बैंक खातों पर कड़ा नियंत्रण लागू करने का आह्वान किया है। आरबीआई गवर्नर को लिखे एक पत्र में, सज्जनार ने म्यूल अकाउंट्स (दूसरों के नाम पर खोले गए फर्जी खाते) के बढ़ते दुरुपयोग पर प्रकाश डाला, जिनका उपयोग भोले-भले व्यक्तियों के नाम पर किया जा रहा है।

ऑपरेशन ऑक्टोपस में हुआ केवाईसी चूक का खुलासा

कमिश्नर ने बताया कि साइबर धोखाधड़ी करने वालों के लिए ये म्यूल अकाउंट्स एक प्रमुख हथियार बन गए हैं। उन्होंने कहा कि हैदराबाद पुलिस की हाई-प्रोफाइल जांच ऑपरेशन ऑक्टोपस के दौरान यह बात सामने आई है कि बैंक शाखा स्तर पर अपने ग्राहक को जानें सत्यापन प्रक्रियाओं में गंभीर खामियां हैं। उन्होंने आरबीआई से आग्रह किया कि सभी वाणिज्यिक बैंकों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए जाएं और किसी भी चूक के लिए शाखा स्तर के अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने जमीनी स्तर पर केवाईसी मानदंडों के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए तत्काल सिस्टम-व्यापी ऑडिट की सिफारिश भी की।

बैंक अधिकारियों की मिलीभगत और ब्लैकलिस्टिंग का सुझाव

आंतरिक मिलीभगत पर चिंता व्यक्त करते हुए, सज्जनार ने नासिक में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक शाखा के मामले का हवाला दिया, जहां एक केवाईसी सत्यापनकर्ता ने कथित तौर पर कमीशन के बदले म्यूल अकाउंट बनाने के लिए अपने सहयोगी के लॉगिन क्रेडेंशियल का दुरुपयोग किया था। उन्होंने सुझाव दिया कि साइबर अपराध में सहायता करने के लिए गिरफ्तार या चार्जशीट किए गए किसी भी बैंक अधिकारी की रिपोर्ट आरबीआई को दी जानी चाहिए और उसे बैंकिंग प्रणाली से स्थायी रूप से ब्लैकलिस्ट किया जाना चाहिए।

ज्वाइंट वर्किंग ग्रुप बनाने की मांग

सज्जनार ने आरबीआई, बैंकों और पुलिस के प्रतिनिधियों को मिलाकर एक ज्वाइंट वर्किंग ग्रुप बनाने का प्रस्ताव दिया है, जो नियमित रूप से म्यूल अकाउंट्स के मुद्दे की समीक्षा कर सके। धोखाधड़ी की रोकथाम को मजबूत करने के लिए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बैंकों को ऐसी उन्नत तकनीक अपनानी चाहिए जो वास्तविक समय में संदिग्ध लेनदेन का पता लगाने में सक्षम हो। इससे अपराधियों तक पहुंचने और वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी।

मोदी पर खड़गे की टिप्पणी की कड़ी निंदा

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):
केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने इन टिप्पणियों को अपमानजनक और दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है।

एक बयान में किशन रेड्डी ने कहा कि खड़गे जैसे कद के नेता के लिए एक वर्तमान प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना अनुचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये टिप्पणियां कांग्रेस पार्टी के भीतर की हताशा को दर्शाती हैं।

लोकतांत्रिक मर्यादा और व्यक्तिगत हमले

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक आलोचना स्वाभाविक है, खासकर चुनावों के दौरान, लेकिन व्यक्तिगत हमलों से बचना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का बचाव करते हुए कहा कि पीएम आतंकवाद से लड़ने और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। किशन रेड्डी ने कांग्रेस पर भी कटाक्ष किया और आरोप लगाया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर कांग्रेस का अतीत संदिग्ध रहा है और वह राजनीतिक लाभ के लिए निराधार आरोप लगा रही है।

राजनीतिक हताशा का आरोप

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी राजनीतिक हताशा के कारण प्रधानमंत्री को निशाना बना रही है। उन्होंने राजनीतिक नेताओं से सार्वजनिक विमर्श में शालीनता बनाए रखने और लोकतांत्रिक बहस के दौरान व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचने का आग्रह किया।

खड़गे की सफाई और विवाद की पृष्ठभूमि

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहा था।

हालांकि, जब एक रिपोर्टर ने इस संदर्भ में स्पष्टीकरण मांगा, तो कांग्रेस अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि उनके कहने का मतलब यह था कि पीएम मोदी लोगों और राजनीतिक दलों को आतंकित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री को व्यक्तिगत रूप से कभी आतंकवादी नहीं कहा। भाजपा ने इस पूरी टिप्पणी की कड़ी निंदा की है।

हैदराबाद से 8 नई साप्ताहिक ट्रेनों की घोषणा किशन रेड्डी ने केंद्र सरकार का जताया आभार

नई दिल्ली/हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):
केंद्र सरकार ने कनेक्टिविटी बढ़ाने और यात्री सुविधा में सुधार के उद्देश्य से हैदराबाद से देश के विभिन्न गंतव्यों के लिए आठ नई साप्ताहिक ट्रेन सेवाओं की घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के विशेष प्रयासों के बाद शुरू की जा रही ये नई सेवाएं काचीगुड़ा, चेरलापल्ली और हैदराबाद (नामपल्ली) स्टेशनों से संचालित होंगी। ये ट्रेनें हैदराबाद को आंध्र प्रदेश के तिरुपति और तिरुचानूर, ओडिशा के भुवनेश्वर और राजस्थान के जयपुर व श्रीगंगानगर जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ेंगी।

तीर्थयात्रियों और लंबी दूरी के यात्रियों को बड़ी सौगात

घोषित आठ सेवाओं में से पांच ट्रेनें विशेष रूप से तिरुपति और तिरुचानूर की तीर्थ यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए हैं, जिससे भक्तों की बढ़ती संख्या को लाभ होगा। शेष सेवाएं देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों के लिए लंबी दूरी की कनेक्टिविटी में सुधार करेंगी। कार्यक्रम के अनुसार, काचीगुड़ा और चेरलापल्ली से तिरुचानूर और तिरुपति के लिए कई सेवाएं 5 मई से 15 मई, 2026 के बीच शुरू होंगी।

मई से जुलाई के बीच शुरू होगा ट्रेनों का परिचालन

शेड्यूल के मुताबिक, चेरलापल्ली से भुवनेश्वर के लिए साप्ताहिक ट्रेन 5 मई से शुरू होगी, जबकि काचीगुड़ा से श्रीगंगानगर की सेवा 14 जुलाई से निर्धारित है। इसके अतिरिक्त, नामपल्ली से जयपुर के लिए एक अन्य साप्ताहिक ट्रेन जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है, जिसकी तारीख की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

प्रधानमंत्री और रेल मंत्री का किया धन्यवाद

जी. किशन रेड्डी ने इन नई सेवाओं को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन ट्रेनों से यात्रियों, विशेषकर तीर्थयात्रियों और लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों को काफी लाभ होगा और क्षेत्रीय परिवहन व्यवस्था मजबूत होगी।

एसीबी ने राजस्व अधिकारी को 25,000 की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के भ्रष्टाचार-निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को नारायणपेट के राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) को कथित तौर पर 25,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों दबोच लिया।

एसीबी के एक बयान के अनुसार, राजस्व अधिकारी पाथलावथ रामचंद्र ने एक शिकायतकर्ता से उसके और चार अन्य लोगों के जन्म प्रमाण पत्रों के विलंबित पंजीकरण से संबंधित एक फाइल को मंज़ूरी देने के लिए रिश्वत की मांग की थी। एसीबी की महबूबनगर रेंज इकाई ने एक जाल बिछाया और राजस्व अधिकारी के कब्ज़े से रिश्वत की राशि बरामद की है। बयान में कहा गया है कि आरडीओ ने बेईमानी से काम किया था और अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया था।

उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और हैदराबाद के नामपल्ली स्थित एसपीई और एसीबी मामलों की अदालत के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किए जाने की प्रकिया जारी है।

कविता 25 को नई राजनीतिक पार्टी लॉन्च करेंगी बीआरएस और कांग्रेस पर साधा निशाना

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता 25 अप्रैल को नयी राजनीतिक पार्टी लॉन्च करेंगी। सुश्री कविता ने मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए इसे राज्य की राजनीति में नयी शक्ति के रूप में पेश करते हुए जनता से समर्थन की अपील की है।

बंजारा हिल्स स्थित अपने कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने लामबंदी के प्रयासों के तहत सिर्सिला से पदयात्रा शुरू कर दी है। उन्होंने पुलिस और नागरिक अधिकारियों से आग्रह किया कि वे पार्टी लॉन्च से संबंधित वाहनों और प्रचार गतिविधियों में बाधा न डालें।

सुश्री कविता ने हड़ताल पर बैठे आरटीसी कर्मचारियों को अपना समर्थन दिया और आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शन वापस लेने के लिए कर्मचारियों पर दबाव डाला गया है। उन्होंने सरकार पर आरटीसी आंदोलन, पानी की किल्लत और बिजली कटौती जैसे प्रमुख मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया और जनता की समस्याओं को हल करने में विफल रहने के लिए सत्तधारी कांग्रेस और विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) दोनों की आलोचना की।

दोनों दलों पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी हालिया बैठकें वास्तविक मुद्दों के बजाय राजनीतिक बयानबाजी पर अधिक केंद्रित थीं।

उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक और परिसीमन सहित केंद्र से जुड़े मुद्दों को न उठाने के लिए बीआरएस की आलोचना भी की।

यह वादा करते हुए कि उनकी पार्टी युवाओं को अवसर देगी और राजनीति में बदलाव लायेगी सुश्री कविता ने कहा कि तेलंगाना को जन-केंद्रित शासन की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, इस मिट्टी की बेटी होने के नाते, मैं एक नयी तरह की राजनीति के साथ आगे आ रही हूं। मैं जनता का आशीर्वाद चाहती हूं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी आवाजों को कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं और बीआरएस व कांग्रेस दोनों पर आत्मनिरीक्षण करने के बजाय राजनीतिक नाटकबाजी का आरोप लगाया।

तेलंगाना में भाजपा की आक्रोश पदयात्रा कल

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्षी कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन सहयोगियों के नकारात्मक रवैये के विरोध में गुरुवार को यहां जन आक्रोश पदयात्रा निकालेगी।

तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा से महिलाओं की तरक्की में रुकावट डाली है। उन्होंने कहा कि आक्रोश पदयात्रा जीएचएमसी कार्यालय से शुरू होगी और डोमलगुडा होते हुए इंदिरा पार्क तक जाएगी। पार्टी ने इस मुद्दे को उजागर करने के लिए बड़े पैमाने पर, खासकर महिलाओं से, हिस्सा लेने की अपील की है।

श्री राव ने दावा किया कि केंद्र ने विधायिका में महिलाओं के लिए ज़्यादा प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने इस पहल का राजनीतिकरण करने और इसे रोकने की कोशिश की, जिससे उनके महिला-विरोधी रवैये का पता चलता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तथा उसके साथियों का असली रंग दिखाने का समय आ गया है और तेलंगाना में महिलाएं अब महिला सशक्तिकरण की दशकों से चली आ रही अनदेखी के खिलाफ अपनी आवाज़ उठा रही हैं।

उन्होंने प्रदेश भर की महिलाओं से पदयात्रा में हिस्सा लेने और कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की नीतियों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराने की अपील की।

महिला कांग्रेस ने हैदराबाद में पोस्टकार्ड अभियान चलाया

महिला आरक्षण अधिनियम को तुरंत लागू करने की मांग की

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना राज्य महिला कांग्रेस ने मंगलवार को गांधी भवन में पोस्टकार्ड हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया। जिसमें महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 को तुरंत लागू करने की मांग की गई।

महिला आरक्षण विधेयक: आज करो, अभी करो नारे के तहत आयोजित इस अभियान में प्रतिभागियों ने प्रधानमंत्री कार्यालय को पोस्टकार्ड भेजकर मौजूदा 543 लोकसभा सीटों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का आग्रह किया। सभा को संबोधित करते हुए तेलंगाना राज्य महिला कांग्रेस की अध्यक्ष एर्राबेली स्वर्ण ने कहा कि संसद द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को बिना किसी देरी के लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि आरक्षण मौजूदा लोकसभा सीटों पर लागू किया जाए और 2029 के आम चुनावों से प्रभावी हो।

उन्होंने अधिनियम के कार्यान्वयन को नई जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया से जोड़ने का विरोध किया और आरोप लगाया कि ऐसा करने से दक्षिणी और छोटे राज्यों के प्रतिनिधित्व पर असर पड़ सकता है। उन्होंने परिसीमन प्रक्रिया शुरू होने से पहले जाति जनगणना की भी मांग की।

सुश्री स्वर्ण ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए प्रावधानों के अलावा, 33 प्रतिशत आरक्षण में ओबीसी महिलाओं के लिए उप-कोटा की भी मांग की और कहा कि नीति में सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

तेलंगाना में आवारा कुत्तों के जानलेवा हमलों पर मानवाधिकार आयोग सख्त

स्वत: संज्ञान लेते हुए प्रशासन से मांगी रिपोर्ट

हैदराबाद, 21 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):
तेलंगाना मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने मीडिया में आई आवारा कुत्तों के जानलेवा हमलों की हालिया खबरों पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने सार्वजनिक सुरक्षा और संभावित प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

डॉ. न्यायमूर्ति शमीम अख्तर की अध्यक्षता वाले आयोग ने 21 अप्रैल को समाचार पत्रों में प्रकाशित उन खबरों पर कार्रवाई की, जिनमें पेद्दापल्ली जिले में तीन साल की बच्ची और यादद्री भुवनगिरी जिले में एक 36 वर्षीय व्यक्ति की मौत सहित कई घटनाओं पर प्रकाश डाला गया था।

जीवन के अधिकार का उल्लंघन: आयोग की टिप्पणी

आयोग ने गौर किया कि यदि ये घटनाएं सच हैं, तो यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त जीवन के अधिकार के उल्लंघन की ओर इशारा करती हैं। आयोग ने यह भी कहा कि ये घटनाएं प्रवासी मजदूरों सहित समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं।

कलेक्टरों को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

टीजीएचआरसी ने पेद्दापल्ली और यादद्री भुवनगिरी के जिला कलेक्टरों को इन घटनाओं और अब तक की गई कार्रवाई पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मानवाधिकार आयोग ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 2 जून, 2026 की तारीख तय की है।

प्रशासनिक जवाबदेही पर उठे सवाल

बार-बार हो रही इन घटनाओं ने नगर निगम और जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। आयोग अब इस बात की जांच करेगा कि क्या आवारा कुत्तों की संख्या को नियंत्रित करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाए गए थे या नहीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.